डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 03.03.2025 से 09.03.2025 ► वर्ष-42 ► अंक-10 ► मूल्य ₹ 10.00

प्रधानमंत्री ने बागेश्वर धाम चिकित्सा विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान की आधारशिला रखी

छतरपुर, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने छतरपुर जिले के गढ़ा में 218 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले श्री बागेश्वर धाम चिकित्सा विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान का शिलान्यास किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों को किफायती और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। लोगों को इलाज के खर्चे से छुटकारा दिलाना हमारी जिम्मेदारी है। समाज के हर वर्ग के लिये बेहतर स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिये सरकार निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 के पहले देश में गरीब व्यक्ति बीमारी से ज्यादा इलाज में होने वाले खर्च से डरता था। उन्होंने गरीबों की इसी चिंता को दूर करने के लिये आयुष्मान भारत योजना प्रारंभ की। अब इस योजना में गरीबों को 5 लाख रुपये तक का नि:शुल्क उपचार उपलब्ध हो रहा है। योजना में अब 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को नि:शुल्क उपचार की सुविधा भी दी जा रही है। प्रधानमंत्री ने पीएम जन औषधि केंद्रों की शुरुआत पर कहा कि यहां 80 प्रतिशत छूट पर दवाएं उपलब्ध हैं। इस वर्ष बजट में कैंसर की दवाओं को सस्ता किया है। अगले तीन साल में हर ज़िले में कैंसर डे केयर सेंटर खोलने की तैयारी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में 8वीं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का शुभारंभ किया

प्रधानमंत्री ने अनंत संभावनाओं के ध्येय वाक्य से किया ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का शुभारंभ

- जीआईएस में प्रधानमंत्री ने उद्योगपतियों को दिया टेक्सटाइल, टूरिज्म और टेक्नोलॉजी में निवेश का मंत्र।
- मध्यप्रदेश में निवेश का यही समय है और सही समय है।
- देश की ईवी क्रांति का लीडिंग स्टेट बना मध्यप्रदेश।
- मध्यप्रदेश मैन्युफैक्चरिंग के नये सेक्टर्स के लिये शानदार डेस्टिनेशन।
- अपनी क्षमता से देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल होगा मध्यप्रदेश।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट - भोपाल में मध्यप्रदेश की विभिन्न 18 नवीन पॉलिसी लॉन्च करते हुए

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भोपाल के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में 8वीं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के इतिहास में ऐसा अवसर पहली बार आया है, जब पूरी दुनिया भारत के लिए आशान्वित है। भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी क्षमता को सिद्ध किया है, जिसके परिणामस्वरूप सम्पूर्ण विश्व भारत पर विश्वास प्रकट कर रहा है। प्रधामनंत्री ने कहा कि यही विश्वास हम मध्यप्रदेश में अनुभव कर रहे हैं। मध्यप्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से देश का पांचवां बड़ा राज्य है, कृषि और खनन में अग्रणी है, इसके साथ ही राज्य को माँ नर्मदा का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि देश में हो रहे अधोसंरचना विकास का लाभ मध्यप्रदेश को मिला है, दिल्ली-मुम्बई नेशनल हाईवे का बड़ा भाग मध्यप्रदेश से निकलता है, प्रदेश में पांच लाख किलोमीटर का रोड नेटवर्क है और लॉजिस्टिक्स की यहां अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। प्रधानमंत्री ने प्रदेश में औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन के लिए लागू 18 नवीन नीतियों का शुभारंभ किया।

बाधारहित व्यवसाय राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि एक वर्ष पहले निवेश तथा औद्योगिक विकास की यात्रा मार्च 2024 में बाबा महाकाल के आशीर्वाद के साथ उज्जैन से शुरू हुई। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यूके, जर्मनी एवं जापान में मध्यप्रदेश की विकास गाथा को प्रस्तुत किया गया और उद्योगपतियों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं एवं संभावित चुनौतियों को समझा तथा निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए व्यापक रोडमैप तैयार किया गया। सरल, निवेश अनुकूल एवं प्रासंगिक नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन, सरलीकृत व्यापार और शासन में पारदर्शिता लाना हमारी उच्च प्राथमिकता है।

देश का कॉटन कैपिटल है मध्यप्रदेश

प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश को देश का कॉटन कैपिटल बताते हुए कहा कि कपड़ा उद्योग और कॉटन सप्लाई में मध्यप्रदेश, देश का सबसे बड़ा उत्पादक है। यहां का मलबरी सिल्क और चंदेरी साड़ियां भी बहुत पसंद की जाती हैं। देश के सात बड़े टेक्सटाइल पार्क में से एक मध्यप्रदेश में है। देश के टूरिज्म सेक्टर में मध्यप्रदेश अजब भी है और गजब भी है। नर्मदा नदी के किनारे पर्यटन का पर्याप्त विकास हुआ है।

/संक्षिप्त खबर/

प्रदेश में निवेश के लिए औद्योगिक घरानों ने दिखाई अत्यधिक रुचि

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में निवेश का यज्ञ चल रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश को दो दिन का समय प्रदान किया। उन्होंने राज्यों को समृद्ध बनाने का अभियान चलाया है। विश्व भारत की ओर उम्मीदों से देख रहा है। निकट भविष्य में भारत को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है। इसमें सभी राज्यों के संसाधनों का समुचित उपयोग कर आर्थिक समृद्धि की लक्ष्य पूर्ति करना होगी। मध्यप्रदेश ने गत वर्ष संभागीय स्तर पर इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर निवेश संभावनाओं पर व्यापक स्तर पर कार्य किया। इसमें सफलता भी मिली और चार लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आया है। समिट में बड़े औद्योगिक घरानों ने मध्यप्रदेश में निवेश के लिए अत्यधिक रुचि दिखाई है।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

प्रदेश को जीआईएस से मिले 30.77 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव

भोपाल, भोपाल में आयोजित दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के समापन सत्र को केन्द्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने संबोधित किया। श्री शाह ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट सिर्फ मध्यप्रदेश की नहीं, यह देश की उपलब्धि है। उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहन देने के लिये उठाये गये कदम भारत के विकास को भी गति देने का कार्य कर रहे हैं। मध्यप्रदेश निश्चित ही प्रमुख उद्योग राज्य बनेगा। मध्यप्रदेश में निवेशकों का निवेश करने के प्रति विश्वास बढ़ा है। स्थायी और सशक्त सरकार, पारदर्शी प्रशासन, उपयोगी नीतियां, सहयोगी सामाजिक वातावरण, आर्थिक प्रगति के लिये ऐसे आधार हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश में औद्योगीकरण और निवेश को लेकर एक सकारात्मक माहौल बना है। मध्यप्रदेश में पर्याप्त जल, जंगल, जमीन, बिजली, लैंड बैंक और निवेश के लिये अनुकूल वातावरण बना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में एक वर्ष पहले क्षेत्रीय स्तर पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव (आरआईसी) की शुरुआत की थी, ताकि संभाग स्तर पर औद्योगीकरण और निवेश को और अधिक बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने कहा कि आरआईसी के बहुत अच्छे परिणाम हमें मिले हैं। आरआईसी में किए गए प्रयासों का प्रतिफल हमें जीआईएस में मिला है। हमने मध्यप्रदेश को आगे बढ़ाने और निवेशकों का हौसला बढ़ाने के लिए निवेश नीतियों में कई बदलाव किए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि जीआईएस में अब तक सरकार को 30 लाख 77 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। विभिन्न एमओयू साइन किये गये। प्रदेश सरकार अपने प्रयासों को धरातल पर उतरने के लिए पूर्ण प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार यहां के युवाओं, किसानों, महिलाओं और सभी प्रकार के संभावित क्षेत्रों में विकास के इस अभियान को जारी रखेगी।

किसी भी देश में रहें भारतीय उनकी अलग पहचान है

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में ग्लोबल ब्रिलिएन्स फोरम लंदन द्वारा आयोजित एनआरआई समिट में कहा कि भारतीय विश्व के किसी भी देश में बसते हों, भारतीय संस्कृति से अवश्य जुड़े रहते हैं। हमारे राष्ट्र की यही पहचान है। विभिन्न देशों में रहने वाले भारतीय वहां के समाज में समरस हो जाते हैं। प्रत्येक समाज के साथ आत्मीयता स्थापित करने और जड़ों से जुड़े रहने की विशेषता भारतीयों की पहचान है। भारत में नालंदा, तक्षशिला और विक्रमशिला जैसे अध्ययन केंद्र थे, जहां श्रेष्ठ जीवन पद्धति सिखाई जाती थी। विश्व के कई देशों से यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए नागरिक पहुंचते थे।

मध्यप्रदेश में पर्यटन सहित क्षेत्र और विषय विशेष पर होगा समिट का आयोजन

भोपाल, प्रदेश में ग्वालियर, जबलपुर, सागर, रीवा, नर्मदापुरम जैसे छोटे शहर भी अब औद्योगिक विकास के नए केंद्र बन रहे हैं। क्षेत्रीय स्तर पर हुई इन्वेस्टर्स समिट से प्रदेश में उद्योग व्यापार और रोजगार के लिए बेहतर वातावरण निर्मित करने में मदद मिली है। इसके साथ ही निवेशकों, उद्योगपतियों और प्रदेश के स्थानीय जन में परस्पर आत्मविश्वास भी बढ़ा है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान आयोजित सत्र में कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों और उद्योगपतियों को प्रदेश के छोटे शहरों में जाकर लगा कि इन स्थानों में भी पर्याप्त अधोसंरचना और बेहतर जीवन जीने के संसाधन उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुहासा- बाबई जैसे छोटे स्थान में औद्योगिक गतिविधियों का बड़े पैमाने पर विस्तार हो रहा है। इंदौर- नागदा- उज्जैन -देवास- मक्सी (शाजापुर)- पीथमपुर (धार) के लगभग 8000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को मिलाकर मेट्रोपॉलिटन के रूप में विकसित करने की योजना है। इसके लिए आवागमन के मार्ग, रेल नेटवर्क, बिजली, पानी, सफाई, सीवर लाइन जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं को विकसित कर, आगामी 25 वर्ष में इस क्षेत्र को महानगर के रूप में विकसित किया जाएगा।

राज्य सरकार द्वारा यह नवाचार किया गया

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश के भौगोलिक विस्तार को देखते हुए एविएशन नीति में बदलाव किया गया है। विमान सेवा को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार द्वारा इसेंटिव प्रदान कर जबलपुर, रीवा, सिंगरौली के यात्रियों को विमान सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही आयुष्मान योजना के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को विमान और हेलीकॉप्टर से नि:शुल्क एयर एंबुलेंस सेवा भी दी जा रही है। हेल्थ टूरिज्म के क्षेत्र में प्रदेश के आम आदमी के हित में सरकार द्वारा नवाचार किया गया है। प्रदेश में माधव नेशनल पार्क 10 मार्च को लोकार्पित किया जाएगा।

धार्मिक नगर विकसित करने की योजना

मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन में वर्ष 2028 में सिंहस्थ कुंभ होने जा रहा है, उज्जैन में 3300 हेक्टेयर क्षेत्र में धार्मिक नगर विकसित करने की योजना है। इसमें महामंडलेश्वर, शंकराचार्य, साधु, संत, महंत आदि को स्थाई रूप से अपने आश्रम निर्मित करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। जिसमें अन्न क्षेत्र के साथ-साथ स्कूल, कॉलेज, अस्पताल आदि का संचालन किया जा सकेगा। पर्यटन को तीर्थाटन से जोड़ने की दिशा में उनके द्वारा विशेष पहल की गई है।

22 फरवरी

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए आवेदन शुरू

● प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) के दूसरे चरण के लिए

आवेदन शुरू हो गया है। दूसरे चरण में भारत के 730 से अधिक जिलों में शीर्ष कंपनियों में एक लाख से अधिक इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए जाएंगे। तेल, गैस और ऊर्जा, बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं, यात्रा और स्वास्थ्य, ऑटोमोटिव, धातु, खनन विनिर्माण और औद्योगिक, फास्ट-मूविंग उपभोक्ता सामान (एफएमसीजी) और कई अन्य क्षेत्रों की 300 से अधिक शीर्ष कंपनियों ने भारतीय युवाओं को अनुभव प्राप्त करने, पेशेवरों के साथ नेटवर्क बनाने और उनकी रोज़गार क्षमता बढ़ाने के लिए इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए हैं। पात्र युवा अपने पसंदीदा जिले, राज्य, सेक्टर, क्षेत्र के आधार पर इंटर्नशिप के लिए चयन कर सकते हैं। दूसरे चरण में प्रत्येक आवेदक आवेदन की अंतिम तिथि 12 मार्च तक इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकता है।

● विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ पीएचडी थीसिस को पुरस्कार देगा। इसका उद्देश्य शोध की गुणवत्ता को बढ़ाना है। इसके तहत विश्वविद्यालय पांच पीएचडी थीसिस यूजीसी को भेज सकते हैं। यूजीसी ने एक आंकड़ा भी जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि अब पीएचडी करने वालों की संख्या में वृद्धि हो रही है। शैक्षणिक सत्र 2010-11 में 77,798 ने पीएचडी के लिए दाखिला लिया था, जो शैक्षणिक सत्र 2017-18 में 1,61,412 हो गया। पिछले वर्ष की पीएचडी के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले पीएचडी कार्य और क्वालिटी रिसर्च का ईकोसिस्टम तैयार किया जाएगा।

23 फरवरी

अब स्नातकोत्तर के बाद एक वर्ष की कर सकेंगे बीएड

● केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) रेग्यूलेशन-2025 को

मंजूरी दे दी। रेग्यूलेशन का मसौदा राज्यों और विश्वविद्यालयों को भेज दिया गया है। इस पर आठ मार्च तक आपत्ति मांगी है। इस मंजूरी के बाद शैक्षणिक सत्र 2026-27 से स्कूली शिक्षक बनने की पढ़ाई (बीएड) और पाठ्यक्रम बदल जाएगा। नए नियमों के बाद एक वर्ष की बीएड में चार वर्षीय स्नातक डिग्री प्रोग्राम और स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी कर चुके छात्र दाखिला ले सकेंगे। इसके साथ ही दो वर्ष की बीएड में तीन वर्षीय स्नातक छात्र दाखिला ले सकेंगे। एमएड डिग्री प्रोग्राम में चार वर्षीय इंटीग्रेटिड बीएड और दो वर्षीय बीएड की पढ़ाई वाले छात्र दाखिला ले सकेंगे।

● राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने नेशनल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (एनसीईटी 2025) के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसी प्रवेश परीक्षा के जरिए देश के विभिन्न संस्थानों में नए चार वर्षीय आईटीईपी (इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम) में दाखिला होगा। आईटीईपी कोर्स के तहत 12वीं पास छात्र चार वर्षीय बीए बीएड, बीएससी बीएड और बीकॉम बीएड कोर्स कर सकेंगे। योग्य और इच्छुक उम्मीदवार exams.nta.ac.in/NCET पर जाकर 16 मार्च, 2025 तक इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षा 29 अप्रैल, 2025 को होगी।

24 फरवरी

जिला स्वास्थ्य केंद्रों में 'डे केयर कैंसर सेंटर' बनाने के लिए सर्वेक्षण शुरू

● केंद्र सरकार ने अगले तीन वर्षों में सभी जिला अस्पतालों में 'डे केयर कैंसर सेंटर'

स्थापित करने के लिए जिला अस्पतालों में खामियों की पहचान तथा बुनियादी ढांचे की समीक्षा के लिए सर्वेक्षण शुरू किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि इन केंद्रों की स्थापना पर अगले तीन वर्षों में 3,200 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। ये केंद्र चार से छह बिस्तरों वाले होंगे और इनमें कीमोथेरेपी सेवाएं उपलब्ध कराने तथा कैंसर की रोकथाम और जागरूकता कार्यक्रम चलाने पर ध्यान दिया जाएगा। इससे विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक लोगों की कैंसर देखभाल तक पहुंच बढ़ेगी।

● भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने दर्द निवारक दवाओं टेपेंटाडोल और कैरिसोप्रोडोल के उत्पादन और निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह कदम इन खबरों के बाद उठाया गया है जिनमें कहा गया था कि इन दवाओं को मुंबई स्थित फार्मा कंपनी ने पश्चिम अफ्रीकी देशों में निर्यात किया था, जिससे वहां संकट पैदा हो गया था। इन दवाओं का मादक पदार्थों के तौर पर नशे के लिए इस्तेमाल किए जाने का खतरा है। डीसीजीआई ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के दवा नियंत्रण अधिकारियों से इन दोनों दवाओं के सभी निर्यात एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) और विनिर्माण लाइसेंस तुरंत वापस लेने को कहा है। टेपेंटाडोल का उपयोग दर्द के इलाज के लिए किया जाता है, वहीं कैरिसोप्रोडोल मांसपेशी रिलैक्सेंट है जो दर्द से राहत देती है।

25 फरवरी

एनसीएचएम जेईई प्रवेश परीक्षा 27 अप्रैल को

● हॉस्पिटैलिटी एंड होटल मैनेजमेंट में बीएससी में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय परीक्षण

NCHM JEE
Hotel Management Joint Entrance Exam

एजेंसी (एनटीए) परीक्षा लेगी। प्रवेश परीक्षा 27 अप्रैल को आयोजित की जाएगी। नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी (एनसीएचएमसीटी) 95 होटल मैनेजमेंट संस्थानों का संचालन करता है। यह परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगी।

● अमेरिका ने भारत की चार कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है। अमेरिका की इस ताजा कार्रवाई में भारत समेत ईरान की 16 कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया गया है। भारतीय कंपनियों पर पाबंदी की वजह ईरान के तेल एवं पेट्रोकेमिकल उद्योग में इनकी कथित संलिप्तता है। अमेरिका के जारी बयान के अनुसार प्रतिबंधित भारतीय कंपनियों में आस्टिनशिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, बीएसएम मरीन, कॉसमोस लाइंस इंक और फ्लक्स मैरीटाइम एलएलपी शामिल हैं।

26 फरवरी

नीट एमडीएस के लिए 10 मार्च तक हो सकेंगे रजिस्ट्रेशन

● राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) द्वारा नीट एमडीएस के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया जारी है। इसके

NEET MDS

रजिस्ट्रेशन 10 मार्च तक होंगे। आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से यह प्रक्रिया की जाएगी। इसके बाद फीस भुगतान 14 से 17 मार्च तक किया जा सकेगा। करेक्शन के लिए विंडो 27 से 31 मार्च तक खुली रहेगी। परीक्षा 19 अप्रैल को होगी। परीक्षा एक ही दिन और एक ही सत्र में कम्प्यूटर आधारित मोड में आयोजित की जाएगी। परिणाम 19 मई को घोषित किया जाना प्रस्तावित है।

● ब्रिटेन के व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स और निवेश मंत्री पॉपी गुस्ताफसन ने भारत यात्रा के दौरान 17 नए निर्यात और निवेश सौदों की घोषणा की। ब्रिटिश सरकार के अनुसार, भारत के हालिया केंद्रीय बजट से ब्रिटिश बीमा कंपनियों को भारत में विस्तार के अधिक अवसर मिलेंगे। बजट में बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत कर दी गई है। रेनॉल्ड्स और भारतीय वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल ने ब्रिटेन-भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत फिर से शुरू करने की घोषणा की। इससे रोज़गार और आर्थिक वृद्धि की उम्मीद है।

27 फरवरी

तीन भारतीय चिकित्सकों को मिला राष्ट्रीय धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार

● आयुष मंत्रालय ने पारंपरिक भारतीय चिकित्सा के क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए तीन प्रतिष्ठित चिकित्सकों को 'राष्ट्रीय

धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार' प्रदान किए। इस वर्ष के पुरस्कार विजेताओं में प्रसिद्ध नाड़ी वैद्य और लेखक वैद्य तारा चंद शर्मा, छह दशकों की सेवा के साथ द्रव्यगुण विज्ञान के प्रतिष्ठित वैद्य माया राम उनियाल और विश्व व्याख्यानमाला राष्ट्रीय सम्मेलन के संस्थापक वैद्य समीर गोविंद जमदग्नि शामिल हैं। मंत्रालय के अनुसार प्रत्येक पुरस्कार विजेता को एक प्रशस्ति पत्र, भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा की एक ट्राफी और पांच लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया।

● केन्द्र सरकार देश के सभी नागरिकों के लिये नई यूनिवर्सल पेंशन स्कीम (यूपीएस) लागू करने की योजना पर विचार कर रही है। यह योजना स्वरोजगार और वेतनभोगी कर्मचारियों के लिये भी उपलब्ध होगी। इस योजना का क्रियान्वयन केन्द्रीय श्रम मंत्रालय करेगा। मंत्रालय के अनुसार नई पेंशन योजना निर्माण कार्य में लगे मजदूरों, घरेलू कामगारों और गिग वर्कर्स जैसे असंगठित क्षेत्रों में काम कर रहे करोड़ों लोगों के लिये कारगर साबित होगी।

● मंगल ग्रह को लंबे समय से उसके लाल रंग के कारण 'लाल ग्रह' कहा जाता है। अब वैज्ञानिकों ने इस रंग के संभावित स्रोत का पता लगाया है। पहले माना जाता था कि यह रंग जंग लगे लौह खनिजों से बना है, लेकिन नये शोध के अनुसार यह रंग फेरिहाइड्राइट नाम खनिज के कारण है जो कि संभावित तरल पदार्थ की उपस्थिति में बनता है। यह खोज मंगल के इतिहास और उसके संभावित रहने योग्य होने के बारे में वैज्ञानिकों की सोच बदल सकती है।

28 फरवरी

प्राचीन तकनीक से बना जहाज हुआ लॉन्च

● गोवा में भारतीय नौसेना, संस्कृति मंत्रालय और होडी इनोवेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से पांचवीं शताब्दी की 'सिली हुई' तकनीक से बना जहाज पानी में उतारा गया। इस जहाज को बनाने के लिए लकड़ी के तख्तों, नारियल की

रस्सी, प्राकृतिक गोंद और मछली के तेल का उपयोग किया गया है। यह जहाज इतिहासकार संजीव सान्याल की पहल से बना है। कील या लोहे का उपयोग किए बिना बना यह जहाज भारत की प्राचीन समुद्री विरासत को पुनर्जीवित करने की कोशिश है।

● मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) ने माध्यमिक और प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा 2024 की तारीख में बदलाव किया। पहले यह परीक्षा 20 मार्च 2025 से शुरू होने वाली थी, लेकिन अब परीक्षा 15 अप्रैल से शुरू होगी। ईएसबी द्वारा यह परीक्षा स्कूल शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग के तहत माध्यमिक शिक्षक (विषय, खेल, संगीत-गायन वादन), प्राथमिक शिक्षक (खेल, संगीत-गायन वादन और नृत्य) के पदों के लिए आयोजित की जा रही है। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे नियमित रूप से ईएसबी की आधिकारिक वेबसाइट चेक करें, ताकि किसी भी अपडेट की जानकारी समय पर मिल सके।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश के छिन्दवाड़ा, धार, रतलाम, राजगढ़ एवं नीमच में एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालयीन समय में संपर्क करें
0755-2760006

प्रमुख आकर्षण

- कैरियर की खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- राज-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

वर्ष 42, अंक 10 03.03.2025 से 09.03.2025

रोज़गार और निर्माण

www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इससे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

मध्यप्रदेश के विकास में प्रवासी भारतीयों की सहभागिता आवश्यक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। विगत दिनों सम्पन्न हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से मिले परिणाम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निवेश प्रोत्साहन को बढ़ावा देने का प्रमुख कदम है। जीआईएस की सफलता निश्चित ही प्रदेश के विकास में एक मील का पत्थर साबित होगी। मध्यप्रदेश तेज गति से आगे बढ़ता हुआ राज्य है। विकास के सभी क्षेत्रों में निवेश की नई संभावनाएं उभरकर सामने आई हैं। प्रदेश के प्रत्येक भू-भाग में विकास और निवेश संभावनाओं को तलाशने के लिये रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विकास के विभिन्न क्षेत्रों में नई संभावनाओं से प्रवासी भारतीय परिचित हो रहे हैं। प्रदेश में सभी क्षेत्रों-आईटी, फार्मा, बॉयोटेक सहित विभिन्न सेक्टर्स में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए 18 नई नीतियां लागू की गई हैं। निवेशकों के लिए सरलीकृत प्रक्रिया और उद्योग-अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है। मध्यप्रदेश के प्रवासी भारतीयों और निवेशकों के लिए सभी क्षेत्र निवेश के लिए खुले हैं। मुख्यमंत्री ने प्रवासी भारतीयों के प्रति अपने गहरे जुड़ाव को व्यक्त करते हुए कहा कि जब लंदन में मध्यप्रदेश के निवासी मेयर बनते हैं, तो यहां भी खुशी से आतिशबाजी की जाती है। जब जिम्बाब्वे में यहां की जड़ों से जुड़ा हुआ व्यक्ति उच्च पद को सुशोभित करता है, तो यहां भी खुशियां मनाई जाती हैं। यह आंतरिक लगाव और मध्यप्रदेश की सामूहिक शक्ति का प्रतीक है, जो दुनिया के किसी भी कोने में अपने लोगों की सफलता पर गर्व महसूस करता है। मुख्यमंत्री का कहना है कि मध्यप्रदेश में रोज़गार के नये अवसरों के सृजन में प्रदेश के प्रवासी भारतीयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने समिट में प्रवासी भारतीयों से अपील की है कि वे मध्यप्रदेश में निवेश कर यहां के विकास में भागीदार बनें। उन्होंने आश्वस्त किया कि मध्यप्रदेश सरकार निवेशकों को हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। हमारी सरकार प्रदेश को एक वैश्विक निवेश गंतव्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने समय के सदुपयोग और कर्म पर बल देते हुए बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने भी गीता में यही उपदेश दिया है कि सभी को अपने कर्मों के माध्यम से समाज के उत्थान के लिए कार्य करना चाहिए। प्रवासी भारतीय सफलता की ऊंचाइयों पर पहुंचे हैं, उन्हें मध्यप्रदेश में निवेश करना चाहिए। इससे वे न केवल प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे, बल्कि हजारों लोगों के जीवन में सुधार लाने का पुण्य भी अर्जित करेंगे। नीति-निर्माण के विषयों पर केंद्र सरकार निर्णय लेती है, लेकिन मध्यप्रदेश सरकार स्थानीय स्तर की समस्याओं के समाधान के लिए पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सशक्त और विकासपरक सोच के कारण मध्यप्रदेश हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जीआईएस भोपाल ने यह साबित कर दिया कि मध्यप्रदेश देश-विदेश के निवेशकों के लिए फेवरेट इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन बन चुका है। राज्य सरकार द्वारा उद्योगों के विकास के लिये उठाए गए कदमों से राज्य में व्यापारिक सुगमता (ईज-ऑफ-डूईंग बिजनेस) को बढ़ावा मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा हम निवेशकों के विश्वास को मजबूत करेंगे, नई नीतियां लागू करेंगे और रोज़गार के नए अवसर पैदा करेंगे। भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का सफल आयोजन राज्य के आर्थिक और औद्योगिक विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है।

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में चंद्रमा पर मोबाइल नेटवर्क स्थापित कर इतिहास रचेगा नासा

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में अमेरिका की वैज्ञानिक एजेंसी नासा एक नया इतिहास रचने को तैयार है। इस बार नासा के वैज्ञानिकों ने चंद्रमा पर पहला मोबाइल नेटवर्क स्थापित करने की दिशा में कार्य करना आरंभ कर दिया है। जानकारी के अनुसार यह अमेरिकी वैज्ञानिकों द्वारा उठाया गया ऐतिहासिक कदम है। इस प्रयोग के बाद अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में एक और नया कीर्तिमान अमेरिका के खाते में जुड़ जाएगा। वैज्ञानिकों के अनुसार इस नेटवर्क को स्थापित करने और विकसित करने के लिए लूनर सरफेस कम्युनिकेशन सिस्टम का इस्तेमाल किया जाएगा जिसका निर्माण मोबाइल कंपनी नोकिया करेगी। उल्लेखनीय है कि अभी तक मोबाइल कंपनियां इस टेक्नोलॉजी का उपयोग पृथ्वी पर इस्तेमाल होने वाले मोबाइल फोन के लिये करती थीं। लेकिन अब पहली बार इसका इस्तेमाल चंद्रमा की सतह पर कनेक्टिविटी स्थापित करने में होगा।

यह मोबाइल नेटवर्क हाई-डेफिनिशन वीडियो स्ट्रीमिंग, कमांड-एंड-कंट्रोल कम्युनिकेशन्स और टेलीमेट्री डेटा ट्रांसफर को लैंडर और लूनर व्हीकल्स के बीच संभव बनाएगा। नोकिया बेल लेब्स सॉल्यूशंस रिसर्च के अध्यक्ष के अनुसार यह नेटवर्क अंतरिक्ष की कठिन परिस्थितियों- जैसे एक्सट्रीम टेम्परेचर, रेडिएशन और लॉन्च-लैंडिंग के दौरान होने वाले वाइब्रेशन्स को झेलने के लिए डिजाइन किया गया है। उन्होंने बताया कि हमने सभी कंपोनेंट्स को एक 'नेटवर्क इन ए बॉक्स' में रखा है, जिसमें एंटेना और पावर सोर्स को छोड़कर सेल नेटवर्क के लिए जो जरूरी है वह शामिल है। इस मिशन में दो लूनर व्हीकल्स शामिल होंगे, माइक्रो नोवा होपर और लूनर आउटपोस्ट का मोबाइल ऑटोनॉमस प्रॉस्पेक्टिंग प्लेटफॉर्म रोवरा ये व्हीकल्स नोकिया के डिवाइस मॉड्यूल्स का इस्तेमाल करके लैंडर द्वारा स्थापित नेटवर्क से जुड़ेंगे। ये नेटवर्क चंद्र रात्रि के कारण कुछ ही दिनों तक काम करेगा, लेकिन ये टेक्नोलॉजी भविष्य के लूनर मिशन्स के लिए आशाजनक है।

इस मोबाइल नेटवर्क की सफलता नासा के आर्टेमिस प्रोग्राम पर निर्भर करती है। लॉन्ग-टर्म गोल इस नेटवर्क को विस्तार देकर चंद्रमा पर सस्टेनेबल ह्यूमन एक्टिविटीज़ को सपोर्ट करेगा जिसमें भविष्य के अंतरिक्ष यात्रियों के लिए स्पेससूट्स में सेल कम्युनिकेशन को इंटीग्रेट करना भी शामिल हो सकता है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा जीआईएस-2025 का शुभारंभ प्रदेशवासियों के लिये गौरवशाली क्षण

मध्यप्रदेश की राजधानी और झीलों की नगरी भोपाल में 24 एवं 25 फरवरी, 2025 को नया इतिहास रचा गया है। हमारे लिए यह गौरव की बात है कि 8वीं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के इस ऐतिहासिक समागम का शुभारंभ हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद के साथ हुआ है। ये दो दिन मध्यप्रदेश की प्रगति और विकास के नये आयाम स्थापित करेंगे। इस वर्ष की थीम है 'अनंत संभावनाएं', जो मध्यप्रदेश में उद्योग और निवेश की असीमित संभावनाओं को दर्शाती है। इन्वेस्टर्स समिट के रूप में निवेश मनीषियों का यह समागम अनंत संभावनाओं के साथ विकास का नया इतिहास लिखने जा रहा है। हमारे लिये सौभाग्य की बात है कि राजा भोज की नगरी भोपाल अपने गौरवशाली अतीत के साथ अब भविष्य की स्वप्निल उड़ान के लिये तैयार है।

हमें अति प्रसन्नता है कि दुनिया के सबसे बड़े गणतंत्र के सबसे बड़े नायक, यशस्वी प्रधानमंत्री स्वयं इस समिट के साक्षी बनें और उन्होंने मध्यप्रदेश को स्वर्णिम विकास का आशीर्वाद दिया। समिट में अनेक देशों के प्रतिनिधि, उद्योग जगत के प्रमुख उद्योगपति, निवेशक बंधु और मध्यप्रदेश के प्रवासी मित्र आदि शामिल हुए हैं। मैं इस समिट में पधारे सभी निवेशकों का अपने हृदय की गहराइयों से मध्यप्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता की ओर से स्वागत करता हूं।

हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। उनके नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। पूरी दुनिया में भारत और भारतवासियों का सम्मान बढ़ा है। प्रधानमंत्री जी का संकल्प है कि वर्ष 2047 तक भारत आर्थिक और सामरिक रूप से विश्व में सर्वश्रेष्ठ शक्ति बने। प्रधानमंत्री जी के इस संकल्प के अनुरूप ही मध्यप्रदेश ने विकास की रूपरेखा तैयार की है। विकास का यह स्वरूप विरासत के साथ वैश्विक भी है।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि यशस्वी प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हम एक वर्ष पहले निवेश और औद्योगिक विकास की यात्रा पर निकले। मध्यप्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। यह जल, वन, खनिज और कृषि संपदा से समृद्ध है। विविधता से संपन्न प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है, क्षमता है, मेधा है और आवश्यकता है। इसी को केन्द्र में रखकर हमने पहली बार सबसे पहले रीजनल इन्वेस्टर्स समिट का नवाचार किया। इसमें प्रदेश के हर क्षेत्र का कौशल और उद्यम शामिल हुआ। हमने व्यापार में सरलता और निवेशकों के साथ सीधे संवाद को प्राथमिकता दी। मार्च 2024 में उज्जैन से शुरू हुई इस निवेश यात्रा में जबलपुर, ग्वालियर, सागर, रीवा, शहडोल, नर्मदापुरम, मुंबई, कोयंबटूर, बेंगलुरु, कोलकाता, पुणे, दिल्ली, यूके, जर्मनी और जापान आदि शामिल हैं। इन विभिन्न सम्मेलनों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रोड-शोज के माध्यम से मध्यप्रदेश ने 4.8 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं। इन निवेश प्रस्तावों ने लगभग 2 लाख नए रोज़गार के अवसर सृजित किए हैं, जो प्रदेश के प्रति निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है।

हमने वर्ष-2025 को 'उद्योग एवं रोजगार वर्ष' के रूप में मनाने का निर्णय लिया और लक्ष्य निर्धारित किया। इसी दिशा में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न कदम उठाये। निवेश को सरल, सहज और व्यवहारिक बनाने के लिए विभिन्न उद्योगों और क्षेत्रों के लिए विशेष नीतियां बनाई गईं। निवेश, उद्योग, ऊर्जा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, नवाचार, अनुसंधान, बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 18 नई नीतियां लेकर आए हैं। इन नीतियों से ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल एवं गारमेंट, कृषि, दवा उत्पादन, आईटी, डाटा सेंटर एवं जी.सी.सी., एनिमेशन एवं गेमिंग, ड्रोन एवं सेमी-कंडक्टर, खनिज, पेट्रोलियम, पर्यटन, शिक्षा तथा चिकित्सा के क्षेत्र में निवेश कर अच्छा वित्तीय लाभ प्राप्त किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश को देश का टेक्सटाइल कैपिटल और मैन्युफैक्चरिंग का फेवरेट डेस्टिनेशन कहा है। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। साथ ही हमें टेक्सटाइल, टूरिज्म और टेक्नोलॉजी का 'ट्रिपल-टी' मंत्र दिया है, हम उस मंत्र का अनुसरण करेंगे।

हम भाग्यशाली हैं कि माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और आशीर्वाद से मध्यप्रदेश को लगातार महत्वपूर्ण सौगातें मिल रही हैं। इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था ने तेजी से विकास करते हुए अन्य प्रदेशों से चार गुना से अधिक प्रगति की है। केन्द्र और प्रदेश की डबल इंजन सरकार, डबल डिजिट की विकास दर के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है।

उद्योगों के विकास और विस्तार के लिए भूमि, जल, बिजली और कुशल कार्यबल आवश्यक है। मुझे यह बताते हुए संतोष है कि हमारे प्रदेश में सरप्लस बिजली है, पर्याप्त पानी है, विशाल लैंड बैंक है और स्किल्ड मेन पॉवर है। कुशल कार्यबल निर्मित करने के लिए हमने ग्लोबल स्किल पार्क की स्थापना की, जिसमें कौशल संवर्धन के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

प्रदेश में विकास, निर्माण और उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए ईज ऑफ डूईंग व्यवस्था की गई, देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश ने लोक सेवा गारंटी लागू कर समय पर सेवाएं प्रदान करने का क्रम निर्मित किया। किसानों के लिए लाभकारी लैंड-पूलिंग योजना लागू की और कृषि उपज व्यवस्था को सीधे उद्योग जगत से जोड़ा। मध्यप्रदेश की जीवन रेखा माँ नर्मदा से यहां जल संपदा की प्रचुरता है। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश को केन-बेतवा और पार्वती-काली सिंध-चंबल रिवर लिंक परियोजना की सौगात मिली है।

ऊर्जा संपन्न मध्यप्रदेश ने नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में कई नवाचार किए। रीवा सोलर प्लांट से दिल्ली मेट्रो को बिजली की आपूर्ति हो रही है। वर्ष 2030 तक प्रधानमंत्री जी द्वारा नवकरणीय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन उत्पादन का जो लक्ष्य रखा है उसमें मध्यप्रदेश महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है।

मध्यप्रदेश को देश का मुख्य इंडस्ट्रियल हब बनाने के लिए देशभर के एक्सप्रेस-वे से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। अधोसंरचना विकास के अंतर्गत मेगा फूटवेयर क्लस्टर (मुरैना), नवकरणीय ऊर्जा उपकरण निर्माण (मोहासा-बाबई) और पीएम मित्रा पार्क (धार) सहित कई बड़े प्रोजेक्ट प्रगति पर हैं। विक्रम उद्योगपुरी (उज्जैन) में मेडिकल डिवाइसेज पार्क और 06 नए औद्योगिक क्षेत्रों का विकास हो रहा है। मुझे यह बताते हुए संतोष है कि आगामी वर्ष में 13 औद्योगिक पार्क पूर्ण होंगे और 20 नए औद्योगिक पार्कों का कार्य प्रारंभ किया जाएगा, जिससे प्रदेश में निवेश और रोज़गार के नए अवसर सृजित होंगे।

हमारा प्रदेश सांस्कृतिक धरोहरों से समृद्ध है। इस समिट में दुनियाभर से पधारे औद्योगिक प्रतिनिधि और निवेशक प्रदेश के पर्यटन और सांस्कृतिक वैभव से परिचित होंगे। हमने विरासत से विकास का संकल्प लिया है। भारत का वैभवशाली और समृद्ध इतिहास है। अपनी वैभवशाली विरासत के साथ इस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्पेस टेक्नोलॉजी, डिफेंस टेक्नोलॉजी तथा अन्य प्रतिस्पर्धी क्षेत्रों में निवेश को केन्द्रित किया गया है।

प्रधानमंत्री जी का संकल्प है आजादी के 100वें वर्ष यानी वर्ष 2047 तक भारत को 35 ट्रिलियन डॉलर की पूर्ण विकसित अर्थव्यवस्था बनाना और विश्व की सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित करना है। विकसित भारत निर्माण के इस संकल्प में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन सहित विकास के विभिन्न पहलू शामिल हैं। प्रधानमंत्री जी के इस संकल्प की पूर्ति में मध्यप्रदेश सहभागी बनने के लिये प्रतिबद्ध है। यह समिट प्रधानमंत्री जी के संकल्प, प्रदेश के विकास और जनता के विश्वास को पूरा करेगी।

इस समिट में क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उद्योग जगत शामिल हुआ है। यह पहला अवसर है जब ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में गांव से लेकर ग्लोबल का समागम हो रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह समिट मध्यप्रदेश की आधारभूत प्रगति और समृद्धि की नई इबारत लिखेगी। विकसित मध्यप्रदेश निर्माण के साथ विकसित भारत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

● डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

प्रधानमंत्री जी का संकल्प है आजादी के 100वें वर्ष यानी वर्ष 2047 तक भारत को 35 ट्रिलियन डॉलर की पूर्ण विकसित अर्थव्यवस्था बनाना और विश्व की सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित करना है। विकसित भारत निर्माण के इस संकल्प में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन सहित विकास के विभिन्न पहलू शामिल हैं। प्रधानमंत्री जी के इस संकल्प की पूर्ति में मध्यप्रदेश सहभागी बनने के लिये प्रतिबद्ध है। यह समिट प्रधानमंत्री जी के संकल्प, प्रदेश के विकास और जनता के विश्वास को पूरा करेगी।

MADHYA PRADESH INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of M.P. Undertaking)
SECRETARIAT FOR SINGLE WINDOW SYSTEM
21, Arera Hills, Bhopal-462011, M.P. (India), (CIN : U51102MP1977SGC001392)
Tel. : (91) 755-2571830, 2575618, 3523555, 3523505
E-mail : helpdesk@mpidc.co.in, Website : www.invest.mp.gov.in
MPIDC/CE/Tech-RFP/2025/198-202 Date : 27.02.2025

NOTICE INVITING TENDER

M.P. Industrial Development Corporation Ltd. (MPIDC Ltd.) invites online percentage rate bids for the following works from registered contractors and firms for the following work :

S. No.	NIT No.	Name of Work	District	Probable Amount of Contract (in Rs. Cr.)
1	198	Upgradation of Proposed Water Supply Scheme at I/A Udyogpuri Purena, dist. Panna	Panna	11.95
2	199	Upgradation of Industrial Area Pratapura, dist. Niwari	Niwari	10.62
3	200	Upgradation of Existing Water Supply System Siddhgawa Phase - 1, dist. Sagar	Sagar	13.658
4	201	Upgradation of Existing Water Supply System Siddhgawa Phase - 2, dist. Sagar	Sagar	12.74
5	202	External Water Supply at I/A Agar Malwa, dist. Agar Malwa	Agar Malwa	16.69

The Tender documents can be downloaded from the e-procurement Portal **https://mptenders.gov.in** MPIDC HO
M.P. Madhyam/119010/2025 R-50637/2025 **CHIEF ENGINEER**

ज्ञानोदय महाविद्यालय बी.एड. कॉलेज, इन्दौर

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद नई दिल्ली, मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से संबद्धता प्राप्त
पता–एफ, सेक्टर एम.आई.जी. कॉलोनी, इंदौर (मध्यप्रदेश) मोबा.नं. 9993177992–07314091220

आवश्यकता

बी.एड.नियमित पाठ्यक्रम हेतु, परिनियम 28 (कॉलेज कोड) के अंतर्गत नियुक्ति,
इच्छुक नेट/ पी.एच.डी अभ्यर्थी (एजुकेशन) असिस्टेंट प्रोफेसर के पद हेतु
संकाय पद (शिक्षा के परिपेक्ष्य में) संकाय पद (गणित , भौतिक, वाणिज्य, सामाजिक विज्ञान, भाषा) निष्पादन कलाएं (संगीत ,नृत्य, रंगमंच)
नोट – समस्त पदों हेतु योग्यता एन.सी.टी.ई. के मापदंडों के अनुसार ।
वेतनमान यू.जी.सी. एवं एन.सी.टी.ई. के नियमानुसार ।
आवेदन– पत्र विज्ञापन प्रकाशित होने के 15 दिनों के भीतर समस्त आवश्यक दस्तावेजों सहित उपरोक्त पते अथवा मेल पर भेजें।
Email: gyanodaya.edu@gmail.com प्राचार्य

R-50629/2025

घोषणा

फार्म 4 (नियम 8 देखिए)
साप्ताहिक रोज़गार और निर्माण

1.	प्रकाशन स्थान	:	भोपाल
2.	प्रकाशन अवधि	:	साप्ताहिक
3.	मुद्रक का नाम	:	डॉ. सुदाम खाड़े
	क्या भारत का नागरिक है?	:	हाँ
	(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	XXX
	पता	:	शांति भूषण द्विवेदी द्वारा डी.बी. कार्प, दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10-11 सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल
4.	प्रकाशक का नाम	:	डॉ. सुदाम खाड़े
	क्या भारत का नागरिक है?	:	हाँ
	(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	XXX
	पता	:	मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.)
5.	संपादक का नाम	:	रंजना चितले
	क्या भारत का नागरिक है?	:	हाँ
	(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	XXX
	पता	:	मध्यप्रदेश माध्यम, 40, प्रशासनिक क्षेत्र अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.)
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार-पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों	:	मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

मैं डॉ. सुदाम खाड़े एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनांक 03.03.2025

डॉ. सुदाम खाड़े
प्रकाशक के हस्ताक्षर

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 334/MTN/2025

No./2465/22/D-12/NIT-Maint./2025 Bhopal, Dated : 24.02.2025

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 01.01.2024 and amendments upto issue date of NIT.
- **Table No. 1 :- Name of Work -** REPAIR / MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 5 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Ashoknagar	2	3022069.00
2	Dewas	1	4023041.00
3	Dindori	1	17266812.00
4	Harda	1	1758743.00
5	Jabalpur	1	3300632.00
6	Khargone	1	1350092.00
7	Mandsaur	1	15876708.00

- **Table No. 2 :- Name of Work –** REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 10 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Dindori	3	27326899.00
2	Jabalpur	1	953297.00
3	Jhabua	1	4921046.00
4	Narsinghpur	4	22703218.00

- **Table No. 3 :- Name of Work –** REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 15 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Bhopal	1	8866462.00
2	Narsinghpur	3	28311717.00
3	Raisen	1	3913044.00
4	Sehore	1	3312898.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **28.02.2025 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **17.03.2025 (17:00 hrs.).**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/118938/2025 R-50631/2025 **(Tender)**

''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग करें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Bhopal, (M.P.)

NOTICE INVITING TENDER No. 335/MTN/2025 (BW)

No./2459/22/D-12/NIT-Maint./2025 Bhopal, Dated : 24.02.2025

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

Name of work : Repair/Maintenance of Rural Roads.

- **Table-1: Name of Work –** Within 05 Year Maintenance (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Burhanpur	1	1876000.00

- **Table-2 : Name of Work –** Post 5 Year Maintenance (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Sagar	1	7446000.00

- **Table-3 : Name of Work –** Post 10 Year Maintenance (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Balaghat	1	4597000.00
2	Harda	1	4121000.00

- **Table-4 : Name of Work –** Post 15 Year Maintenance (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Balaghat	1	3376000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **28.02.2025 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **17.03.2025 (17:00 hrs.).**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/118939/2025 **(Tender)**

''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग करें।

R-50632/2025

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP. LTD.

R.O. Chambal, City Center, Gwalior, Website : lidcgwalior.com

निविदा क्रमांक 21 **ई-टेण्डर नोटिस** **दिनांक : 20.02.2025**

कार्य का नाम	अनु. लागत/धरोहर राशि
औद्योगिक क्षेत्र बालमोर जिला मुरैना में रिटेनिंग वाल का निर्माण कार्य।	8,86,000.00/18,000.00

निविदा प्रपत्र **दिनांक 03.03.2025 से 18.03.2025 समय 5.30 सायं तक https://mptenders.gov.in** पोर्टल के द्वारा केवल ऑनलाइन खरीदे एवं अपलोड किये जा सकते हैं। करिजेन्डम (यदि कोई हो) केवल उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। एमपी आईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय चम्बल बिना कोई कारण बताए किसी भी/सभी निविदाओं को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
म.प्र. माध्यम/118993/2025 R-50634/2025 **कार्यपालन यंत्री**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 333/MTN/2025

No./2462/22/D-12/NIT-Maint./2025 Bhopal, Dated : 24.02.2025

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.

1. **Name of Work -** REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 5 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Harda	1	17794116.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **28.02.2025 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **17.03.2025 (17:00 hrs.)**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/118937/2025 **(Tender)**

''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग करें।

R-50630/2025

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधो. विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1 भदभदा रोड, भोपाल
क्र./273-274/तशा/प.यं./2025 दिनांक : 20.02.2025

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा नेहरू नगर जिला भोपाल में 160 जवानों हेतु एक बैरक निर्माण कार्य एवं संजीव नगर भोपाल में आर.सी.सी. वाटरटैंक एवं बायोडाइजेस्टर कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2025_MPPHC_404278_1, दिनांक 11.03.2025 व 2025_MPPHC_404277_1 दिनांक 27.02.2025 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : **www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/118948/2025 R-50633/2025 **परियोजना यंत्री**

YOGESHWAR SHIKSHA MAHAVIDHYALAYA

RUN BY YOGESHWAR EDUCATIONAL SOCIETY

(Recognized by NCTE New Delhi, Approved by M.P. Govt. Higher Education & Affiliated by Krantisurya Tantya Bhil University, Khargone (M.P.)

REQUIRMENT

Under University Code-28 For

B.A.B.ed Course- **Assistant Professor**

1.	**Perspectives in Education**	**04 Post**
2.	**Pedagogy Subject** (History, Geography, Economics, Psychology, So. Science, Political Science, Language)	**08 Post**
3.	**Health And Physical Education**	**01 Post**
4.	**Fine Art**	**01 Post**
5.	**Performing Arts (Music/ Dance/ Theater)**	**01 Post**

For B.ed Course - **Assistant Professor**

01	**Perspectives in Education**	**04 Post**
02	**Pedagogy Subject** (Maths, Science, So. Science, Language)	**08 Post**

Qualification: As per NCTE Norms, Salary As per NCTE & UGC Norms, Apply within 08 Days From today

College Address: Village and Post Piplaj Tehsil,Dist. Barwani (MP) 451551

Email : **yogeshwarbarwani@gmail.com** Contact: 9893869625, 7509198939

R-50628/2025

क्रमांक 2715001/2014/ ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1530

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग
जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ई-मेल : mpwrdetenders@gmail.com, edpcellencwrd.bpl@mp.gov.in

फोन : 0755-2553402, फैक्स : 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक-597/2715001/ ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 27.02.2025**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर **दिनांक 17.03.2025 को 17:30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1.	2025_WRD_379597	अम्बर, बब्बर एवं कोलार नदी पर निर्मित 27 नं. बैराजों के गेट खोलने एवं बंद करने का कार्य।	सीहोर	12.74
2.	2025_WRD_379614	जल संसाधन उपसंभाग आष्टा के निर्मित 25 नं. बैराजों के गेट खोलने एवं बंद करने का कार्य।	सीहोर	13.27
3.	2025_WRD_379621	जल संसाधन उपसंभाग बुदनी के निर्मित 17 नं. बैराजों के गेट खोलने एवं बंद करने का कार्य।	सीहोर	4.23
4.	2025_WRD_379632	जल संसाधन उपसंभाग इछावर के निर्मित 29 नं. बैराजों के गेट खोलने एवं बंद करने का कार्य।	सीहोर	8.81
5.	2025_WRD_379635	सीप नदी पर निर्मित 14 नं. बैराजों के गेट खोलने एवं बंद करने का कार्य।	सीहोर	10.19
6.	2025_WRD_379699	घोघरा परियोजना उपसंभाग सीहोर के निर्मित 08 नं. बैराजों के गेट खोलने एवं बंद करने का कार्य।	सीहोर	12.07
7.	2025_WRD_400651	मोहनपुरा परियोजना के रोज्या बांध से रोज्या ग्राम तक सड़क निर्माण कार्य।	राजगढ़	16.65
8.	2025_WRD_401511	तवा परियोजना की हंडिया शाखा नहर की 488.30 मी. पर स्थित सी.डी. का एवं पचौला उपनहर की रेल्वा माइनर की आर.डी. 1470 मी. के एक्वाडक्ट का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	हरदा	7.03
9.	2025_WRD_401513	तवा परियोजना की हंडिया शाखा नहर प्रणाली के हरदा उपनहर अंतर्गत फाल आर.डी. 6180 मी. का मरम्मत कार्य।	हरदा	3.32
10.	2025_WRD_402713	गंजबासौदा संभाग हेतु लेखन सामग्री एवं मुद्रित प्रपत्रों का प्रदाय।	विदिशा	2.54
11.	2025_WRD_403720	कठोतिया बैराज की क्षतिग्रस्त विंगवॉल एवं रिटर्नवॉल का मरम्मत कार्य।	रायसेन	6.03
12.	2025_WRD_403721	ईटवा बैराज की क्षतिग्रस्त विंगवॉल एवं रिटर्नवॉल का मरम्मत कार्य।	रायसेन	12.03
13.	2025_WRD_403723	संग्रामपुर तालाब के बांध के क्षतिग्रस्त भाग के सुदृढ़ीकरण एवं नहर का मरम्मत कार्य।	रायसेन	14.84
14.	2025_WRD_403724	करमोदिया तालाब की धनियाखेड़ी माइनर की आर.डी. 2900 मीटर पर पुलिया का निर्माण कार्य।	रायसेन	4.26
15.	2025_WRD_403836	बोथिया जलाशय की मुख्य नहर में चैन क्र. 4 से 6, 15 से 16, 65, 22 से 25 एवं 47 से 49.5 पर लाइनिंग का शेष कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	सिवनी	2.82
16.	2025_WRD_404307	वारासिवनी शाखा नहर की विभिन्न माइनरों के नहर तल में जमा मिट्टी निकालने तथा झाड़ी सफाई का कार्य।	बालाघाट	4.79
17.	2025_WRD_404308	वारासिवनी शाखा नहर की चैन क्र. 832 की रेंगाझिरी वितरक नहर की 92 चैन क्र. की रामपायली माइनर के चैन क्र. 05 की क्षतिग्रस्त वी.आर.वी. का मरम्मत कार्य।	बालाघाट	2.33
18.	2025_WRD_404309	वारासिवनी शाखा नहर की सिंगोडी मायनर तथा खरखड़ी डिस्ट्रीब्यूटरी की नवेगांव वितरक नहर का विशेष मरम्मत कार्य।	बालाघाट	4.99
19.	2025_WRD_404310	वारासिवनी शाखा नहर की सालेटेका मायनर की चैन क्रमांक 61 एवं 72 की 0.90 मी. फाल एवं चैन क्रमांक 87 की 0.60 मी. फाल के क्षतिग्रस्त भाग का विशेष मरम्मत कार्य।	बालाघाट	4.99
20.	2025_WRD_404311	वैनगंगा मुख्य नहर के चैन. क्र. 575 (घोटी स्केप) का विशेष मरम्मत कार्य।	बालाघाट	4.98
			कुल योग	**152.91**

जी-23639/50636/2025 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

PBGM Super Speciality Hospital and Research Centre

Run by Nivedita Educational Research Training And Development Council

VACANCY ***Join Our Team at PBGM***

(A Premier 100 Beded Multi Speciality Hospital)

Are you passionate about healthcare and looking for a fulfilling career in a dynamic hospital environment PBGM hospital is a state of the art 100 beded Multi Speciality hospital, expanding its team and invites applications for the following positions.

1. Nursing Staff

- Positions Available: ICU Nurses, OT Nurses, Staff Nurses & Senior Nurses
- Eligibility: GNM/B.Sc. Nursing/M.Sc. Nursing with valid registration
- Experience in a multi speciality hospital preferred
- Fresher with a passion for patient care are also welcome

2. Reception & Front Desk Staff

3. Tele Caller 4. Public Relation Officer

- Positions Available: Receptionists, Patient Coordinators
- Eligibility: Graduate or Diploma in Hospitality/Administration preferred
- Excellent communication and interpersonal skills
- Ability to handle patient queries with empathy and professionalism

Why Join Us?

✓ Competitive salary and benefits
✓ Growth opportunities in a well-established healthcare institution
✓ Supportive work environment with cutting-edge medical facilities

Apply today and become a part of our dedicated team committed to delivering excellence in patient care!

Apply with Current Photograph and All Necessary Document in the Sealed Envelope

Add. In front of Vyanjan Restaurant, Aradhna Nagar, Karond, Bhopal

6267079620 **E-mail : pbgmc-2001@rediffmail.com**

R-50638/2025

अमृतं तु विद्या

पूनमचंद गुप्ता वोकेशनल महाविद्यालय

दि निमाड़ एजुकेशनल सोसायटी, खण्डवा द्वारा संचालित पूनमचंद गुप्ता वोकेशनल महाविद्यालय हेतु **प्राचार्य** एवं निम्न विषयों के प्राध्यापक, सह–प्राध्यापक, एवं सहायक प्राध्यापकों की आवश्यकता है ।

*** गणित * प्रबंधन * अंग्रेजी * हिन्दी * वाणिज्य * रसायन शास्त्र * समाज शास्त्र * वनस्पति शास्त्र * जीव विज्ञान * बीज प्रोद्यौगिकी * हार्टिकल्चर * राजनीति विज्ञान * कम्प्यूटर * बी.एड. * बी.एस.सी.बी.एड.**

योग्यता यू.जी.सी.,एन.सी.टी.ई., एवं म.प्र. शासन (कॉलेज कोड-28) के नियमानुसार, अनुभव संबंधित प्रमाण-पत्रों के साथ विज्ञापन प्रकाशित होने के सात दिवस के अन्दर निम्न लिखित पतें पर आवेदन करें ।

अध्यक्ष – पूनमचंद गुप्ता वोकेशनल महाविद्यालय

पो.बा. नं. 33, सिविल लाईन्स, खण्डवा (म.प्र.)

Tele.No. 0733-2225426,9425085025 Email- principal.pcgvc@gmail.com

R-50627/2025

पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश भोपाल

विज्ञप्ति

राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला के अराजपत्रित कर्मचारियों की भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन-पत्र दिनांक 01.03.2025 से एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से आमंत्रित किये जा रहे हैं। इच्छुक उम्मीदवार विस्तृत जानकारी म.प्र. पुलिस की वेबसाइट **mppolice.gov.in** एवं **mponline.gov.in** पर देख सकते हैं।

उप पुलिस अधीक्षक
(चयन/भर्ती) पुलिस मुख्यालय, भोपाल

जी-23638/50635/2025

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र. 1, भदभदा रोड, भोपाल

क्र./295/तशा/प.यं./2025 **दिनांक : 27.02.2025**

विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा बैरसिया एवं कमला नेहरू टी.टी. नगर जिला भोपाल, अकोदिया जिला शाजापुर, बसई जिला दतिया एवं गोहद, लहर जिला भिण्ड स्कूल में फर्नीचर प्रदाय एवं स्थापित करने का कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2025_MPPHC_405714_1 **दिनांक 10.03.2025 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक** खरीदी जा सकती है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा क्रमांक GEM/2025/B/6011523, GEM/2025/B/6011729 दिनांक 11.03.2025 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक खरीदी जा सकती है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https:// www. gem.gov.in/** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/119037/2025 **परियोजना यंत्री**

R-50639/2025

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, (भ/स) संभाग छिन्दवाड़ा
E-mail : eepwd1chhind@mp.nic.in
निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्र. 09/व.ले.लि./2024-25 **छिंदवाड़ा, दिनांक : 21.02.2025**

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य वेबसाइट **http://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने पर वेबसाइट के माध्यम से डाउनलोड की जा सकेगी।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– लो.नि.वि. संभाग छिंदवाड़ा अंतर्गत 05 मार्गों पर माईक्रो सरफेसिंग से कार्य कुल लंबाई 29.25 कि.मी. (1) समसवाड़ा सांख खमरा मार्ग लं. 15.65 कि.मी. (2) रिछेड़ा खमरा अडकु मार्ग लं. 3.00 कि.मी. (3) अम्बाड़ा मालापुर मार्ग लं. 3.00 कि.मी. (4) पेटदेवरी सुरलाखापा मार्ग लं. 5.00 कि.मी. एवं (5) झोतकलां से घटिया मार्ग लं. 2.60 कि.मी. **(प्रथम आमंत्रण)**

टेंडर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	ठेके की अनु. राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि
404503	छिंदवाड़ा	नवीनीकरण कार्य	287.61	287700/-	15,000/-	06 माह वर्षाऋतु छोड़कर

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. वार्षिक संधारण मद से लो.नि.वि. उपसंभाग क्र. 01 छिंदवाड़ा अंतर्गत 06 मार्गों पर बी.टी. रिनिवल का कार्य। कुल लंबाई 16.70 कि.मी. (1) सेठिया देवरी मार्ग लं. 4.00 कि.मी. (2) मुजावर अपतरा मार्ग लं. 2.30 कि.मी. (3) बिजोरी गुमाई कछारडाना मार्ग लं. 3.80 कि.मी. (4) चारगांव से कचरम मार्ग लं. 4.00 कि.मी. (5) हर्रई पहुंच मार्ग लं. 1.00 कि.मी. एवं (6) देवरानी दाई पहुंच मार्ग लं. 1.60 कि.मी. **(प्रथम आमंत्रण)**

404504	छिंदवाड़ा	नवीनीकरण कार्य	200.86	200900/-	15,000/-	05 माह वर्षाऋतु छोड़कर

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. वार्षिक संधारण मद से लो.नि.वि. उपसंभाग क्र. 02 छिंदवाड़ा अंतर्गत 07 मार्गों पर बी.टी. रिनिवल का कार्य। कुल लंबाई 22.20 कि.मी. (1) खमरिया कोहका मार्ग लं. 1.10 कि.मी. (2) पतलोन थोटा जमतरा मार्ग लं. 5.20 कि.मी. (3) खिरखिड़ी कपूर्दा मार्ग लं. 2.00 कि.मी. (4) चारगांव करबल भगतखापा मार्ग लं. 1.70 कि.मी. (5) डोला पांजरा गुमतरा मार्ग लं. 9.00 कि.मी. (6) खैरवाड़ा पहुंच मार्ग लं. 1.60 कि.मी. एवं (7) खूनाझिर पहुंच मार्ग लं. 1.60 कि.मी. **(प्रथम आमंत्रण)**

404505	छिंदवाड़ा	नवीनीकरण कार्य	211.46	211500/-	15,000/-	06 माह वर्षाऋतु छोड़कर

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. वार्षिक संधारण मद से लो.नि.वि. उपसंभाग क्र.01 छिंदवाड़ा अंतर्गत 02 एवं उपसंभाग अमरवाड़ा अंतर्गत 03 मार्गों पर बी.टी. रिनिवल का कार्य। कुल लंबाई 7.75 कि.मी. (1) मोरली जंक्शन झंडाकुदवारी मार्ग लं. 4.50 कि.मी. (2) पिपरिया लालू अंघोड़ी मार्ग लं. 2.00 कि.मी. (3) छिन्दाढाना तिनसई मार्ग लं. 0.90 कि.मी. (4) बटकाखापा रेस्ट हाउस पहुंच मार्ग लं. 0.15 कि.मी. एवं (5) हर्रई रेस्ट हाउस पहुंच मार्ग लं. 0.20 कि.मी. **(प्रथम आमंत्रण)**

404506	छिंदवाड़ा	नवीनीकरण कार्य	82.06	82100/-	10,000/-	03 माह वर्षाऋतु छोड़कर

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. वार्षिक संधारण मद से लो.नि.वि. उपसंभाग सौंसर अंतर्गत 02 मार्गों पर बी.टी. रिनिवल का कार्य। कुल लंबाई 4.80 कि.मी. (1) वाडेगांव कलमगांव मार्ग लं. 3.40 कि.मी. (2) मोहगांव मुंगनापार मार्ग लं. 1.40 कि.मी. **(प्रथम आमंत्रण)**

404508	छिंदवाड़ा	नवीनीकरण कार्य	51.27	51300/-	10,000/-	02 माह वर्षाऋतु छोड़कर

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. वार्षिक संधारण मद से लो.नि.वि. उपसंभाग तामिया अंतर्गत 03 मार्गों पर बी.टी. रिनिवल का कार्य। कुल लंबाई 9.50 कि.मी. (1) अनखावाड़ी पगारा जमुनबर्रा लोनापठार कोहका दमुआ मार्ग लं. 8.00 कि.मी. (2) तामिया रेस्ट हाउस पहुंच मार्ग लं. 0.50 कि.मी. एवं (3) तामिया से दलेल मार्ग लं. 1.00 कि.मी. **(प्रथम आमंत्रण)**

404509	छिंदवाड़ा	नवीनीकरण कार्य	151.15	151200/-	12,500/-	03 माह वर्षाऋतु छोड़कर

कुल योग :– 984.41 लाख

टीप :– निविदा का विस्तृत विवरण (टेण्डर डाक्यूमेंट) म.प्र. शासन की निविदा पोर्टल **https://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 12.03.2025 समय 5.30 बजे तक** है। ऑनलाइन प्राप्त निविदा ऑफर को मान्य किया जावेगा। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-23570/50623/2025 **लो.नि.वि. (भ./स.) संभाग छिंदवाड़ा म.प्र.**

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग इंदौर, परिक्षेत्र इंदौर
गायत्री मंदिर के पास, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.)
ई-मेल : cepwdwest@mp.nic.in, दूरभाष : 0731-2491825

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 08/सा/40/निविदा/2024-25 **इंदौर, दिनांक : 21.02.2025**

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा तीन लिफाफा पद्धति में आमंत्रित की जाती है, उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है :–

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. व्हाइट टॉपिंग शाहपुर से थामनगांव मार्ग लंबाई 7.50 कि.मी. का निर्माण कार्य।

पोर्टल क्रमांक	जिला	अनुमानित राशि रु. लाख में	अमानत राशि रु. में	निविदा प्रपत्र की राशि रु. में	कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि
2025_PWDRB_403989	बुरहानपुर	880.84	880840/-	20000/-	06 माह वर्षाकाल सहित।
महायोग -		**880.84 लाख**			

निविदा प्रपत्र उपरोक्त दर्शित वेबसाइट से निविदा का निर्धारित मूल्य ऑनलाइन भुगतान कर, क्रय किए जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि दिनांक 03.03.2025 समय 17.30 तक** निर्धारित है। निविदा की विस्तृत शर्तें एवं नियम उपरोक्त दर्शित पोर्टल पर देखी जा सकती है।

निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन, यदि हो तो उसे समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जाकर केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जाएगा।

सभी दस्तावेज केवल ऑनलाइन वेबसाइट पर ही प्रस्तुत करें, भौतिक रूप से कोई भी दस्तावेज इस कार्यालय में न भेजें जाएं।

मुख्य अभियंता
जी-23560/50622/2025 **लो.नि.वि. इंदौर, परिक्षेत्र इंदौर**

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
क्रमांक स्था.एक/विज्ञापन क्र.-39/256 **दिनांक : 27.02.2025**

भर्ती विज्ञापन

विश्वविद्यालय अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केन्द्रों अंतर्गत वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रमुख, विषय वस्तु विशेषज्ञ/टी-6 तथा कार्यक्रम सहायक-कम्प्यूटर टेकनीशियन/फार्म मैनेजर/टी-4/वाहन चालक तथा स्किल सपोर्ट स्टाफ के पद (सीधी भर्ती/सीधी भर्ती बैकलॉग) के आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। रिक्त पदों का विवरण, आवेदन पत्र, शैक्षणिक अर्हताएं, नियम व शर्तें एवं अन्य आवश्यक जानकारी एवं विस्तृत विवरण विश्वविद्यालयीन वेबसाइट **www.jnkvv.org** पर उपलब्ध हैं।

आर/50626/2025 **कुलसचिव**

कार्यालय कलेक्टर (जनजातीय कार्य विभाग)
जिला अलीराजपुर म.प्र.
E-Mail ID : actw.alp@mp.gov.in

क्रमांक/निर्माण/2024-25/1452 **अलीराजपुर, दिनांक : 20.12.2024**

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग की केन्द्रीयकृत प्रणाली में समतुल्य/सक्षम श्रेणी/उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से भवन निर्माण हेतु प्रमुख अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युत कार्य हेतु एस.ओ.आर. दिनांक 01 जनवरी 2024 से प्रभावशील (स.क्र. 1 से 7) एवं प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी सड़क एवं पुल एस.ओ.आर. दिनांक 25 मार्च 2022 से प्रभावशील (स.क्र. 8 से 10) एवं आज दिनांक तक संशोधनों सहित पर निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की विस्तृत शर्तें निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारियां www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

1. एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय सेजावाड़ा में 780 मीटर लंबाई के पहुंच मार्ग।

ई-टेण्डर क्र.	विकास खण्ड	ठेके की अनु. राशि (लाखों में)	अमानत राशि (लाखों में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि
2025_TAD_404292	च.शे. आजाद नगर	42.38	50000	5000	उपर्युक्त	3 माह वर्षाकाल सहित
क्र. एवं निर्माण कार्य का नाम :– 2. एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय जोबट में 2000/- मीटर लंबाई के पहुंच मार्ग।						
2025_TAD_404289	जोबट	280.31	280310	15000	उपर्युक्त	3 माह वर्षाकाल सहित

नोट :–

- उक्त निविदाओं को वेबसाइट पर ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 18.03.2025 सोमवार समय सायं 6.00 बजे तथा निविदा प्रपत्र ऑनलाइन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 18.03.2025 सोमवार समय सायं 6.00 बजे तक निर्धारित है। (Tender Document) वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** के माध्यम से क्रय किया जावेगा।
- कार्य संबंधी विस्तृत विवरण एवं निविदा की शर्तें आदि वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** या सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग अलीराजपुर में देखी जा सकती है।
- समस्त निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम दिवस की प्रतिक्षा न करें। शीघ्रताशीघ्र बिड जमा करें। वेबसाइट में किसी भी प्रकार की असुविधा के लिए विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।
- वित्तीय प्रस्ताव किसी भी स्थिति में ऑनलाइन हार्ड कॉपी में मान्य नहीं होगा यदि वित्तीय प्रस्ताव मोहरबंद लिफाफे में या किसी भी प्रकार से ऑफलाइन दिया गया तो वह बिड अमान्य कर दी जावेगी।

सहायक आयुक्त
जी-23572/50624/2025 **जनजातीय कार्य विभाग अलीराजपुर**

कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, भोपाल
ईमेल - ce.tender.wrdmp@gmail.com, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1133/2024-25/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 25.02.2025**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 19.03.2025** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2025_WRD_402569	**टर्न की पद्धति पर :–** बीना सिंचाई परियोजना अंतर्गत मड़िया एवं चकरपुर बांध के मुख्य एवं सेडल बांध के डाउन स्ट्रीम में कांक्रीट सर्विस रोड, मुख्य एवं सेडल बांध पर कांक्रीट रोड एवं पैरापेट वॉल, चकरपुर बांध के डाउन स्ट्रीम में अतिरिक्त ट्रेनिंग वॉल एवं मड़िया बांध के डाउनस्ट्रीम में बांध के दोनों तटों पर Toe Wall का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	सागर	1805.12

जी-23592/50625/2025 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

गेहूं खरीदी केन्द्र में किसानों के लिए सभी सुविधाएं सुनिश्चित करें

भोपाल, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने निर्देश दिये हैं कि रबी विपणन वर्ष 2025-26 के गेहूँ उपार्जन की अवधि के दौरान उपार्जन केन्द्रों पर आने वाले किसानों के लिए सभी पर्याप्त सुविधाएं होनी चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर उपार्जन कार्य से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने यह निर्देश मंत्रालय में रबी उपार्जन नीति की समीक्षा के दौरान दिये।

श्री राजपूत ने कहा कि उपार्जन केन्द्रों पर आने वाले किसानों के लिए छाया की सुविधा के लिए शेड लगवाए जाएं तथा पीने के पानी, प्रतीक्षा कक्ष, दरियां, टेबल, कुर्सी तथा शौचालय आदि का पर्याप्त प्रबंध करें। उन्होंने निर्देश दिये कि समिति स्तर पर पर्याप्त बिजली की सुविधा, हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन, इलेक्ट्रॉनिक उपार्जन उपकरण तथा किसानों की जानकारी के लिए सूचना पटल पर उपार्जन संबंधी जानकारी प्रदर्शित करें। श्री राजपूत ने निर्देश दिये कि न्यूनतम समर्थन मूल्य के बारे में ज्यादा से ज्यादा जागरूकता लाएं ताकि गेहूं खरीदी केन्द्रों तक अधिकतम पंजीकृत किसान अपनी फसल लेकर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि किसानों को गेहूं उपार्जन के बाद जल्द से जल्द भुगतान सुनिश्चित करें।

खाद्य मंत्री ने बताया कि इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में गेहूं खरीदी का कार्य 1 मार्च से प्रारंभ किया जाएगा जो 18 अप्रैल तक चलेगा। वहीं शेष संभागों में 17 मार्च से 5 मई 2025 तक गेहूं खरीदी का कार्य उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से किया जाएगा।

हृदय प्रदेश-मध्यप्रदेश औद्योगिक भारत के मानचित्र पर भी केन्द्र-बिन्दु

भोपाल, दुनिया नए औद्योगिक युग में प्रवेश कर रही है। वैश्विक निवेशक स्थिरता, व्यापार की सुगमता और टर्न ओवर एवं प्रोफिटेबिलिटी में दीर्घकालिक वृद्धि की तलाश में हैं। इन परिस्थितियों में भोपाल में आयोजित हो रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस)-2025 मध्यप्रदेश को इस बदलाव नेतृत्वकर्ता के रूप में उदित होने के लिये स्वर्णिम अवसर है। इस आयोजन की सफलता से भारत का हृदय प्रदेश राष्ट्रीय ही नहीं वैश्विक औद्योगिक निवेशों का नया केंद्र बन कर उभर रहा है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 मध्यप्रदेश को भारत के औद्योगिक हृदय-स्थल और वैश्विक निवेश की धुरी बनने का ऐतिहासिक अवसर है। यह वह मंच है जहां मध्यप्रदेश अपनी ताकत, नीतियों और निवेश के लिए बनाए गए अनुकूल माहौल को पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत किया। वैश्विक निवेशक तीन बातों को प्राथमिकता देते हैं, स्थान, नीति और मूलभूत सुविधाएं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के देश को आर्थिक महाशक्ति बनाने के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व ने प्रदेश को इन सभी मानकों पर खरा उतरने के योग्य बना दिया है। उद्योगों के विकास के लिए फास्ट-ट्रैक मंजूरी, सिंगल-विंडो क्लियरेंस और उद्योग-हितैषी नीतियां निवेशकों को समय और लागत दोनों में लाभ पहुंचाने में सक्षम रणनीतियों से सरकार ने निवेशकों के अनुकूल वातावरण तैयार किया है। राज्य में विकसित हो रहे औद्योगिक गलियारे, लॉजिस्टिक्स पार्क और स्मार्ट शहर इसे भारत का निवेश-आकर्षण बना रहे हैं। देश के केंद्र में स्थित होने के कारण यहां से भारत ही नहीं दुनिया भर के बड़े उपभोक्ता बाजारों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। मध्यप्रदेश अब विनिर्माण क्षेत्र में भारत के सबसे महत्वपूर्ण केंद्रों में से एक बनकर उभर रहा है।

पूंजीगत सब्सिडी, स्टांप शुल्क में छूट और औद्योगिक पार्कों में तैयार मूलभूत इन्फ्रास्ट्रक्चर उद्योगों को तेज़ी से स्थापित और विस्तारित करने में सहायता कर रहे हैं। लॉजिस्टिक्स को आधुनिक बनाने के लिए किए गए निवेश के कारण अब आपूर्ति श्रृंखला और माल परिवहन अधिक सुगम हो गया है, जिससे निवेशकों को राज्य में उद्योग स्थापित करने के लिए और अधिक आकर्षक संभावनाएं दिख रही हैं। वैश्विक व्यापार अब स्थायी विकास की ओर बढ़ रहा है और मध्यप्रदेश इस हरित क्रांति का एक प्रमुख स्तंभ बनने के लिए तैयार है। प्रदेश की नई ऊर्जा नीति में 12 हजार मेगावॉट ग्रीन एनर्जी उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिससे उद्योगों को क्लीन-ग्रीन और सस्ती बिजली पर्याप्त मात्रा में मिल सके। राज्य सरकार ने नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए ट्रांसमिशन चार्ज छूट और प्राथमिकता के आधार पर भूमि आवंटन जैसी नीतियां लागू की हैं।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 ने खोले मध्यप्रदेश में निवेश के द्वार - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के सत्र को संबोधित किया

भोपाल, दुनिया एक ऐतिहासिक आर्थिक बदलाव के दौर से गुजर रही है और भारत इस बदलाव का केंद्र बन रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक वैश्विक औद्योगिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। मध्यप्रदेश इस परिवर्तन में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए कृत संकल्पित है। इसी संकल्प की सिद्धि की दिशा में भोपाल ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के रूप में वैश्विक उद्यमिता शक्तियों का संगम स्थल बना है। यह बात मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के सत्र को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जीआईएस-2025 आर्थिक आयोजन मात्र नहीं, अपितु विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के औद्योगिक सुधारों, आत्मनिर्भर भारत अभियान और ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस की नीति का प्रमाण है कि भारत अब दुनिया के सबसे बड़े निवेश डेस्टिनेशन में से एक है।

प्रधानमंत्री का स्पष्ट विजन है कि '21वीं सदी का भारत आत्मनिर्भर होगा, औद्योगिक और डिजिटल क्रांति का नेतृत्व करेगा, और रोज़गार सृजन में वैश्विक शक्ति बनेगा।' इस विजन को मध्यप्रदेश में मूर्त रूप दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश की सरकार श्री मोदी के विजन को धरातल पर क्रियान्वित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। केन्द्र और राज्य सरकार की संयुक्त पहल से औद्योगिक क्रांति की नई नींव रखी जा रही है।

ग्रीन एनर्जी और ई-मोबिलिटी में भारत की ड्राइविंग सीट पर मध्यप्रदेश

प्रधानमंत्री के वर्ष 2030 तक भारत को नेट-जीरो कार्बन एमिशन की ओर ले जाने के संकल्प को मध्यप्रदेश नई ऊर्जा नीति के माध्यम से साकार कर रहा है। आज मध्यप्रदेश देश का सबसे बड़ा हरित ऊर्जा केंद्र बनने की राह पर अग्रसर है। राज्य सरकार ने 12 हजार मेगावॉट अक्षय ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है, जो उद्योगों को सस्ती, निर्बाध और ग्रीन एनर्जी प्रदान करेगा। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री के ई-मोबिलिटी मिशन के तहत मध्यप्रदेश चार्जिंग स्टेशनों के नेटवर्क, बैटरी निर्माण और ईवी नीति के मामले में अग्रणी बन रहा है। प्रमुख हाइवे पर चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना से इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग आसान और व्यापक हुआ।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने डिजिटल इंडिया और सेमीकंडक्टर उत्पादन को भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए आवश्यक बताया है। इसी को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण में नई शुरुआत कर रहा है। सेमीकंडक्टर नीति-2025 के तहत, राज्य सरकार ने 150 करोड़ रुपये का पूंजीगत अनुदान और नो-क्वेरी पोर्टल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया मिशन के तहत, मध्यप्रदेश भारत का सेमीकंडक्टर विनिर्माण और डिजाइन हब बनने की ओर अग्रसर है।

शाला उपस्थिति वृद्धि के लिए नर्मदापुरम को मिला प्रतिष्ठित स्कॉच पुरस्कार

नर्मदापुरम, प्रदेश में शैक्षणिक गुणवत्ता में और अधिक वृद्धि के लिए निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में प्रदेश के नर्मदापुरम जिले में विद्यार्थियों की शाला में नियमित उपस्थिति के लिए जिला कलेक्टर की पहल पर संचालित 'सीटी बजाओ-बच्चे बुलाओ' कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। जिले की इस पहल को इस वर्ष का प्रतिष्ठित स्कॉच पुरस्कार प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि स्कॉच अवॉर्ड सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तनों के नेतृत्व के साथ समाज और शासन में लाभकारी परिवर्तनों में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया जाता है।

पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए पूरी क्षमता से करें कार्य - मुख्यमंत्री

भोपाल, अभियोजन अधिकारियों की न्याय प्रणाली में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। न्यायालय, पुलिस और अभियोजन मिलकर पीड़ित को न्याय दिलाते हैं। न्यायालय, शासन, प्रशासन और अभियोजन के आपसी समन्वय से ही पीड़ितों को न्याय मिलेगा और प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति को और अधिक बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। अभियोजन अधिकारी विधिक प्रक्रियाओं, अभियोजन कार्यों और न्यायिक प्रणाली की बारीकियों से अवगत हों, जिससे वे अपने दायित्वों को कुशलतापूर्वक निर्वहन कर सकेंगे। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कान्हासैया स्थित केन्द्रीय पुलिस प्रशिक्षण अकादमी में 210 से अधिक नवनियुक्त सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारियों के आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में सुशासन स्थापित करने में हमारी माननीय न्यायपालिका की अत्यंत सराहनीय भूमिका है। लोक अभियोजन अधिकारियों के पास यह स्वर्णिम अवसर है कि वे पीड़ितों और जरूरतमंदों को अपनी युवा ऊर्जा, अपने बौद्धिक ज्ञान, मेधा और क्षमता से तत्परतापूर्वक न्याय दिलाएं। न्यायपालिका के आदेशों का अक्षरशः पालन कराना ही वास्तविक सुशासन है। न्यायपालिका की मदद और मार्गदर्शन से देश में लोकतंत्र की परंपरा और मजबूत हुई है।

डॉ. यादव ने कहा है कि देश ने अनेक ऐसे अवसर देखे हैं जब न्याय पालिका के आदेशों को बिना किसी देरी के बड़ी शांति से लागू कराकर केन्द्र सरकार ने सुशासन के उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किये। इससे देश में लोकतंत्र की परंपरा भी मजबूत हुई है। उन्होंने धर्मो रक्षति रक्षतः श्लोक का संदर्भ देते हुए कहा कि धर्म उसी की रक्षा करता है, जो धर्म की रक्षा करता है। यह पारस्परिक भाव ही सुशासन की मूल नीति है। उज्जैन में महाराज विक्रमादित्य ने सदियों पहले सुशासन के प्रतिमान स्थापित किए थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने देश में इस भाव को पुनः जीवंत होते हुए देखा है।

शुभारंभ सत्र के मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस श्री जे.के. माहेश्वरी ने कहा कि न्याय पाना सबका अधिकार है। यह हमारा मानवीय अधिकार भी है। न्याय पाने की मंशा हमारी आत्मा में, हमारे दिलों में बसना चाहिए। सम्राट विक्रमादित्य ने भी अपनी न्याय प्रणाली से सबके दिलों में न्याय प्रणाली के प्रति आस्था जागृत की थी। सरकार की महिमा उसकी न्याय प्रणाली की बेहतरी से ही दृष्टिगोचर होती है। नवनियुक्त सहायक लोक अभियोजन अधिकारी अपने कौशल को सुधारें और न्याय प्रणाली की बेहतरी के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि न्याय एक दर्शन है, एक संकल्प है।

कृषि-उद्यानिकी उत्पादों को बेहतर मार्केट उपलब्ध कराने के लिये राज्य सरकार संकल्पित

भोपाल, कृषि एवं उद्यानिकी उत्पाद को बेहतर मार्केट उपलब्ध हो सके, इसके लिये राज्य सरकार कृत-संकल्पित है। प्रदेश में खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों की अधिकाधिक स्थापना के लिये भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में बड़ी संख्या में इन्वेस्टर्स द्वारा रुचि ली गई है। राज्य सरकार-भारत सरकार के साथ मिलकर उत्पादकों को बेहतर बाजार उपलब्ध करायेगी। यह बातें उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने भोपाल हाट बाजार में विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, कृषि मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित कार्यशाला और राष्ट्रीय प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर कहीं।

श्री कुशवाह ने कहा कि मध्यप्रदेश उद्यानिकी और कृषि फसलों के उत्पादन में देश में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना के लिये राज्य शासन द्वारा विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश के बाहर के खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में कार्य करने वाले उद्यमियों को राज्य शासन उद्यम निवेश नीतियों के तहत पूर्ण सहयोग और समर्थन दिया जायेगा।

सहायक कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार श्री अक्षय याकूब ने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कृषि विपणन से जुड़े किसानों को आधुनिक विपणन तकनीकों से अवगत कराना है।

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में जीवंत होंगे प्रदेश के ऐतिहासिक भवन

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का यह स्वर्णिम काल चल रहा है। देश में मध्यप्रदेश सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है। जब राज्य विकसित और समृद्ध होंगे तो भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का सपना साकार होगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल स्थित सदर मंजिल का जीर्णोद्धार कर बनाए गए फाइव स्टार होटल लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने जीआईएस के अतिथियों के प्रवास के लिए तैयार सदर मंजिल के सभी कक्षों का अवलोकन किया एवं अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। डॉ. यादव ने इस अवसर पर मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन संभावनाओं को प्रदर्शित करने वाले वीडियो 'स्वागतम बड़ा' लॉन्च किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नवनिर्मित सदर मंजिल के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट एक ऐसा निर्णय है जिसके अंतर्गत मध्यप्रदेश में ऐतिहासिक इमारतों एवं भवनों को जीवंत किया जा रहा है। मध्यप्रदेश के प्राचीन भवनों और महलों को चमकाया जाएगा। सदर मंजिल की तरह ही भोपाल के ताजमहल और गौहर महल का जीर्णोद्धार किया जाएगा। डॉ. यादव ने सदर मंजिल में आने वाले अतिथियों के लिए उचित पार्किंग व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

निवेश, उद्योग और व्यापार से बनी भोपाल की विशिष्ट पहचान - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल में आयोजित जीआईएस समिट में सत्र को संबोधित करते हुए

- मध्यप्रदेश में एक लाख 83 हजार 400 रोजगार होंगे सृजित।
- 25 हजार 600 करोड़ रुपये के मिले निवेश प्रस्ताव।

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का भोपाल में आयोजन हुआ है और इसका लाभ सभी क्षेत्रों को मिल रहा है। भोपाल की पहचान निवेश, उद्योग और व्यापार से हो रही है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के पहले दिन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के शिखर सम्मेलन 'टेक इन्वेस्ट मध्यप्रदेश' में आईटी और टेक क्षेत्र के उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आईटी एक अलग प्रकार की दुनिया है और इस क्षेत्र में निवेश और विस्तार की अनंत संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने आईटी के क्षेत्र में बनाई गई नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि बाकी राज्यों की तुलना में मध्यप्रदेश ने सबसे अच्छी पॉलिसी बनाई है। उन्होंने कहा कि इन नीतियों का लाभ निवेशकों को मिलेगा। आईटी सेक्टर के विस्तार के लिए मध्यप्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन जगहों पर आईटी के क्षेत्र में चुनौतियां आती थीं, आज वहां भी आईटी हब बन रहे हैं।

विभागीय शिखर सम्मेलन में भारत को अगली प्रौद्योगिकी महाशक्ति बनने के मध्यप्रदेश के दृष्टिकोण पर चर्चा की गई। विभिन्न संस्थाओं से निवेश प्रस्ताव प्राप्त किये एवं एमओयू साइन किये गये। सत्र में आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, ड्रोन, एवीजीसी-एक्सआर, डेटा सेंटर और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) के लिए मध्यप्रदेश को वैश्विक केंद्र पर आयोजित सत्रों में विभिन्न पेनालिस्ट ने अपने विचार साझा किये।

शिखर सम्मेलन में विभिन्न प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में कुल 25 हजार 640 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ, जिससे लगभग एक लाख 83 हजार 400 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। आईटी और आईटीएस क्षेत्र में 5500 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ। इससे अनुमानित 93 हजार रोजगार सृजित होंगे। ईएसडीएम क्षेत्र में 14 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ, जिससे लगभग 14 हजार रोजगार सृजित होंगे। समिट में डेटा सेंटर के लिये 6800 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ, जिसमें 2900 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। जीसीसी में 700 करोड़ का निवेश प्राप्त हुआ, जिससे 40 हजार 500 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। एवीजीसी-एक्सआर में 110 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ, जिसमें 3000 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। ड्रोन सेक्टर में 180 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ, जिससे लगभग 30 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

मध्यप्रदेश डिजिटल क्रांति में अग्रणी

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने राज्य को आईटी क्षेत्र में अग्रणी बनाने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश भारत की डिजिटल क्रांति में सबसे आगे है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश लोक सेवाओं की गारंटी प्रदान करने वाला देश में पहला राज्य है। यहां भूमि के पंजीकरण एवं नामांतरण की व्यवस्था ऑनलाइन है। राष्ट्रीय सेवा वितरण मूल्यांकन 2025 में देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। देश का सबसे स्वच्छतम शहर इंदौर एवं स्वच्छतम राजधानी भोपाल है।

डेलिगेट्स को मिला महाकाल का प्रसाद वर्चुअल रियलिटी से की ओरछा की सैर

भोपाल, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड का पवेलियन आकर्षण का केंद्र रहा। राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थल, प्राचीन मंदिर, राजसी किले और लुभावने प्राकृतिक स्थलों को नवीन तकनीक और इंटरैक्टिव पैनल के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। यहां डेलिगेट्स को होलोग्राम के जरिए महाकाल के सजीव दर्शन कराये गए। उन्हें उज्जैन से विशेष रूप से मंगाया गया बाबा महाकाल का प्रसाद भी दिया गया। इसके साथ ही साइक्लिंग करते हुए वर्चुअल रियलिटी के जरिए ओरछा, खजुराहो और सांची स्तूप के साथ वन्य जीवन का अनुभव कराया गया। पवेलियन में वेलनेस टूरिज्म को प्रदर्शित करते हुए साउंड हीलिंग तकनीक का विशेष जोन बनाया गया। प्रदेश के पारंपरिक हस्तशिल्प बाग प्रिंट के लाइव काउंटर में डेलिगेट्स ने बाग प्रिंट को करीब से जानने के साथ साड़ी, स्टोल जैसे उत्पाद भी खरीदे। समिट के पर्लो को यादगार बनाने के लिए मोगली सेल्फी पॉइंट स्थापित किया गया। जिसमें डेलीगेट्स ने जंगल बुक के कैरेक्टर मोगली, बघीरा सहित चीता और बाघ के साथ सेल्फी ली।

- GIS के म.प्र. टूरिज्म बोर्ड के पवेलियन में राज्य की समृद्ध विरासत और निवेश क्षमता का हुआ प्रदर्शन।
- उज्जैन, साँची, भोजपुर, भीमबेटका, खारी विलेज होमस्टे और भोपाल के प्रमुख पर्यटन स्थल भी बने आकर्षण का केंद्र।

पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा 'जीआईएस में आए मेहमानों को मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक, प्राकृतिक, सांस्कृतिक स्थलों से अवगत कराने के उद्देश्य से आधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया। वर्चुअल अनुभव से न केवल राज्य की विरासत को व्यापक स्तर पर प्रचार मिला, बल्कि डेलिगेट्स में हमारे पर्यटन स्थलों के प्रति आकर्षण भी बढ़ा। पवेलियन में होलोग्राम के जरिये महाकाल के दर्शन और ओरछा की वर्चुअल टूर को सराहा गया। साथ ही पवेलियन में पधारने वाले निवेशकों और डेलिगेट्स को प्रदेश में पर्यटन परियोजनाओं में निवेश के अवसर और नवीन पर्यटन नीति के प्रावधानों से भी अवगत कराया गया।

डेलिगेट्स के लिए उज्जैन और सांची बने पहली पसंद

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आए देश-विदेश के प्रतिनिधियों के लिए मध्यप्रदेश पर्यटन ने विशेष यात्रा टूर प्लान किया था। डेलिगेट्स ने उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के साथ ही, सांची के बौद्ध स्तूप, भोजपुर के शिव मंदिर और भीम बेटका की ऐतिहासिक गुफाओं में रुचि व्यक्त की। साथ ही पर्यटन ग्राम खारी को भी डेलिगेट्स द्वारा खूब पसंद किया गया, जहां डेलिगेट्स ने ग्रामीण जीवनशैली और स्थानीय संस्कृति का अनुभव लिया।

मध्यप्रदेश पर्यटन की शानदार मेहमान नवाजी का लिया लुत्फ

मध्यप्रदेश पर्यटन ने समिट में आए मेहमानों को राज्य के ऐतिहासिक, प्राकृतिक, सांस्कृतिक स्थलों से अवगत कराने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग भी किया गया। इससे न केवल राज्य की विरासत को व्यापक स्तर पर प्रचार मिला, बल्कि डेलीगेट्स में हमारे पर्यटन स्थलों के प्रति आकर्षण भी बढ़ा। मध्यप्रदेश सरकार और पुरातत्व विभाग के सहयोग से राज्य के सभी पुरातात्विक और एएसआई संरक्षित स्मारकों पर प्रतिनिधियों के लिए नि:शुल्क प्रवेश की सुविधा की गई।

देश के दिल मध्यप्रदेश में पर्यटन के स्वर्ण युग का हुआ आरंभ - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हिंदुस्तान के दिल मध्यप्रदेश को समृद्ध प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक धरोहरों और सांस्कृतिक विविधता के कारण देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में गिना जाता है। यहां के घने जंगल, दुर्लभ वन्य जीव, ऐतिहासिक किले, प्राचीन मंदिर और जीवंत संस्कृति हर साल लाखों पर्यटकों को आकर्षित करती है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों और योजनाओं के कारण न केवल पर्यटन क्षेत्र में निवेश बढ़ा है, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार के प्रयासों से मध्यप्रदेश भारत के शीर्ष पर्यटन स्थलों में अपनी अलग पहचान बना चुका है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी स्वयं बता चुके हैं कि मध्यप्रदेश को एक विदेशी मैगजीन ने दुनिया की श्रेष्ठ टूरिज्म डेस्टिनेशन में से एक माना है। राज्य सरकार की योजनाओं से राज्य की सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर को संरक्षण मिल रहा है। साथ ही इससे प्रदेश वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर सशक्त पहचान स्थापित कर रहा है।

रिन्यूएवल एनर्जी से बिजली की आवश्यकता को करेंगे पूरा

भोपाल, रिन्यूएवल एनर्जी से कुल बिजली खपत की आवश्यकता की 50 फीसदी को पूरा करने के लिये हम संकल्पबद्ध हैं। इस लक्ष्य को हम शीघ्र प्राप्त करेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में प्रयास जारी हैं। यह बात नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने जीआईएस-2025 के फीडर सोलेराइजेशन समिट को संबोधित करते हुए कही। मध्यप्रदेश के भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में माननीय नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री शुक्ला ने एक सोलर वैन को सौर ऊर्जा के प्रचार-प्रसार के लिये रवाना किया। यह सोलर वैन पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और पीएम कुसुम योजना के तहत जन-जागरूकता अभियान का हिस्सा है।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में रिन्यूएवल एनर्जी के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने निवेशकों से कहा कि प्रदेश में निवेश के लिये अनुकूल वातावरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेश के अनुकूल औद्योगिक नीतियों को लागू किया है। श्री शुक्ला ने कहा कि निवेशकों के लिये प्रदेश के दरवाजे हमेशा खुले हैं। निवेशक निश्चिंत होकर मध्यप्रदेश में निवेश करें।

बैंकर्स सेशन में पीएम कुसुम योजना में बैंकर्स की भूमिका पर बैंक अधिकारियों ने विस्तार से जानकारी दी। निवेशकों द्वारा कुसुम योजना के संबंध में पूछे गये सवालों के समाधान कारक उत्तर भी सेशन में दिये गये। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव ने कुसुम योजना से जुड़े विभिन्न पक्षों की जानकारी पर निवेशकों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का उत्तर दिया। बैंकर्स ने कुसुम योजना में बैंक द्वारा ऋण देने की प्रक्रिया को समझाया।

मध्यप्रदेश@2047 तक बनेगा 2.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था

भोपाल, मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था संभावित रूप से अपने सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) को वर्ष 2047-48 तक 2.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (248.6 लाख करोड़ रुपये) तक बढ़ा सकती है, जो मौजूदा 164.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर (13.6 लाख करोड़ रुपये) से 8.6 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ सकती है। भारतीय उद्योग परिसंघ की रिपोर्ट में यह बात रेखांकित हुई है। 'एनविजनिंग मध्यप्रदेश इकोनॉमी@2047' के अनुसार यह रिपोर्ट आर्थिक विकास के लिए एक दृष्टिकोण, प्रमुख क्षेत्रों की पहचान, नीतिगत हस्तक्षेप और निवेश के अवसरों की रूपरेखा तैयार करती है जो राज्य के परिवर्तन को आगे बढ़ाएंगे।

सीआईआई के महानिदेशक श्री चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि निवेश को बढ़ावा देने और विकास को गति देने के लिए समर्पित एक सक्रिय राज्य सरकार के साथ, मध्यप्रदेश वर्ष 2047-48 तक भारत की जीडीपी में अपना योगदान मौजूदा 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.0 प्रतिशत करने के लिए अच्छी स्थिति में है। मध्यप्रदेश को अपने महत्वाकांक्षी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विनिर्माण और औद्योगिक विस्तार को केंद्र में रखना होगा। कृषि क्षेत्र वर्तमान में मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था में 43 प्रतिशत योगदान देता है, दीर्घकालिक विकास को बनाए रखने के लिए विनिर्माण की हिस्सेदारी वर्ष 2047 तक बढ़कर 22.2 प्रतिशत होनी चाहिए। इसे प्राप्त करने के लिए, क्रॉस-सेक्टोरल और सेक्टर-विशिष्ट में वर्गीकृत हस्तक्षेपों की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई।

सत्र में कपड़ा और खाद्य प्रसंस्करण जैसे रोज़गार लोचदार क्षेत्रों के लिए कुशल कार्यबल की उपलब्धता को प्राथमिकता देने, अधिक कौशल पार्क स्थापित करने और कौशल अंतराल को दूर करने के लिए कौशल विकास में उद्योग की भागीदारी को प्रोत्साहित करने की जरूरत बताई गई।

आवास विभाग की प्रदर्शनी में 3डी इंटेलिजेंस प्रदर्शित

भोपाल, राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में नगरीय विकास एवं आवास विभाग की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में स्मार्ट सिटी, मेट्रो, हाउसिंग बोर्ड, विकास प्राधिकरण की योजना और निवेश के बारे में जानकारी दी गई। प्रदर्शनी में प्रदेश में अमृत, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी से जुड़े निवेश की जानकारी को भी प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी की खास बात यह रही की कार्यक्रम स्थल पर आभासी वास्तविक तकनीक पर आधारित डार्क रूम बनाया गया, जिसमें 3डी इंटेलिजेंस की शहरी नियोजन में उपयोगिता को प्रदर्शित किया।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

जीआईएस-2025 में स्टार्ट-अप पिचिंग सत्र ने नवाचार को दिया बढ़ावा

भोपाल, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में 'फ्यूचर फ्रंटियर : स्टार्ट-अप पिचिंग सेशन' नवोदित उद्यमियों, निवेशकों और उद्योग जगत के दिग्गजों के लिए एक गेम-चेंजर मंच साबित हुआ। इससे भविष्य की एक नई तस्वीर उभरी है। स्टार्ट-अप पिचिंग सेशन ने नवाचार और व्यापारिक विकास को प्रोत्साहित करने वाले माहौल को मजबूत किया। इस सत्र के लिए कुल 180 स्टार्ट-अप ने पंजीकरण कराया जो मध्यप्रदेश के उभरते स्टार्ट-अप इकोसिस्टम की जीवंतता और आर्थिक परिवर्तन की क्षमता को दर्शाता है। इनमें से 25 उच्च-संभावित स्टार्ट-अप को अपने वेंचर प्रस्तुत करने के लिए चुना गया, जहां उन्हें मूल्यवान मार्गदर्शन और निवेश अवसर प्राप्त हुए।

स्टार्ट-अप पिचिंग सेशन में निवेशकों और इनक्यूबेटर्स ने अत्यधिक रुचि दिखाई, जिसमें 19 स्टार्ट-अप को जूरी सदस्यों से एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट प्राप्त हुए। आईआईसीई ने 4 स्टार्ट-अप में रुचि दिखाई, एसजीएसआईटीएस ने 3 स्टार्ट-अप में, सिल्वर नीडल वेंचर्स ने 3 स्टार्ट-अप में, आईटीआई ग्रोथ ने 3 स्टार्ट-अप में, ईजीसीड ने 7 स्टार्ट-अप में, सीफंड ने 3 स्टार्ट-अप में, वेंचर कैटालिस्ट्स ने 10 स्टार्ट-अप में, वीएसपीएल इनिशिएटिव्स ने 4 स्टार्ट-अप में, एआईस-आरएनटीयू ने 5 स्टार्ट-अप में तथा इक्वैनिमिटी इन्वेस्टमेंट्स ने 5 स्टार्ट-अप में अपनी रुचि दिखाई।

स्टार्ट-अप के लिए निवेश और रणनीतिक

सहयोग के नए द्वार

स्टार्ट-अप पिचिंग सेशन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि 47 एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट का जारी किया जाना रही। इन ईओआई ने संभावित वित्तीय सहायता, व्यावसायिक परामर्श और उद्योग से जुड़ाव के अवसर प्रदान किए। इनोवेशन और सहयोग के माध्यम से स्टार्ट-अप ईकोसिस्टम को सशक्त बनाने संबंधी सत्र में केवल निवेश ही नहीं, बल्कि सहयोग और रणनीतिक विकास पर जोर दिया गया।

मध्यप्रदेश : स्टार्ट-अप फ्रेंडली राज्य के रूप में सशक्त होता हुआ। फ्यूचर फ्रंटियर स्टार्ट-अप पिचिंग सेशन ने प्रदेश को स्टार्ट-अप्स के लिए एक अनुकूल गंतव्य के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भविष्य की संभावनाएं

स्टार्ट-अप पिचिंग सेशन के परिणाम निवेशकों की गहरी भागीदारी, मजबूत उद्योग साझेदारियों और नए उद्यमियों के लिए विस्तारित समर्थन तंत्र का मार्ग प्रशस्त करेंगे। निरंतर नवाचार को प्रोत्साहित करना और स्टार्ट-अप्स को अवसर प्रदान करना, भारत की स्टार्ट-अप अर्थव्यवस्था में राज्य की भूमिका को और मजबूत करेगा।

बागेश्वर धाम में हुआ 251 जोड़ों का सामूहिक विवाह

सामाजिक समरसता बढ़ाने के लिए संत समाज हरसंभव प्रयास करें - राष्ट्रपति

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बागेश्वर धाम में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल हुए

छतरपुर, राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में बागेश्वर धाम में 251 जोड़ों का सामूहिक विवाह महोत्सव हुआ। भव्य समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने महाशिवरात्रि पर्व पर आयोजित सामूहिक विवाह में दाम्पत्य सूत्र में बंध रहे जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि समकालीन समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने और समाज को जागरूक करने के लिए पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की पहल सराहनीय है। गुरुनानक देवजी, संत रविदास, कबीरदास, मीरा बाई जैसे कई संतों ने अपने उपदेशों से छुआछूत जैसी कुरीतियों को दूर करने और महिलाओं को समाज में उचित स्थान दिलाने का संदेश दिया है। समाज को सन्मार्ग दिखाने की संत परम्परा के इस उद्देश्य को बागेश्वर धाम प्रभावी रूप से आगे बढ़ा रहे हैं।

- **समाज में व्याप्त कुरीतियों को खत्म करना, समाज को जागरूक करना और महिलाओं को समाज में उचित स्थान दिलाना आवश्यक।**
- **देश को आगे बढ़ाने के लिए सामाजिक चेतना आवश्यक है।**
- **नव दम्पतियों को भेंट स्वरूप दिए जाएंगे 51-51 हजार रुपये।**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हनुमान जी के आशीर्वाद से सामाजिक बुराईयों को दूर करने का कार्य किया जा रहा है। समाज में विद्यमान जातिगत दीवारों को तोड़ना आज के समय की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। पंडित धीरेंद्र शास्त्री के प्रयासों से जातिगत बाधाएं टूटी हैं और अलग-अलग जातियों के दूल्हे एक साथ घोड़ी पर बैठे हैं।

जातिगत विषमताओं के खिलाफ लड़ते हुए समाज के सामने, शासन-सत्ता और संत की त्रिवेणी की मौजूदगी में सामूहिक विवाह आयोजित कर बागेश्वर धाम नए कीर्तिमान बना रहा है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

फैक्ट फाइल

प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं की सराहना करते हुए कहा "मध्यप्रदेश में निवेश का यही समय है, सही समय है"

एक वर्ष में सर्वाधिक निवेश प्रस्ताव वाला देश का तीसरा राज्य बना मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 फरवरी को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का शुभारंभ किया। ''अनंत संभावनाएं'' थीम पर आयोजित समिट में प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं और निवेश के अनुकूल माहौल की सराहना करते हुए कहा कि "मध्यप्रदेश में निवेश का यही समय है, सही समय है।" इससे अतिथि उद्यमियों के मन में मध्यप्रदेश में निवेश के प्रति भरोसे को और अधिक मजबूती मिली। प्रधानमंत्री ने राज्य की 18 नई औद्योगिक नीतियों का शुभारंभ भी किया।

इससे प्रदेश में व्यापार और निवेश को और अधिक गति मिलेगी। मध्यप्रदेश में निवेश को लेकर विगत एक वर्ष से निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। पिछले एक वर्ष में प्रदेश में 7 रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, 6 रोड शो और इंटरैक्टिव सेशन्स संपन्न हुए।

उद्योग नीतियों और कुशल प्रबंधन का परिणाम

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा निवेश के लिये गांव से ग्लोबल तक निरंतर गतिविधियां आयोजित की गयी। इसी का परिणाम है कि वर्ष भर में प्रदेश में 30 लाख 77 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले और एमओयू हुए। जब यह प्रस्ताव धरातल पर उतरेंगे तब लगभग 21.40 लाख लोगों को रोज़गार मिलने की संभावना है।

मध्यप्रदेश में जारी की गई उद्योग नीतियों और कुशल प्रबंधन का परिणाम है कि पहली बार निवेशकों ने इतना अधिक विश्वास जताया है। विगत 24 तथा 25 फरवरी को होने वाले दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 26.61 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले ओर एमओयू हुए। दो दिवसीय समिट में मिले प्रस्तावों से 17.34 लाख रोज़गार के अवसर निर्मित होंगे। जीआईएस में निवेशकों के उत्साह और अपेक्षित परिणामों को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कहना है कि जीआईएस 2025 मध्यप्रदेश के औद्योगिक इतिहास में मील का पत्थर साबित होगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने में मध्यप्रदेश ने अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। जीआईएस-भोपाल में मध्यप्रदेश ने निवेशकों को आकर्षित करने में कई राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया है।

कौन-कौन शामिल हुए

जीआईएस-भोपाल में विभिन्न देशों के उच्चायुक्तों और व्यापारिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें श्री राजेंद्र मोदी, उप मंत्री, उद्योग एवं वाणिज्य, जिम्बाब्वे, डॉ. शंकर प्रसाद शर्मा, (राजदूत नेपाल) श्री मोहम्मद रलीकी, (राजदूत तुर्की) सुश्री स्टेला न्केरा, (राजदूत जिम्बाब्वे) डॉ. निजायर निफेस, (राजदूत बुर्किना फासो) श्री यागी काजी, वाणिज्य दूत, जापान और श्री वाल्टर फेरारा, वाणिज्य दूत, इटली प्रमुख हैं।

60 से अधिक देशों के 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया

इसमें 60 से अधिक देशों के 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। साथ ही कनाडा, जर्मनी, इटली, जापान, तुर्की, पोलैंड, रूस, रवांडा और यूएई जैसे 9 देश कंट्री पार्टनर बने। 600 से अधिक बी-टू-जी (बिजनेस-टू-गवर्नमेंट) तथा 5000 से अधिक बी-टू-बी (बिजनेस-टू-बिजनेस) बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों के दौरान मध्यप्रदेश सरकार और उद्यमियों के बीच निवेश प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा हुई।

औद्योगिक दिग्गजों की भागीदारी

समिट में भारत और विश्व के 300 से अधिक प्रमुख उद्योगपतियों ने भाग लिया। इनमें गौतम अडानी (अडानी ग्रुप), कुमार मंगलम बिड़ला (आदित्य बिड़ला ग्रुप), नुपुर खंडेलवाल (रसना प्राइवेट लिमिटेड) और बाबा कल्याणी (भारत फोर्ज लिमिटेड) और सागर उद्योग समूह के श्री सुधीर अग्रवाल जैसे दिग्गज शामिल रहे।

मध्यप्रदेश निवेशकों की पहली पसंद

मध्यप्रदेश देश-विदेश के निवेशकों के लिए फेवरेट इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन बन गया है। उद्योगों के विकास के लिये प्रदेश सरकार के उठाए गए कदमों से राज्य में ईज-ऑफ-डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिला है। जीआईएस-भोपाल का सफल आयोजन राज्य के आर्थिक और औद्योगिक विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है।

शशांक मणि पांडे

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

प्रमुख बिन्दु

- मध्यप्रदेश के भोपाल में 24 तथा 25 फरवरी, 2025 को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन।
- जीआईएस की थीम अनन्त संभावनाएं।
- दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 30.77 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त।
- एक वर्ष में 7 रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, 6 रोड शो- और इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन।
- मजबूत औद्योगिक नीतियों और कुशल प्रबंधन से मिले निवेश प्रस्ताव।
- जीआईएस भोपाल में 85 से अधिक एमओयू पर हस्ताक्षर हुए।
- 25 हजार से अधिक रजिस्ट्रेशन।
- 600 से अधिक बिजनेस टू गवर्नमेंट बैठकें संपन्न।
- 5000 से अधिक बिजनेस टू बिजनेस बैठकें संपन्न।
- विभिन्न सेक्टर्स में 85 से अधिक एमओयू पर हस्ताक्षर किये गए।

जीआईएस-2025 में प्राप्त निवेश प्रस्ताव

कार्यक्रम	प्रस्तावित निवेश राशि (लाख करोड़ रुपये में)	प्रस्तावित रोज़गार
रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव	2.34	2.74 लाख
इंटरैक्टिव सेशन	1.82	1.32 लाख
जीआईएस-2025	26.61	17.34 लाख
कुल निवेश प्रस्ताव	**30.77**	**21.40 लाख**

भारत

पायलटों के लिए ईपीएल लागू करने वाला दूसरा देश बना

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री के. राममोहन नायडू ने पायलटों के लिए इलेक्ट्रॉनिक कार्मिक लाइसेंस (ईपीएल) लॉन्च किया। मध्यप्रदेश के जबलपुर की रहने वाली इशिता भार्गव इलेक्ट्रॉनिक पर्सनल लाइसेंस हासिल करने वाली भारत की पहली पायलट बन गई हैं। इसके साथ ही भारत, चीन के बाद विमान के चालक दल के लिए ईपीएल लागू करने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है। ईपीएल पायलटों को दिए जाने वाले पारंपरिक भौतिक लाइसेंस का डिजिटल रूप है। इसे मोबाइल एप के जरिए प्राप्त किया जा सकेगा।

पूर्णिमा देवी बर्मन

वुमन ऑफ द ईयर सूची में शामिल

टाइम मैगजीन की इस वर्ष की 'वुमन ऑफ द ईयर' सूची में भारतीय जीव विज्ञानी एवं वन्यजीव संरक्षणकर्ता पूर्णिमा देवी बर्मन का नाम शामिल किया गया है। अभिनेत्री निकोल किडमैन और फ्रांस की गिसेल पेलिकॉट के साथ 13 महिलाओं की इस सूची में बर्मन एकमात्र भारतीय महिला हैं। बर्मन को 2017 में भारतीय महिलाओं के लिए सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'नारी शक्ति पुरस्कार' भी मिल चुका है। उन्हें व्हिटली पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। इस पुरस्कार को ग्रीन ऑस्कर के नाम से जाना जाता है।

प्रोफेसर सब्यसाची कर

इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ के निदेशक नियुक्त

प्रोफेसर सब्यसाची कर को नई दिल्ली स्थित आर्थिक विकास संस्थान (आईईजी) का निदेशक नियुक्त किया गया है। वे प्रोफेसर चेतन घाटे की जगह लेंगे। इससे पहले अर्थशास्त्री कर आईईजी में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के चेयर प्रोफेसर के रूप में कार्यरत थे। वे सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की क्षेत्रीय लेखा समिति के सदस्य हैं। उन्होंने जर्नल ऑफ साउथ एशियन डेवलपमेंट के सह-संपादक और मैनचेस्टर विश्वविद्यालय में मानद वरिष्ठ अनुसंधान फेलो सहित कई अकादमिक भूमिकाएं निभाई हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम ने इसकी घोषणा की। नेशनल असेंबली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री रामगुलाम ने कहा कि यह हमारे देश के लिए एक विशेष सम्मान की बात है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के इतने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद हमें ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की मेजबानी करने का अवसर मिलेगा। हर साल 12 मार्च को मॉरीशस अपना राष्ट्रीय दिवस मनाता है। इसे 12 मार्च 1968 को ब्रिटिश शासन से आजादी मिली थी।

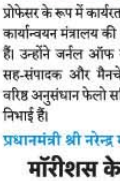

अशोक विरमानी

एफ पॉल एंडरसन पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले भारतीय बने

भारतीय इंजीनियर अशोक विरमानी को प्रतिष्ठित एफ पॉल एंडरसन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार प्राप्त करने वाले वे पहले भारतीय बन गए हैं। यह पुरस्कार वैश्विक हीटिंग, वेंटिलेशन, एयर कंडीशनिंग, रेफ्रिजरेशन उद्योग और विशेष रूप से ऊर्जा दक्षता में उनके महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता देता है। यह पुरस्कार अमेरिका के ऑरलैंडो में प्रदान किया गया। इस पुरस्कार का नाम अमेरिकन सोसायटी ऑफ हीटिंग एंड वेंटिलेटिंग इंजीनियर्स के पूर्व अध्यक्ष एफ पॉल एंडरसन के नाम पर रखा गया है।

दार्जिलिंग चिड़ियाघर में

भारत का पहला वन्यजीव बायो बैंक स्थापित

पद्मजा नायडू हिमालयन जूलॉजिकल पार्क (दार्जिलिंग चिड़ियाघर) में भारत का पहला वन्य जीव बायो बैंक स्थापित किया गया है। यहां 23 प्रजातियों के 60 जंतुओं से डीएनए और ऊतक के नमूने एकत्र किये गए हैं। यह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केंद्र के सहयोग से राष्ट्रीय संरक्षण योजना का हिस्सा है। भविष्य में दिल्ली राष्ट्रीय चिड़ियाघर और नंदनकानन चिड़ियाघर (ओडिशा) में बायो बैंक स्थापित करने की योजना है। दार्जिलिंग चिड़ियाघर हिम तेंदुए, हिमालयी भेड़ियों और लाल पांडा जैसी अल्पाइन प्रजातियों के बंदी प्रजनन के लिए जाना जाता है।

एमएसएमई के लिए

म्यूचुअल क्रेडिट गारंटी योजना लॉन्च

केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2024-25 की घोषणा के अनुसार एमएसएमई को बिना किसी सहायक के मशीनरी या उपकरण की खरीद के लिए 100 करोड़ रुपये तक के क्रेडिट की सुविधा हेतु म्यूचुअल क्रेडिट गारंटी योजना शुरू की। वित्त मंत्री ने वर्चुअल माध्यम से मुंबई में पहले 'सचल आयकर सेवा केंद्र' का भी उद्घाटन किया। इस केंद्र को डिजिटल सेवाओं तक पहुंच की सुविधा प्रदान करने, शिकायत निवारण के लिए सहायता प्रदान करने और कर जागरूकता को प्रोत्साहन देने के लिए तैयार किया गया है।

अभ्यास धर्म गार्डियन

जापान में 9 मार्च तक होगा आयोजित

भारत-जापान संयुक्त सैन्य अभ्यास धर्म गार्डियन 24 फरवरी से 9 मार्च 2025 तक जापान के पूर्वी फूजी युद्धाभ्यास प्रशिक्षण क्षेत्र में आयोजित हो रहा है। यह एक वार्षिक सैन्य अभ्यास है, जो भारत और जापान में बारी-बारी से होता है। यह सैन्य अभ्यास पिछली बार फरवरी-मार्च 2024 में राजस्थान में किया गया था। इस सैन्य अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के अधिदेश (संयुक्त राष्ट्र के कार्य एवं जिम्मेदारियां) के तहत संयुक्त शहरी युद्ध और आतंकवाद विरोधी अभियानों को अंजाम देते हुए दोनों सेनाओं के बीच अंतर-संचालन को बढ़ाना है। इस अभ्यास में उच्च स्तर की शारीरिक फिटनेस, संयुक्त योजना और संयुक्त सामरिक अभ्यास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

वी. अनंत नागेश्वरन

मुख्य आर्थिक सलाहकार का कार्यकाल बढ़ा

सरकार ने मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन का कार्यकाल दो वर्ष यानी मार्च 2027 तक बढ़ा दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने वी. अनंत नागेश्वरन का कार्यकाल बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। नागेश्वरन ने 28 जनवरी, 2022 को मुख्य आर्थिक सलाहकार का पदभार ग्रहण किया था। सीईए का कार्यालय विभिन्न आर्थिक नीतियों पर सरकार को सलाह देने का होता है। सीईए का पदभार संभालने से पहले नागेश्वरन ने एक लेखक, शिक्षक और सलाहकार के रूप में काम किया। वह वर्ष 2019 से 2021 तक प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अस्थायी सदस्य भी रहे हैं।

ब्राजील

ओपेक प्लस समूह में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल होगा

ब्राजील ने आधिकारिक रूप से तेल उत्पादक देशों के समूह ओपेक प्लस में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल होने का निर्णय लिया है। यह निर्णय ब्राजील की राष्ट्रीय ऊर्जा नीति परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया है। इससे उसे प्रमुख तेल निर्यातक देशों के साथ रणनीतिक चर्चाओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब ब्राजील संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन की मेज़बानी की तैयारी कर रहा है। यह मंच ब्राजील को वैश्विक तेल उत्पादकों के साथ विचार-विमर्श करने और ऊर्जा बाजार की नीतियों को आकार देने में योगदान देने का अवसर देगा।

नीता अंबानी

कला, संस्कृति और समाज में योगदान के लिए सम्मानित

रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और अध्यक्ष श्रीमती नीता अंबानी को बोस्टन के म्यूजियम ऑफ फाइन आर्ट्स (एमएफए) में कला, संस्कृति और समाज में उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। श्रीमती अंबानी अपनी बेटी ईशा अंबानी और परिवार के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुईं। इससे पहले उन्होंने हार्वर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस 2025 में भी उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज कराई, जहां उन्होंने मुख्य भाषण दिया और हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के पूर्व डीन नितिन नोहरिया के साथ बातचीत की।

रागा दीपिका पुचा ने

ब्लैक होल के अब तक के सबसे बड़े नमूने खोजे

अमेरिका में वैज्ञानिकों की एक टीम ने ब्रह्मांड में ब्लैक होल और छोटी आकाशगंगाओं के अब तक के सबसे बड़े नमूनों की खोज की है। यह काम भारतीय मूल की खगोल वैज्ञानिक रागा दीपिका पुचा के नेतृत्व में किया गया है। इन नए नमूनों की संख्या मौजूदा गणना से तीन गुना ज्यादा है। यह छोटी आकाशगंगाओं और ब्लैक होल के विकास के बीच की जटिलता को और ज्यादा अच्छे तरीके से समझने में मदद करेंगे। यह रिसर्च ब्रह्मांड के शुरुआती दिनों में ब्लैक होल का विकास होने की प्रक्रिया समझने में भी मददगार हो सकती है।

जनरल सीक्यू ब्राउन

ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के चेयरमैन पद से हटाए गए

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सेना के शीर्ष पद पर बड़ा फेरबदल किया है। उन्होंने देश के सबसे वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल सीक्यू ब्राउन को बर्खास्त कर दिया है। जनरल ब्राउन इस पद पर आसीन होने वाले दूसरे अश्वेत अधिकारी थे। इस पद पर तैनात अधिकारी राष्ट्रपति और रक्षा मंत्री दोनों को राष्ट्रीय सुरक्षा पर सलाह देता है। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश के तहत हम एक नया नेतृत्व स्थापित कर रहे हैं, जो हमारी सेना को युद्धों को रोकने, लड़ने और जीतने के अपने मुख्य मिशन पर केंद्रित करेगा।

शक्तिकांत दास

प्रधानमंत्री के प्रिंसिपल सेक्रेटरी नियुक्त

भारतीय रिज़र्व बैंक के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का प्रिंसिपल सेक्रेटरी-2 नियुक्त किया गया है। केंद्रीय कैबिनेट की अपॉइंटमेंट कमेटी ने यह नियुक्ति की है। शक्तिकांत दास आरबीआई गवर्नर के पद से 10 दिसंबर को रिटायर हुए थे। वर्तमान में पी.के. मिश्रा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रिंसिपल सेक्रेटरी-1 हैं। शक्तिकांत दास प्रिंसिपल सेक्रेटरी-2 होंगे। दास भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर के अलावा भारत के जी20 शेरपा और 15वें वित्त आयोग के सदस्य के रूप में भी काम कर चुके हैं।

सुनील मित्तल

ब्रिटेन का प्रतिष्ठित नाइटहुड सम्मान मिला

भारती इंटरप्राइजेज के संस्थापक और अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल को ब्रिटेन ने मानद नाइटहुड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें भारत-यूके व्यापार संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान के लिए दिया गया है। उन्हें "नाइट कमांडर ऑफ द मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर" की उपाधि ब्रिटिश उच्चायुक्त के आवास पर आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान की गई। सुनील भारती मित्तल को मिला यह सम्मान भारत और ब्रिटेन के व्यापारिक संबंधों को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

काश पटेल

फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के निदेशक बने

भारतीय मूल के काश पटेल अमेरिका की फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के निदेशक बन गए हैं। उन्होंने 21 फरवरी 2025 को एफबीआई के नौवें निदेशक के रूप में शपथ ली। उन्होंने श्रीमद् भगवद् गीता पर हाथ रखकर शपथ ली। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी ने उन्हें शपथ दिलाई। पटेल ने क्रिस्टोफर रे की जगह ली है। काश पटेल की नियुक्ति सीनेट में 51-49 वोटों से अनुमोदित हुई थी, जिसमें दो रिपब्लिकन सीनेटर ने उनके खिलाफ मतदान किया था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

जिला श्रम अधिकारी के पद पर चयनित सुश्री सृष्टि तिवारी का साक्षात्कार

ख्वाब देखने और उन्हें सच करने की कहानी

सपने देखने के लिए सिर्फ दृष्टि नहीं स्पष्ट नजरिया, लक्ष्य और निरंतर परिश्रम का होना बहुत जरूरी है। इस बात को साबित किया है भोपाल में रहने वाली सृष्टि तिवारी ने। जिला श्रम अधिकारी के पद पर पदस्थ सृष्टि जन्म से 100 फीसदी दृष्टि बाधित हैं, लेकिन जीवन में कुछ बेहतर करने की चाह, आत्मनिर्भर बनने और माता-पिता के हर कदम पर साथ और विश्वास ने सृष्टि को अपने मुकाम तक पहुंचने में सहयोग दिया। **इंतजार करने वालों को जीवन में उतना ही मिलता है जितना कोशिश करने वालों से छूट जाता है।** इन पंक्तियों पर यकीन रखने वाली सृष्टि के सामने कई तरह की चुनौतियां थीं। विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए सृष्टि ने सफलता हासिल की सिर्फ इसलिए क्योंकि माता-पिता को उनकी क्षमताओं पर भरोसा था और उन्होंने उनका हर कदम पर साथ दिया। सृष्टि कहती हैं कि दिव्यांगों की क्षमताएं अलग होती हैं बस परिवार और आसपास के लोग उन पर विश्वास करें और उनका साथ दें तो वे आत्मनिर्भर बनकर जीवन में मुकाम हासिल कर सकते हैं। अपनी जीवन यात्रा और राज्य प्रशासनिक सेवा में चयन के बारे में सृष्टि ने 'रोज़गार और निर्माण' से बातचीत की..

- **अपने अब तक के सफर के बारे में बताइए?**

○ मैंने अपनी स्कूल से लेकर कॉलेज की पढ़ाई दमोह से की है। घर में मां श्रीमती सुनीता तिवारी हैं जो गृहिणी हैं और पिता श्री सुनील तिवारी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। पिता की शासकीय नौकरी में स्थानांतरण के कारण मेरी पूरी पढ़ाई ननिहाल में हुई। मैंने 2018 में पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद एमपी पीएससी की परीक्षा की तैयारी शुरू की थी। 2019 में यह मेरा पहला प्रयास था। जिसमें जिला श्रम अधिकारी के पद पर मेरा चयन हुआ। उसी बीच कोविड आ गया था, इसलिए रिजल्ट आने में काफी वक्त लगा, जो पिछले साल आया है।

- **जीवन में कुछ करने के लिए मोटीवेशन कहां से मिला?**

○ जीवन में सबसे बड़ा मोटीवेशन मुझे मेरे परिवार से मिला। मेरे माता-पिता का कहना था कि तुम्हें अपने जीवन में कुछ सार्थक करना है। माता-पिता हमेशा कहते थे कि बेटी को हमेशा आत्मनिर्भर होना चाहिए। माता-पिता कहते थे कि निराश नहीं होना चाहिए कोई काम नहीं बन रहा है तो उसे हम नए तरीके से कर सकते हैं। जीवन सीखने की प्रक्रिया है, इन बातों ने सदैव प्रेरित किया। उन्होंने मुझे कभी मेरी कमजोरी का अहसास न कराकर मुझ पर भरोसा किया यही मेरी ताकत है। इसके अलावा मैंने जीवन में कई और सफल उदाहरण देखे हैं जो अपनी कमी के बावजूद जीवन में बेहतर काम कर रहे हैं वर्तमान में नर्मदापुरम कमिश्नर श्री कृष्णगोपाल तिवारी सर को ही यदि हम देखें तो उन्होंने भी कितनी चुनौतियों को पार कर अपना मुकाम बनाया। उनके बारे में पढ़ने से मुझे काफी मोटीवेशन मिला। अभी तक उनसे मुलाकात का अवसर नहीं मिला लेकिन निश्चित ही मिलना चाहूंगी।

- **एमपी पीएससी को ही कॅरियर के रूप में चुनने की मुख्य वजह क्या रही है?**

○ निश्चित ही हर व्यक्ति आजीविका के माध्यम से खुद को आत्मनिर्भर बनाना चाहता है। मैं भी आत्मनिर्भर बनना चाहती थी लेकिन इसके साथ-साथ मैं आजीविका का ऐसा माध्यम चुनना चाहती थी, जिसके माध्यम से मैं समाज को कुछ दे सकूं और मुझे लगता है कि सिविल सेवा इसके लिए एक बेहतर माध्यम है। मैंने पीएससी की तैयारी इसलिए की क्योंकि यह एक ऐसी सेवा है जिसमें विविधता है। इसमें हम अपने साथ-साथ समाज के हर वर्ग के विकास में अपना योगदान दे सकते हैं। इसके साथ ही अपने अनुभव से कह सकती हूं कि इस परीक्षा की तैयारी के दौरान व्यक्ति के अपने व्यक्तित्व का विकास होता है।

- **एमपी पीएससी की तैयारी के लिए आपने प्रतिदिन कितने घंटे अध्ययन किया? दिनचर्या क्या थी?**

○ सामान्य दिनों में मैंने पढ़ाई के लिए औसतन 4 से 6 घंटे दिए हैं, लेकिन परीक्षा जब नजदीक थी या परीक्षा के दौरान मैंने 10 से 12 घंटे पढ़ाई की है। मैं नियमित सुबह 6 बजे उठती थी। सुबह कई बार नया पढ़ती थी या फिर रिवीजन करती थी। करेंट अफेयर्स भी देखती थी। सिलेबस के हिसाब से विषय को कितना समय देना है यह तय कर लिया था। दोपहर में भी विषय को पढ़ती थी। शाम को कुछ समय म्यूजिक सुनना, टहलना दिनचर्या का हिस्सा था। रात में भी सोने के पहले तक पढ़ती थी।

- **दृष्टिबाधित होने के कारण किस तरह की चुनौतियां सिविल सर्विस की परीक्षा के दौरान महसूस कीं?**

○ सिलेबस के हिसाब से इंटरनेट या किताबों में वर्तमान समय में कंटेंट मौजूद है लेकिन ऑडियो फॉर्म में वह उपलब्ध नहीं हो पाता है या बहुत कम उपलब्ध होता है या लंबा समय बीत जाने के बाद उपलब्ध हो पाता है। इसलिए बहुत सारे विद्यार्थी इस परीक्षा की तैयारी नहीं कर पाते हैं लेकिन मैं इस मामले में खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मेरी मां ने मेरे लिए सिलेबस के हिसाब से कंटेंट को ऑडियो फॉर्म में तैयार करके उपलब्ध कराया। ऑडियो कंटेंट से तैयारी करके जब मैं इस परीक्षा को पास कर सकती हूं तो अन्य प्रतिभागी भी पास कर सकते हैं। मेरा यह उद्देश्य रहा है कि मैं अपनी तरह के अन्य प्रतिभागियों को आगे बढ़ने, आत्मनिर्भर बनाने में मदद कर सकूं संस्था के माध्यम से तथा व्यक्तिगत स्तर पर भी मैं लोगों की मदद कर सकूं मैं लोगों को जागरूक करना चाहती हूं, ताकि लोग जुड़कर ऑडियो कंटेंट तैयार करके एक प्लेटफॉर्म बनाकर उस पर उपलब्ध कराएं ताकि ज्यादा से ज्यादा दृष्टिबाधित छात्रों को यह उपलब्ध कराया जा सके।

- **आपने पढ़ने के लिए किन-किन चीजों के बारे में सीखा? तकनीक की सहायता ली?**

○ मैंने बचपन में ब्रेल लिपि सीखी थी लेकिन जैसे पढ़ाई बढ़ी अन्य चीजों की भी सहायता ली। फोन सामान्यतः भटकाव के लिए जाना जाता है, लेकिन मुझे मेरी पढ़ाई में उससे काफी मदद मिली। पूरी ऑडियो रिकॉर्डिंग सुनकर ही पढ़ाई करनी होती है। टेक्स्ट टू स्पीच सॉफ्टवेयर की मदद से पूरा फोन इस्तेमाल कर सकते हैं। यू-ट्यूब, वेबसाइट से पढ़ लेते हैं। एक निजी संस्था से मैंने टाइपिंग और इंटरनेट एक्सप्लोर करना सीखा। इससे मुझे नई चीजों को पढ़ने और जानने में मदद मिली। इंस्टा रीडर सॉफ्टवेयर की मदद से पीडीएफ पढ़ लेते हैं। यदि ऑफिस में मुझे कुछ पढ़ना होता है तो मैं उसे पढ़ लेती हूं।

- **जीवन में आई निराशा को कैसे दूर किया?**

○ हर जगह लोग हमेशा सकारात्मक नहीं मिलते हैं। कई बार लोग आकर

नाम - सुश्री सृष्टि तिवारी
उम्र - 28 वर्ष
पता - अवधपुरी, भोपाल
हाईस्कूल - नवजागृति हायर सेकेंडरी स्कूल, दमोह
हायर सेकेंडरी - जेबीबी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, दमोह
ग्रेजुएशन - हिस्ट्री, ज्योग्राफी, पॉलीटिकल साइंस
पोस्ट ग्रेजुएशन - पॉलीटिकल साइंस

कहते थे कि कैसे तैयारी करोगी? अगर जॉब में आ गईं तो कैसे मैनेज करोगी? कई बार ऐसा भी लगता था कि हमें कोई कंटेंट नहीं मिल रहा है तो अन्य सामान्य प्रतिभागियों की बराबरी कैसे करेंगे क्योंकि वह खुद देखकर पढ़ सकते हैं। अपनी चीजें मैनेज कर सकते हैं। लेकिन हमें थोड़ी मदद की आवश्यकता होती है। ऐसे में मेरा मानना यह है कि ह्यूमन इंटेलीजेंस और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में यही फर्क है। हम इमोशनल हैं हमारे अंदर भावनाएं हैं और कोई भी भावनाएं कभी भी एक सी नहीं रहती हैं जैसे कभी खुशी का दौर चल रहा होता है तो कभी दुःख का आता है। जो भी परिस्थिति आए उसे स्वीकार करें। उस परिस्थिति को देखकर स्थिर नहीं होना है। रुकना नहीं है। उसे देखिए, समझिए, गिर गए हैं तो उठकर खुद को संभालिए और जीवन में आगे बढ़िए यही मेरा मानना है। जीवन में आने वाली किसी भी समस्या को देखकर दुःखी नहीं होना चाहिए बल्कि यह सोचना चाहिए कि इस समस्या को दूर करने के लिए हम क्या प्रयास कर सकते हैं। इस बारे में हमें सोचना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए, ठहरना नहीं चाहिए।

- **परीक्षा हॉल में क्या रणनीति रही?**

○ परीक्षा हॉल में अक्सर बहुत सारे प्रतियोगी संयम खोने लगते हैं, उन्हें डर लगने लगता है कि अब नहीं बनेगा। ऐसे में सबसे पहले अच्छे से पूरा पेपर देख लीजिए। क्योंकि आपने अब तक जो भी पढ़ा है वह इन दो घंटों की परीक्षा में स्पष्ट हो जाता है। इसलिए मन को शांत रखना चाहिए, घबराना नहीं चाहिए। कई बार कॉमनसेंस की आवश्यकता होती है, कई बार दो विषयों के ज्ञान पर केन्द्रित एक सवाल होता है। बहुत ध्यान से पेपर हल करें और तनाव नहीं लें। परीक्षा हॉल में समय प्रबंधन बहुत जरूरी है क्योंकि पेपर पूरा करना बहुत आवश्यक है।

- **कोचिंग को सफलता के लिए कितना महत्वपूर्ण मानती हैं?**

○ मैंने कोचिंग नहीं की है, लेकिन मुझे लगता है कि यह हर व्यक्ति की क्षमताओं पर निर्भर करता है क्योंकि कोचिंग में भी गाइडेंस मिलता है। जैसे किसी को नहीं समझ आ रहा है कि सिलेबस की डिमांड क्या है या कैसे पढ़ना चाहिए तो उन लोगों के लिए कोचिंग मार्गदर्शन का कार्य करती है लेकिन किसी को लगता है कि वह स्वयं तैयारी कर सकता है तो उसके लिए आवश्यकता नहीं है। टॉपर्स टॉक सुन सकते हैं। इंटरनेट की सहायता लेकर पढ़ाई कर सकते हैं। अनिवार्य नहीं है कि कोचिंग नहीं करेंगे तो चयन नहीं होगा।

- **सीसेट की तैयारी कैसे करें?**

○ 10वीं तक कोर्स आता है उसमें रीजनिंग, कोडिंग-डिकोडिंग के सवाल पूछे जाते हैं। निर्णय लेने की क्षमता के कई सवाल पूछे जाते हैं जैसे कि इस परिस्थिति में आप क्या कर सकते हैं। आप इस पद पर हैं तो आप क्या करेंगे। इस तरह के सवालों के जवाब आप स्व-विवेक से हल कर सकते हैं। अपठित गद्यांश भी आपको स्व-विवेक से ही हल करना होता है। यह क्वालीफाइंग पेपर है इसलिए हो जाता है। अगर गणित कठिन लगता है। कोडिंग डिकोडिंग याद कर सकते हैं, कुछ कथन दिए रहते हैं कि इसे क्या कहेंगे। इन चीजों को प्रैक्टिस से आसानी से कर सकते हैं। प्रैक्टिस करें ज्यादा से ज्यादा पुराने पेपर हल करके देखिए। जो सिलेबस स्पेसिफिक है। करेंट अफेयर्स वाला हिस्सा ऐसा है, इसमें वो चीजें हैं जो रोजाना अपडेट होती हैं। उनके लिए ऑनलाइन ऐसे बहुत सारे रिसोर्स हैं जैसे यूट्यूब पर मौजूद लेक्चर, गूगल आदि पर मौजूद कंटेंट जो मददगार है।

- **पढ़ाई के दौरान किस तरह की चुनौतियां सामने आईं, उनका सामना कैसे किया?**

○ भूपाल के नक्शे समझने में मुझे दिक्कत आती थी। ऐसे में एक सीनियर अंकिता दीदी थीं जो मेरी मदद करती थीं। वह थर्माकोल को मेप के आकार में काटकर मुझे समझाती थीं। ताकि छूकर में समझ सकूं कि कहां पर कौन सा देश या राज्य है। कोचिंग में पढ़ने में मेरे लिए समझने में कई तरह की चुनौतियां थीं। ऐसे में मेरी मां ने मुझे बहुत मदद की। सिलेबस को समझना सबसे महत्वपूर्ण है। मेरे लिए मेरी मां ने पहले पूरे सिलेबस को समझा उसके बाद उन्होंने उसके हिसाब से मेरे लिए नोट्स ऑडियो फॉर्म में तैयार किए। जिन्हें मैंने सुनकर स्टडी की।

- **साक्षात्कार की तैयारी कैसे की? साक्षात्कार में आपसे क्या सवाल पूछे गए?**

○ साक्षात्कार की तैयारी के लिए मैंने तीन मॉक इंटरव्यू दिए थे। इसके अलावा अपने डिटेल्ड एप्लीकेशन फॉर्म, अपने विषय, करेंट अफेयर्स जैसे टॉपिक को तैयार किया था। साक्षात्कार के दौरान मुझसे दिव्यांगों के लिए कौन-कौन सी योजनाएं संचालित हो रही हैं, वह कहां तक सफल हैं? कहां करने की आवश्यकता है? ब्रेल लिपि क्या है, आप कैसे पढ़ते हो आदि सवाल पूछे गए थे।

- **साक्षात्कार के कुछ वक्त पूर्व आपकी मां को कैंसर हो गया था, उस समय खुद को और परिवार को कैसे संभाला?**

○ अगस्त में एमपी पीएससी की परीक्षा के साक्षात्कार के कुछ दिन पूर्व ही मां श्रीमती सुनीता तिवारी को ब्रेस्ट कैंसर का पता चला। लेकिन मेरे इंटरव्यू पर इसका कोई प्रभाव न हो, मैं मानसिक रूप से परेशान ना रहूं इसलिए उन्होंने या पापा ने मुझे इस बारे में नहीं बताया। इंटरव्यू के बाद उन्होंने इलाज की प्रक्रिया शुरू की।

- **दृष्टिबाधित या अन्य तरह के दिव्यांग विद्यार्थियों के परिवार को क्या संदेश देना चाहेंगी?**

○ दिव्यांगता किसी भी तरह की हो परिवार उन्हें जिम्मेदारी न समझे बल्कि उन्हें भी एसेट्स या संसाधन ही समझना चाहिए। उनमें भी उतनी ही काबिलियत होती है जितनी अन्य बच्चों में होती है। उनके काम करने का तरीका और जीवन जीने का तरीका थोड़ा सा हमसे अलग हो सकता है यह समझने की आवश्यकता है। यह हीनता की भावना नहीं आनी चाहिए पैरेंट्स में कि हमारा बच्चा यह नहीं कर सकता है। उन्हें हर कीमत पर बेहतर शिक्षा प्रदान करें। समस्याएं सभी के जीवन में होती हैं लेकिन शिक्षा से समझौता कभी नहीं करना चाहिए। दूसरों का माइंडसेट कैसा भी हो आप अपने बच्चे पर भरोसा करें उसे समझें। यदि आप सकारात्मक भाव के साथ अपने बच्चे से कहेंगे कि बेटा आगे बढ़िए हम आपके साथ हैं तो वह उस बच्चे के लिए सबसे बड़ी बात है। मेरे माता-पिता ने मेरे साथ ऐसा ही किया इसलिए यह बात इस भरोसे के संग कह रही हूं। मैंने सामान्य बच्चों के बीच पढ़ाई की लेकिन सभी के सहयोगात्मक रवैये, नाना-नानी, मामा, मां-पापा सभी ने मेरा हर कदम पर साथ नहीं दिया होता तो मैं यह अकेले नहीं कर पाती। दूरस्थ क्षेत्रों में ऐसी कई प्रतिभाएं हैं, जिन्हें सहयोग नहीं मिल पाता और वह आगे नहीं बढ़ पाते। इसलिए यही कहूंगी कि यदि आपके आसपास ऐसा कोई है तो उसे आगे बढ़ने में मदद कीजिए वह अपनी मंजिल स्वयं प्राप्त कर लेगा।

- डॉ. सर्जना चतुर्वेदी
(लेखिका, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करती हैं।)

आर्थिक समीक्षा 2024-25 पर आधारित महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान

1. आर्थिक सर्वेक्षण को किसके द्वारा बनाया जाता है?
अ. आर्थिक मामलों का विभाग
ब. रिज़र्व बैंक
स. भारतीय आर्थिक सर्वेक्षण विभाग
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- अ. आर्थिक मामलों का विभाग

2. वर्तमान में मुख्य आर्थिक सलाहकार कौन हैं?
अ. वी. अनंत नागेश्वरन
ब. सोम सुंदरम
स. व्हीआर रेड्डी
द. राघुराज रामन
उत्तर- अ. वी. अनंत नागेश्वरन

3. वित्तीय वर्ष 2026 में भारत की जी.डी.पी. (सकल घरेलू उत्पाद) में कितने प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है?
अ. 6.3 से 6.4
ब. 6.3 से 6.8
स. 6.8 से 7.0
द. 6.4 से 6.8
उत्तर- ब. 6.3 से 6.8

4. वित्तीय वर्ष 2025 में वास्तविक जी.डी.पी. (सकल घरेलू उत्पाद) कितने प्रतिशत रहने का अनुमान है?
अ. 6.2 ब. 6.3
स. 6.4 द. 6.5
उत्तर- स. 6.4

5. वित्तीय वर्ष 2025 में वास्तविक सकल मूल्य वर्धन (जी.वी.ए.) कितने प्रतिशत रहने का अनुमान है?
अ. 6.2 ब. 6.3
स. 6.4 द. 6.5
उत्तर- स. 6.4

6. वित्तीय वर्ष 2026 में भारत की उपभोक्ता मूल्य महंगाई कितने प्रतिशत रहने का अनुमान है?
अ. 2 ब. 3
स. 4 द. 5
उत्तर- स. 4 (यह लक्ष्य के करीब रहेगा)

7. वर्ष 2024 में सकल एफडीआई आगत कितने बिलियन डॉलर हुई?
अ. 47.2 ब. 17.9
स. 55.6 द. 58
उत्तर- स. 55.6

8. वर्ष 2024 में बीएसई स्टॉक बाजार पूंजीकरण और जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) अनुपात कितने प्रतिशत रहा?
अ. 136 ब. 137
स. 138 द. 140
उत्तर- अ. 136
व्याख्या- यह अनुपात चीन (65%) और ब्राजील (37%) से अधिक है।

9. एमएसएमई को इक्विटी वित्त पोषण उपलब्ध कराने के लिये कितने हजार करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर भारत कोष का शुभारंभ किया गया है?
अ. 25000 ब. 35000
स. 40000 द. 50000
उत्तर- द. 50000

10. वित्तीय वर्ष 2025 में कृषि क्षेत्र में कितने प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है?
अ. 3 ब. 3.8
स. 4 द. 4.8
उत्तर- ब. 3.8

11. वित्तीय वर्ष 2025 में औद्योगिक क्षेत्र में कितने प्रतिशत की बढ़त की उम्मीद है?
अ. 5 ब. 6
स. 6.2 द. 7
उत्तर- स. 6.2

12. वर्ष 2017-18 में भारत में बेरोज़गारी की दर 6 प्रतिशत थी जो 2023-24 में हो गई है?
अ. 3.2 ब. 3.5
स. 3.8 द. 4
उत्तर- अ. 3.3

13. वित्तीय वर्ष 2021 से 2025 के मध्य सामाजिक सेवा व्यय में कितने प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है?
अ. 10 ब. 12
स. 15 द. 20
उत्तर- स. 15

14. आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार वर्ष 2023 में वैश्विक अर्थव्यवस्था कितने प्रतिशत दर से बढ़ी?
अ. 2 ब. 3.3
स. 4 द. 4.2
उत्तर- ब. 3.3

15. वर्ष 2024-25 में कुल खरीफ खाद्यान्न उत्पादन के कितने लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) होने का अनुमान है?
अ. 1647.05 ब. 2028.0
स. 1847.05 द. 2028.00
उत्तर- अ. 1647.05
व्याख्या- यह वर्ष 2023-24 की तुलना में 5.7% अधिक है।

16. अप्रैल 2024 से नवंबर 2024 के बीच में वंदेभारत ट्रेन के कितने जोड़ों को भारतीय रेल में सम्मिलित किया गया है?
अ. 15 ब. 17
स. 19 द. 21
उत्तर- ब. 17

17. दूरसंचार, कम्प्यूटर तथा सूचना सेवा क्षेत्र में भारत पूरी दुनिया में कौन सा सबसे बड़ा निर्यातक है?
अ. पहला ब. दूसरा
स. तीसरा द. चौथा
उत्तर- ब. दूसरा

18. कृषि एवं सम्बद्ध गतिविधि क्षेत्र वर्तमान कीमतों पर वित्त वर्ष 2024 के लिये देश की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) में कितने प्रतिशत का योगदान देता है?
अ. 16 ब. 17
स. 18 द. 19
उत्तर- अ. 16

19. 2011-12 से 2021-22 के मध्य मत्स्य पालन क्षेत्र में कितने प्रतिशत की सीएजीआर प्राप्त की गई है?
अ. 8 ब. 8.5
स. 8.7 द. 9
उत्तर- स. 8.7
व्याख्या- इसके बाद पशुपालन क्षेत्र का स्थान आता है।

20. गैर जीवाश्म ईंधन स्रोत से स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता, कुल उत्पादन क्षमता की कितने प्रतिशत है?
अ. 40 ब. 42
स. 46.8 द. 50
उत्तर- स. 46.8

21. लोगों के कुल स्वास्थ्य खर्च में जेब से होने वाले खर्च की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2015 से 2022 के मध्य 62.67 से घटकर कितने प्रतिशत रह गई है?
अ. 39.4 ब. 30
स. 37 द. 40
उत्तर- अ. 39.4

22. सेवा निर्यात में भारत का विश्व में कौन सा स्थान है?
अ. 1 ब. 3
स. 5 द. 7
उत्तर- द. 7

23. कुल बीमा प्रीमियम में वित्त वर्ष 2024 में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है?
अ. 6 ब. 7.7
स. 8 द. 8.7
उत्तर- ब. 7.7

24. दिसम्बर, 2024 के अंत में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार कितने बिलियन डॉलर था?
अ. 640.3 ब. 650
स. 700 द. 740.3
उत्तर- अ. 640.3
व्याख्या- यह भंडार 10.9 महीनों के आयात तथा देश के बाहरी ऋण के 90 प्रतिशत के लिये पर्याप्त है।

25. आईएमएफ (अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष) के अनुसार वैश्विक मुद्रा स्फीति दर वर्ष 2024 में कितने प्रतिशत रही?
अ. 5.7 ब. 5.7
स. 6 द. 6.7
उत्तर- 5.7 (2022 में यह 8.7% सर्वोच्च थी)

26. वर्ष 2047 तक विकसित भारत के विजन को प्राप्त करने के लिये भारत को अगले दो दशकों तक औसतन स्थिर मूल्य पर कितने प्रतिशत वृद्धि दर प्राप्त करनी होगी?
अ. 8 ब. 10
स. 12 द. 14
उत्तर- अ. 8

27. प्रमुख अवसंरचना क्षेत्रों पर केन्द्र सरकार के पूंजीगत परिव्यय में वित्त वर्ष 2020 से वित्त वर्ष 2024 तक कितने प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई है?
अ. 35 ब. 38.8
स. 39 द. 40.8
उत्तर- ब. 38.8

28. राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के चरण 1 में विभिन्न क्षेत्रों के लिये 383 आवंटन औद्योगिक उपयोग के लिये आवंटित किये गये इनका कुल रकबा कितना है?
अ. 3788 एकड़
ब. 3877 एकड़
स. 3566 एकड़
द. 3566 एकड़
उत्तर- अ. 3788 एकड़

29. वर्तमान में भारत में ओ डी एफ + गांवों की संख्या कितनी है?
अ. 3.5 लाख
ब. 3.6 लाख
स. 4.0 लाख
द. 4.8 लाख
उत्तर- ब. 3.6 लाख

30. सार्वभौमिक सेवा दायित्व कोष (डिजिटल भारत निधि) के तहत दूरदराज के इलाकों में 4-जी मोबाइल की सुविधा दी जा रही है इसमें दिसम्बर 2024 तक कितने गावों को सुविधा दी गई है?
अ. 9000
ब. 10000
स. 10700
द. 1100
उत्तर- स. 10700

31. वर्तमान में भारत कितनी सक्रिय अंतरिक्ष परिसंपत्तियों का संचालन करता है?
अ. 25 ब. 26
स. 27 द. 20
उत्तर- ब. 26

32. वित्तीय वर्ष 2015 से 2024 तक इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के घरेलू उत्पादन में कितने प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि हुई?
अ. 17.5 ब. 18
स. 19.5 द. 20
उत्तर- अ. 17.5

33. कितने प्रतिशत स्मार्ट फोन अब घरेलू स्तर पर देश में निर्मित हो रहे हैं, जिससे भारत की आयात पर निर्भरता कम होती जा रही है?
अ. 75 ब. 80
स. 90 द. 99
उत्तर- द. 99

34. सकल मूल्य वर्धन (जी.वी.ए) में वित्त वर्ष 2025 में सेवा क्षेत्र का योगदान कितने प्रतिशत रहने का अनुमान है?
अ. 50 ब. 52
स. 55.3 द. 58
उत्तर- स. 55.3

35. वर्ष 2023-25 के मध्य सेवाओं में औसत विकास दर कितने प्रतिशत है?
अ. 8 ब. 8.3
स. 8.5 द. 9.0
उत्तर- ब. 8.3

36. आर्थिक समीक्षा 2025 की थीम के रूप में इस वर्ष की प्रस्तावना में किसका वर्णन किया गया है?
अ. विनियमन
ब. गैर विनियमन
स. सामाजिक स्तर
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- ब. गैर विनियमन

37. पुस्तक ' द एनक्शियस जनरेशन: हाओ द ग्रेट री-राइटिंग ऑफ चाइल्डहुड इज काजिंग एन एपीडेमिक- ऑफ मेंटल इलनेस' किसने लिखी है?
अ. जोनाथन हैडट
ब. आर. शांतारमन
स. जोनाथन रिचर्डसन
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- अ. जोनाथन हैडट

38. स्वास्थ्य पर होने वाले कुल खर्च में सरकार की हिस्सेदारी 29% से बढ़कर कितने प्रतिशत हो गई है?
अ. 50 ब. 48
स. 44 द. 40
उत्तर- ब. 48

39. आर्थिक समीक्षा के अनुसार वर्ष 2022-23 में कितने प्रतिशत जनसंख्या के पास राशन कार्ड थे?
अ. 90 ब. 84
स. 80 द. 75
उत्तर- ब. 84

40. बुनियादी स्तर के ऋण में छोटे और सीमांत कृषकों की भागीदारी 2014-15 में 41 प्रतिशत थी, वर्ष 2023-2024 में यह कितने प्रतिशत हो गई है?
अ. 45 ब. 50
स. 57 द. 60
उत्तर- स. 57

41. आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार मार्च, 2024 तक देश में कितने किसान क्रेडिट कार्ड खाते संचालित हो रहे हैं?
अ. 7 करोड़ 75 लाख
ब. 7 करोड़ 50 लाख
स. 8 करोड़ 75 लाख
द. 8 करोड़ 50 लाख
उत्तर- अ. 7 करोड़ 75 लाख

42. आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार ई-नाम पहल प्रति कृषि उत्पाद विपणन समिति (एपीएमसी) मंडी को मुफ्त सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर के लिये कितनी वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाती है?
अ. 75 लाख रुपये
ब. 50 लाख रुपये
स. 25 लाख रुपये
द. 30 लाख रुपये
उत्तर- अ. 75 लाख रुपये

43. मार्च, 2024 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का ऋण जमा अनुपात कितने प्रतिशत है?
अ. 71.2 ब. 75
स. 80 द. 82
उत्तर- अ. 71.2

44. दिसम्बर, 2024 के अंत तक भारतीय पूंजी बाजारों में निवेशकों की संख्या कितने करोड़ हो गई है?
अ. 4.9 ब. 8.6
स. 13.2 द. 15
उत्तर- स. 13.2

45. वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक 2024 में भारत की टियर-1 रैंकिंग-100 में से कितने स्कोर की रही?
अ. 98.49 ब. 90
स. 97.49 द. 95
उत्तर- अ. 98.49

46. आर्थिक समीक्षा के अनुसार भारत का कुल सड़क नेटवर्क कितने लाख किलोमीटर का है?
अ. 60 ब. 63.4
स. 65 द. 67
उत्तर- ब. 63.4

47. उड़ान योजना के अंतर्गत 88 हवाई अड्डों को जोड़ने वाले कितने हवाई मार्गों का संचालन किया जा रहा है?
अ. 619 ब. 620
स. 652 द. 630
उत्तर- अ. 619

- डॉ. माया राठी
(लेखिका, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय, भोपाल में अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका हैं।)

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025

समृद्धि, आर्थिक सशक्तिकरण और वैश्विक सम्मान का अद्‌भुत आयाम

भोपाल में संपन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट केवल निवेश और औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं है। इससे पूरे भारत के समग्र विकास और आर्थिक समृद्धि के नये द्वार खुले हैं। इसके साथ यह समिट वैश्विक स्तर पर मध्यप्रदेश की छवि और सम्मान बढ़ाने का भी माध्यम बनी।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट केवल औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं है। इसके बहुआयामी लाभ होंगे। जिस प्रकार यह संसार दो प्रकार का है। एक दृश्यमान और दूसरा अदृश्यमान। सृष्टि की कुछ ऊर्जाएं ऐसी हैं जो दिखाई नहीं देतीं फिर भी जीवन संचालन में सहयोगी होती हैं। उसी प्रकार इस इन्वेस्टर्स समिट के निवेश प्रस्तावों के आकार लेने के बाद इसका परोक्ष प्रभाव भी मध्यप्रदेश के सामाजिक जीवन पर होगा। इसके लिये मध्यप्रदेश सरकार ने समिट आयोजन से पहले कुछ अतिरिक्त तैयारी की है और औद्योगिक विकास को विरासत से भी जोड़ा है। यह प्रदेश आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक और धार्मिक स्थलों का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। मध्यप्रदेश सरकार ने इन सबको जोड़कर धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन की विधाएं साथ रखकर इन क्षेत्रों में निवेशकों को आमंत्रित किया था। इन चारों विधाओं में मध्यप्रदेश का स्थान सबसे अलग है। इतिहास में जहां तक दृष्टि जाती है, वहां मध्यप्रदेश की छवि एक समृद्ध और प्रतिष्ठित भू-क्षेत्र के रूप में उभरती है। प्रदेश में लाखों वर्ष पुरानी मानव सभ्यता के चिह्न हैं। समय के साथ भले स्वरूप बदला हो, राजनैतिक सीमाएं बदलीं, नाम बदले, लेकिन मध्यप्रदेश की प्रसिद्धि बनी रही। वैदिक काल से लेकर मध्यकाल तक पूरे विश्व में मध्यप्रदेश आकर्षण का केन्द्र रहा है। यही कारण था कि हर काल-खंड में विदेशी पर्यटक भारत आते रहे हैं। ह्वेनसांग और फाह्यान से लेकर अल-बेरूनी तक और कनिंघम से लेकर स्मिथ तक भारत आने वाला कोई विदेशी शोधकर्ता ऐसा नहीं जो मध्यप्रदेश न आया हो। इन सबके लेखन में मध्यप्रदेश की समृद्धियों का उल्लेख है। मध्यप्रदेश के वैभव और समृद्धि की झलक कण-कण में बिखरी है। इसे संजोने में पुरावेत्ता विष्णु श्रीधर वाकणकर जी ने अपना जीवन समर्पित कर दिया था। इन सभी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक स्थलों की कहानियां, अनूठे चिह्न, खनिज एवं वन्य संपदा की विविधता भी पर्यटकों को आकर्षित करती रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने विकास यात्रा को नये आयाम दिये। डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मंत्र 'विकास के साथ विरासत' का अमल करते हुये अपने कदम आगे बढ़ाये। कार्यभार संभालने के पहले दिन से डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के इस मंत्र पर काम करना आरंभ किया और भारत को विश्व का सबसे समृद्ध राष्ट्र बनाने के उनके संकल्प को पूरा करने के लिये मध्यप्रदेश की सहभागिता सुनिश्चित करने की दिशा में भी कदम बढ़ाये। यह तभी संभव है जब भारत का प्रत्येक राज्य विकसित और उन्नत हो। 24-25 फरवरी को भोपाल में सम्पन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट इसी दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

समिट की तैयारियों का होमवर्क

मध्यप्रदेश की यह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट अचानक आयोजित नहीं हुई। इससे पहले राज्य सरकार ने पर्याप्त होमवर्क किया था। यह होमवर्क तीनों प्रकार से हुआ। एक ओर मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले में पानी, बिजली, परिवहन और भूमि की उपलब्धता का विवरण तैयार किया गया, दूसरी ओर भारत ही नहीं पूरे संसार के प्रतिष्ठित उद्योग समूहों से उनकी रुचि के उद्योगों को प्राथमिकता में रखकर चर्चा की गई और तीसरा मध्यप्रदेश में रीजनल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन हुये। नई सरकार के अल्प कार्यकाल में ही सात रीजनल इन्वेस्टर्स समिट संपन्न हुई इन तीनों प्रकार की तैयारी के बाद यह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन हुआ। इस अल्प समय में मध्यप्रदेश में निवेश प्रस्तावों का मानो एक नया कीर्तिमान बनाया है। कुल 30.77 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिससे 21.40 लाख नए रोज़गार के अवसर सृजित होने की संभावना है। इस ग्लोबल समिट में प्रमुख उद्योगों के चेयरमैन, सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर्स ने हिस्सा लिया। भारत का ऐसा कोई प्रमुख उद्योग समूह नहीं जिसके प्रतिनिधि इस समिट में सहभागी न बने हों। उनके साथ 600 से अधिक 'बिजनेस टू गवर्नमेंट' और 5,000 से अधिक 'बिजनेस टू बिजनेस' बैठकें हुईं। निवेशकों और सरकार के बीच इस संवाद से औद्योगिक विकास की दिशा में एक मजबूत विश्वास बढ़ा है।

धार्मिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक पर्यटन

प्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और विविध प्राकृतिक स्थलों को पर्यटन से जोड़कर निवेशक आमंत्रित किये गये। निवेशकों ने इस दिशा में भी अपनी रुचि दिखाई। विंध्य, सतपुड़ा और अरावली पर्वतमाला से घिरी मध्यप्रदेश की यह धरती अपनी प्राकृतिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और लोक संस्कृति की विविधताओं के लिये संसार भर में प्रसिद्ध है। रॉक शेल्टर, गर्म पानी के झरने, हरे-भरे हिल स्टेशन, घाटियां, गुफाएं वन्य जीवों और वनस्पति से भरे वन, उनका अद्‌भुत प्राकृतिक सौन्दर्य पर्यटकों के लिये सहज आकर्षण का केन्द्र है। रोचक लोक संस्कृतियां, उनके नृत्य कौशल, चित्रकारी, नृत्य-गीत और उनसे जुड़े लोक जीवन की रोचक कहानियां भी शोध कर्ताओं और प्रकृति प्रेमियों को आकर्षित करते हैं। इन सब स्थलों को पर्यटन से जोड़ा गया है और निवेशकों के प्रस्ताव आये। प्रदेश में ऐसे अनेक मन्दिर, किले और विश्व प्रसिद्ध गुफाएं हैं, जिनमें मानव सभ्यता के विकास का क्रम, गौरवशाली इतिहास छिपा है। वे सदैव आकर्षण का केन्द्र रहे हैं। इनमें कुछ तो ऐसे हैं, जिनके प्रतीक चिह्न कोलकाता के राष्ट्रीय संग्रहालय से लेकर लंदन के म्यूजियम में प्रदर्शित हैं। जैसे सतना के पास भरहुत स्तूप के अवशेष कोलकाता के भारतीय संग्रहालय में और धार की भोजशाला की माता सरस्वती की प्रतिमा लंदन के संग्रहालय में है। उज्जैन की वेधशाला, सांची के स्तूप, विदिशा का भग्न सूर्य मंदिर, उदयगिरी की गुफाएं, महू की बाघ गुफाएं, खजुराहो के मंदिर, जानापाव, सतधारा, चंबल, नर्मदा, ताप्ती, बेतवा और शिप्रा के उद्‌गम स्थल, भेड़ाघाट आदि उल्लेखनीय हैं। ओंकारेश्वर, महाकाल, मैहर, सलकनपुर, ओरछा, तरावली, पीताम्बरा पीठ, पशुपतिनाथ मंदसौर, बाघ अभयारण्य, प्रमुख बांध, पचमढ़ी आदि लगभग सौ विविध स्थानों को पर्यटन से जोड़कर निवेश आमंत्रित किये गये हैं। इनमें अधिकांश वे स्थल हैं इनका उल्लेख विदेशी पर्यटकों ने भी किया है। ये सभी स्थल न केवल प्रदेश अपितु विदेशी पर्यटकों के लिये भी आकर्षण का केन्द्र रहे हैं। ग्लोबल समिट में निवेशकों ने इन सभी क्षेत्रों को एक पर्यटन कॉरिडोर बनाकर निवेश में रुचि दिखाई। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन से तीन लाभ होंगे। एक तो इन क्षेत्रों में पर्यटन बढ़ने से आर्थिक समृद्धि बढ़ेगी, परोक्ष रूप से रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे, दूसरा पूरे विश्व से आने वाले पर्यटक मध्यप्रदेश के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक गौरव से परिचित हो सकेंगे। तीसरा सबसे महत्वपूर्ण है इन स्थलों का रखरखाव बढ़ेगा अर्थात विकास के साथ विरासत का भी संरक्षण होगा।

भविष्य की योजनाएं

एक समृद्ध विरासत के साथ मध्यप्रदेश में प्राकृतिक उत्पाद की अपनी कुछ विशेषताएं भी हैं। कपास, खनिजों और कृषि उत्पाद की विविधता। कृषि उत्पाद में कपास उत्पाद, शरबती गेहूं, नर्मदा पट्टी की तुअर दाल, खनिजों यदि हीरे और चूने को अलग कर दें तो भी केवल पत्थर के कई प्रकार उत्खनित होते हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने इन विधाओं की ओर भी निवेशकों को आकर्षित किया है। इस समिट में मिलेट्स और जैविक कृषि के क्षेत्र एवं इससे आधारित टेक्सटाइल और फार्मा सेक्टर में रिकॉर्ड निवेश आया है। पीथमपुर को भारत का 'डिफेंस और ऑटोमोबाइल हब' बनाने की योजना है। मध्यप्रदेश को 'कॉटन कैपिटल ऑफ इंडिया' का दर्जा मिला है। चंदेरी और माहेश्वरी साड़ियों को जीआई टैग मिला है, इससे इनके निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

मध्यप्रदेश के औद्योगीकरण के लिये सरकार ने 'मेट्रोपॉलिटन कॉन्सेप्ट' के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न अंचलों में आसपास के जिलों को जोड़कर एक औद्योगिक कॉरिडोर बनाने का भी निर्णय लिया है। इसमें मालवा अंचल में इंदौर, उज्जैन, देवास, शाजापुर और पीथमपुर (धार) को जोड़कर एक इंडस्ट्रियल सेंटर बनाने की दिशा में काम करना आरंभ कर दिया है। राजधानी भोपाल से विदिशा, रायसेन, सीहोर और नर्मदापुरम को जोड़कर एक कॉरिडोर बनाने की योजना पर काम आरंभ हो गया है। इसी प्रकार मध्यभारत, बुन्देलखण्ड, महाकौशल और विन्ध्य क्षेत्र में भी ऐसे इंडस्ट्रियल कॉरिडोर विकसित किये जायेंगे। इन इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में सड़क और रेल परिवहन, बिजली, पानी, सीवर लाइन और औद्योगिक क्षेत्र में कॉलोनी जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। ऐसे क्षेत्रों को मेट्रोपॉलिटन के रूप में विकसित करने के लिये आगामी 25 वर्षों की बढ़ती आवश्यकता को ध्यान में रखकर योजना बनाई जा रही है।

- रमेश शर्मा
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

मध्यप्रदेश एमएसएमई विकास नीति 2025

राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणीकरण तथा नवीन प्रौद्योगिकी के प्रयोग को मिलेगा बढ़ावा

मध्यप्रदेश में विकास की अनंत संभावनाओं को गति देने के लिए विगत दिनों मध्यप्रदेश एमएसएमई विकास नीति-2025 लागू की गयी। किसी प्रदेश के विकास और अर्थव्यवस्था को उद्योग जगत संबल प्रदान करता है। आधारभूत औद्योगिक विकास के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम महत्वपूर्ण कड़ी है। इसके तहत कम लागत में अधिक रोज़गार सृजित होते हैं और उद्योग का भी विकास होता है।

एमएसएमई की विशेषता और महत्ता को केन्द्र में रखकर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नई एमएसएमई नीति लेकर आये हैं। इस नीति के लागू होने से निवेशकों को सहायता और सुविधा कई गुना बढ़ेगी।

नीति में जहां राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणीकरण और नवीन प्रौद्योगिकी के प्रयोग को बढ़ावा देने का प्रयास है, वहीं निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष प्रावधान किये गये हैं। एसएमएमई क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए निवेश पर 40 प्रतिशत तक की सहायता का प्रावधान है। इस नीति में महिलाओं, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए विशेष लाभ का ध्यान रखा गया है।

नए उद्योगों में नवकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहन, अनुसूचित जाति, जनजाति, महिला उद्यमी इकाई को 48 प्रतिशत और औद्योगिक दृष्टि से पिछड़े विकासखंडों में 1.3 गुना सहायता का प्रावधान किया गया है। नीति में निवेश को प्रोत्साहित किया गया है। इसके तहत निर्यातक इकाई को निवेश पर 52 प्रतिशत तक की सहायता, निर्यात के लिए माल ढुलाई पर अधिकतम 2 करोड़ रुपये की सहायता के साथ निर्यात के लिए प्रमाण पत्र पर 50 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी।

चूंकि उद्यम का यह क्षेत्र रोज़गार के अधिक अवसर पैदा करता है इसलिए मध्यम इकाई को 100 से अधिक रोज़गार देने पर डेढ़ गुना अनुदान दिया जाएगा। रोज़गार सृजन को बढ़ावा देने के लिए प्रति कर्मचारी 5 हजार रुपये प्रति माह 5 वर्ष तक मदद की जाएगी। इसके साथ ही औद्योगिक और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रति कर्मचारी, 13 हजार रुपये तक का प्रशिक्षण अनुदान भी दिया जाएगा।

सेवा क्षेत्र विकास का बड़ा क्षेत्र है अतः सेवा क्षेत्र में पहली बार सहायता देने के प्रबंध किये गये हैं। इसमें लॉजिस्टिक, रीसाइक्लिंग, मोटर यान स्क्रेपिंग के साथ शोध शामिल है। मेडिकल डिवाइस और फुटवियर के लिए भी विशेष पैकेज हैं। नीति में एमएसएमई एक्सचेंज, लीन इंजीनियरिंग, टेस्टिंग लैब, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर आदि नवीन क्षेत्र को भी सहायता मिलेगी।

मध्यप्रदेश एमएसएमई को औद्योगिक भूमि एवं भवन आवंटन तथा प्रबंधन नियमों में संशोधन का प्रावधान है। इसके तहत विकसित किए जाने वाले औद्योगिक भू-खंडों का आवंटन पहले आओ-पहले पाओ के स्थान पर ई-बिडिंग, फ्लैटेड इंडस्ट्रियल एरिया और कॉम्प्लेक्स का निर्माण और आवंटन का नवीन प्रावधान किया गया है। इन संसाधनों के बाद भूमि का आवंटन सरल, पारदर्शी एवं ऑनलाइन तरीके से त्वरित गति से हो सकेगा। इस तरह सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास नीति 2025 के तहत निवेशकों को विभिन्न क्षेत्रों में सहायता प्रदान करने का प्रयास किया गया। रोज़गार के अवसर बढ़ाने और निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए कई उपयोगी और महत्वपूर्ण प्रावधान किए गये हैं। इससे प्रदेश में छोटे और मध्यम उद्योगों को विस्तार के लिए नई ऊर्जा और बल मिलेगा।

यह नीति निवेशकों को निवेश के लिए सहायक है, नई सुविधा और सहयोग से निश्चित ही निवेश बढ़ेगा। एमएसएमई उद्योगों का विस्तार होगा, इससे नये रोज़गार निर्मित होंगे। जिसका सीधा लाभ प्रदेश के युवाओं को मिलेगा। वर्तमान में मध्यप्रदेश युवा प्रदेश है। नवीन नीति के पालन-प्रतिपालन के चलते विकास का प्रतिशत कई गुना बढ़ने की संभावना है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा लागू की गयी इस नीति से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सेक्टर की उद्यमशीलता और रोज़गार सृजन की क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी।

इस नीति में महिलाओं, नवीन क्षेत्रों, निर्यात क्षेत्रों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों और औद्योगिक रूप से पिछड़े विकासखंडों के लिए जो विशेष सहयोगी प्रावधान शामिल किये हैं। इससे प्रदेश के सभी क्षेत्र उद्योग जगत में अपनी क्षमता साबित कर सकेंगे। इससे प्रदेश के विकास और निर्माण का विस्तार होगा, औद्योगीकरण को गति मिलेगी। यह नीति आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश निर्माण के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी।

- हितेश शर्मा
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर

पद का नाम - प्रोफेसर, अतिरिक्त प्रोफेसर, सहयोगी प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर
पदों की संख्या - 51
योग्यता - इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट 1956 के तहत निर्धारित योग्यताएं होना आवश्यक है।
अंतिम तिथि - 06 मार्च, 2025
वेबसाइट - https://aiimsbhubaneswar.nic.in

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

पद का नाम - कुलसचिव, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, तकनीकी सहायक/कनिष्ठ अभियंता, अधीक्षक, वरिष्ठ तकनीशियन, वरिष्ठ सहायक, स्टेनोग्राफर, तकनीशियन, कनिष्ठ सहायक, कार्यालय सहायक/प्रयोगशाला सहायक
पदों की संख्या - 33
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 10 मार्च, 2025
वेबसाइट - https://nitsikkim.ac.in

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड

पद का नाम - प्रबंधक (सिविल), उप प्रबंधक (सिविल)
पदों की संख्या - 12
योग्यता - एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित किसी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय कम से कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री
अंतिम तिथि - 07 मार्च, 2025
वेबसाइट - https://www.ircon.org

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - एक्जीक्यूटिव ट्रेनी, असिस्टेंट कंपनी सेक्रेटरी
पदों की संख्या - 37
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 13 मार्च, 2025
वेबसाइट - https://neepco.co.in

राइट्स लिमिटेड

पद का नाम - रेजिडेंट इंजीनियर, टेक्निकल असिस्टेंट, टेक्निशियन
पदों की संख्या - 108
योग्यता - रेजिडेंट इंजीनियर के लिए इंजीनियरिंग की डिग्री, टेक्निकल असिस्टेंट के लिए इंजीनियरिंग में डिप्लोमा और टेक्निशियन के लिए फिजिक्स या केमेस्ट्री में बीएससी डिग्री।
अंतिम तिथि - 11 मार्च, 2025
वेबसाइट - https://www.rites.com

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - प्रबंधक, उप प्रबंधक, सहायक प्रबंधक
पदों की संख्या - 115
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ इलेक्ट्रिकल विषय में बीई/बीटेक/बीएससी इंजीनियरिंग
अंतिम तिथि - 12 मार्च 2025
वेब. - https://www.powergrid.in

यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

पद का नाम - अप्रेंटिस
पदों की संख्या - 105
योग्यता - किसी भी विषय में स्नातक
अंतिम तिथि - 10 मार्च, 2025
वेबसाइट - https://uiic.co.in

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड

पद का नाम - आईटीआई ट्रेड अप्रेंटिस
पदों की संख्या - 175
योग्यता - आईटीआई (एनसीवीटी/एससीवीटी) उत्तीर्ण
अंतिम तिथि - 10 मार्च, 2025
वेबसाइट - https://www.mpcz.co.in

पंजाब स्टेट पॉवर कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - असिस्टेंट लाइनमैन
पदों की संख्या - 3000
योग्यता - न्यूनतम दसवीं कक्षा उत्तीर्ण हो तथा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिग्री या डिप्लोमा
अंतिम तिथि - 13 मार्च, 2025
वेबसाइट - https://pspcl.in

केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिक अनुसंधान संस्थान, मैसूरू

पद का नाम - वैज्ञानिक
पदों की संख्या - 35
योग्यता - एमई या एमटेक की डिग्री
अंतिम तिथि - 14 मार्च, 2025
वेबसाइट - https://cftri.res.in

एडमिशन अलर्ट

जनजातीय कार्य विभाग मध्यप्रदेश

पाठ्यक्रम का नाम- विशिष्ट आवासीय विद्यालयों में कक्षा छठवीं में प्रवेश
योग्यता- कक्षा पांचवीं में अध्ययनरत जनजाति वर्ग, विशिष्ट पिछड़ी जनजाति (बैगा, भारिया और सहरिया), विमुक्त जनजातियां, घुमक्कड़ एवं अर्धघुमक्कड़ समुदाय के अलावा वे बच्चे जिन्होंने अपने माता-पिता को वामपंथी उग्रवाद या कोविड के कारण खो दिया है तथा विधवा की संतान, दिव्यांग माता-पिता की संतान और अनाथ बच्चे आवेदन कर सकते है।
सीटों की संख्या- 8293
अंतिम तिथि - 10 मार्च, 2025
वेब.-https://www.tribal.mp.gov.in

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क, भोपाल

पाठ्यक्रम का नाम- एडवांस्ड इलेक्ट्रिकल टेक्नोलॉजी (पावर एंड कंट्रोल), एडवांस्ड एलेक्ट्रॉनिक्स (मोबाइल डिवाइस एंड आईओटी इंटीग्रेशन), एडवांस्ड नेटवर्किंग एंड सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन, एडवांस्ड एयर कंडीशनिंग एंड रेफ्रीजरेशन, एडवांस्ड प्रिसीजन इंजीनियरिंग, एडवांस्ड ऑटोमेटिव टेक्नोलॉजी, एडवांस्ड मैकेनिकल टेक्नोलॉजी, एडवांस्ड मेकाट्रॉनिक्स, एडवांस्ड मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल सर्विसेज
योग्यता- संबंधित संकाय में आईटीआई/इंजीनियरिंग में डिग्री या डिप्लोमा उत्तीर्ण।
सीटों की संख्या- 640
अंतिम तिथि - 15 मार्च, 2025
वेबसाइट - www.admission.gsp@mp.gov.in

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

हमारा जिला मंडला

इतिहास, संस्कृति और पर्यटन से समृद्ध है मंडला

मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध है। प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता, क्षमता और दक्षता है। यहां का प्रत्येक जिला अपना इतिहास, कला, संस्कृति, परंपरा, उपज और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं लिए हुए है। 'रोज़गार और निर्माण' के 'हमारा जिला' स्तम्भ में हम मध्यप्रदेश के एक जिले से आपको परिचित करवाते हैं। इस अंक में प्रस्तुत है मंडला जिले का परिचय-

मंडला जिला मध्यप्रदेश का एक जनजातीय बाहुल्य जिला है, जो जबलपुर संभाग का हिस्सा है। यह तीन तरफ से नर्मदा नदी से घिरा हुआ है। मंडला के उत्तर-पश्चिम की ओर से होकर नर्मदा नदी बहती है। जिले की सीमाएं बालाघाट, डिंडौरी, सिवनी और छत्तीसगढ़ राज्य से लगती हैं। जिला अपनी समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के लिए जाना जाता है। यहां गोंड, बैगा और ऊरांव सहित कई जनजातियां निवास करती हैं। जिले के प्रमुख आकर्षणों में से एक कान्हा राष्ट्रीय उद्यान है, जो भारत के सबसे बड़े और सबसे प्रसिद्ध बाघ अभयारण्यों में से एक है। यह बाघ, तेंदुए, स्लॉथ भालू, हिरण, बारासिंघा और पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों सहित अपने विविध वन्य जीवन के लिए प्रसिद्ध है। यह क्षेत्र चावल, गेहूं, दलहन और तिलहन जैसी फसलों की खेती के लिए जाना जाता है। हस्तशिल्प और जनजातीय कला भी जिले की महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधियां हैं। यहां सागौन और साॅल के जंगल हैं।

प्रशासनिक उद्देश्य से मंडला जिले को छह तहसीलों और नौ विकासखंडों में विभाजित किया गया है। मंडला में तीन उपज मंडियां हैं, मण्डला, नैनपुर और बिछिया। यह क्षेत्र रानी दुर्गावती के शासन का प्रमुख क्षेत्र रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग 30 मंडला जिले से गुजरता है, जो इसे सड़क द्वारा कई स्थानों से जोड़ता है।

मंडला आर्ट

मंडला आर्ट गोलाकार में बनाई जाती है। इसे बनाने की अपनी शैली है। मंडला शब्द संस्कृत के चक्र शब्द से लिया गया है। मंडला आर्ट में एक केन्द्र बिन्दु होता है, उसी के चारों ओर गोलाकार में सारणी निकाली जाती है। इस डिजाइन का अर्थ आध्यात्मिकता से जुड़ा है। मंडला डिजाइन ब्रह्मांड को दर्शाती है।

मोती महल मंडला

मोती महल का निर्माण गोंड राजा हिरदेशाह ने कराया था। वर्ष 1984 में इसे राज्य संरक्षित स्मारक घोषित किया गया। वर्ष 2024 में इसे विश्व धरोहर स्थलों की अस्थाई सूची में शामिल किया गया। यह महल चतुर्भुजाकार में बनाया गया है। इसका मुख उत्तर की ओर है। यहां से नर्मदा नदी का रमणीय दृश्य दिखाई देता है।

मंडला के प्राचीन मंदिर

मंडला के प्राचीन मंदिरों में शामिल हैं, नक्खी माई मंदिर, राज राजेश्वरी मंदिर, विष्णु मंदिर रामनगर, बूढ़ी माई का मंदिर, हनुमान घाट मंदिर, दादा धनीराम समाधी स्थल और सहस्त्रधारा शिव मंदिर आदि।

पर्यटन

मंडला और बालाघाट जिलों में स्थित, कान्हा टाइगर रिजर्व में दो प्रमुख अभयारण्य, हॉलन और बंजार अभयारण्य हैं। कान्हा रिजर्व क्रमशः 250 वर्ग किलोमीटर और 300 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को कवर करते हुए कुल मिलाकर यह 1,949 वर्ग किलोमीटर का एक बड़ा क्षेत्र बनाता है। कान्हा नेशनल पार्क में अनेक प्रजाति के जीव, जन्तु और वनस्पतियां हैं। यह क्षेत्र बारहसिंगा और बाघ के लिए प्रसिद्ध है। यहां चीतल, सांभर, जंगली मुर्गा और लकड़बग्घा भी हैं।

सहस्त्रधारा

सहस्त्रधारा मंडला इलाके में सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। इस

जगह में प्रकृति की अद्भुत सुंदरता है, जहां हजारों गहरे संकीर्ण चैनल से मैग्नीशियम, चूना पत्थर और बेसाल्ट चट्टानों के माध्यम से पानी टपकता है और एक सुंदर ग्रिड जैसा पैटर्न बनाता है।

राम नगर

राम नगर किला 17वीं शताब्दी में गोंड राजाओं द्वारा बनाया गया था। इसका निर्माण नर्मदा नदी के एक पाश में किया गया है।

इस किले की मुख्य विशेषता इसका तीन मंजिल रणनीतिक निर्माण है। इसे नर्मदा नदी के तट पर बनाया गया था, ताकि तीनों तरफ से नर्मदा नदी द्वारा रक्षा हो सके।

बेगम महल

मोती महल से लगभग 3 किलोमीटर दूर एक और किला है, जिसे बेगम महल कहा जाता है, रानी के सम्मान में निर्मित, इस महल में एक सुंदर तीन मंजिला आयताकार मास्टर पैलेस है, जो मुगल शैली की वास्तुकला पर आधारित है। बेगम महल का निर्माण काले पत्थरों से किया गया था, जिन्हें 4 किलोमीटर दूर स्थित काला पहाड़ नामक स्थान से लाया गया था।

मुख्य फसलें

जनजातीय बाहुल्य इस क्षेत्र में गेहूं,

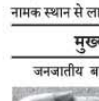

चावल, दलहन और तिलहन के अलावा कोदो-कुटकी का भी उत्पादन होता है।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

गरम पानी कुंड

मंडला शहर से लगभग 18 किलोमीटर की दूरी पर प्रसिद्ध गरम पानी कुंड या गर्म पानी का कुआं स्थित है। यह कुंड अपने अनूठे और जादुई सल्फर युक्त पानी के लिए लोकप्रिय है। मान्यता है कि इस कुएं के पानी को भगवान विष्णु ने दशकों पहले प्लेग से पीड़ित लोगों को ठीक करने का आशीर्वाद दिया था। चारों ओर से हरियाली से घिरे इस क्षेत्र की अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता है। इस पानी पर समय-समय पर वैज्ञानिकों ने अध्ययन किया है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा यह कहा गया है कि गरम पानी कुंड का पानी कुछ त्वचा रोगों को ठीक कर सकता है। इसलिए मंडला के गरम पानी कुंड का धार्मिक और औषधीय महत्व है। यहां हर वर्ष सैकड़ों लोग आते हैं।

जनसांख्यिकी

(वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार)
जनसंख्या - 1,054,905
पुरुष- 525,272, महिला- 529,633
ग्रामीण - 924,716, शहरी - 130,189

नर्मदा जयंती

हिंदू चंद्र पंचांग के अनुसार प्रतिवर्ष माघ महीने में शुक्ल पक्ष सप्तमी को यहां नर्मदा जयंती मनाई जाती है। इस अवसर पर स्नान, दीप दान, नर्मदा आरती की परम्परा है।

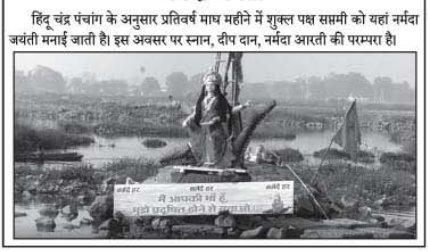

खेल चर्चा

मोहन बागान ने जीता आईएसएल शील्ड खिताब

कोलकाता, भारत के लोकप्रिय फुटबॉल क्लब मोहन बागान सुपर जाइंट्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) शील्ड खिताब जीत लिया है। मोहन बागान क्लब ने आईएसएल-2025 में अंक तालिका में पहला स्थान सुनिश्चित करते हुए यह खिताब जीता है। कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मोहन बागान ने ओडिशा एफसी को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ अंक तालिका में मोहन बागान के 22 मैचों में 52 अंक हो गए हैं। मोहन बागान ने 16 मैच जीते हैं, 4 मैच ड्रॉ रहे हैं, वहीं 2 मैचों में उसे हार मिली है। अंक तालिका में एफसी गोवा 42 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर काबिज है। मोहन बागान के अभी दो लीग मैच बाकी हैं, लेकिन इससे पहले ही उसने शीर्ष स्थान सुनिश्चित करते हुए सेमीफाइनल में भी प्रवेश कर लिया है। उल्लेखनीय है कि आईएसएल में अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर रहने वाली टीम को शील्ड खिताब

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी

भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया

दुबई, भारतीय क्रिकेट टीम ने एक बार फिर आईसीसी टूर्नामेंट में पाकिस्तान को शिकस्त दी है। दुबई में खेले गए चैम्पियंस ट्रॉफी के लीग मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया। इस जीत के साथ ही भारत ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है, वहीं मेजबान और गत विजेता पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो गया है।

मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बाबर आजम (23) और इमाम उल हक (10) ने पाकिस्तान को धीमी लेकिन सधी शुरुआत दिलाई, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 47 रन के स्कोर तक दोनों ओपनरों को पवेलियन लौटा दिया। इसके बाद मोहम्मद रिजवान (46) और सउद शकील (62) ने पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए 104 रन जोड़े। भारतीय गेंदबाजों ने पाकिस्तान के बल्लेबाजों को खुलकर रन बनाने नहीं दिए, जिसकी बदौलत पाकिस्तान की टीम 49.4 ओवरों में 241 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भारत के लिए कुलदीप यादव ने 3 हार्दिक पंड्या ने 2 तथा अक्षर पटेल और हर्षित राणा ने 1-1 विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने

- मैच में विराट कोहली ने अपने वन-डे कॅरियर का 51वां शतक बनाया।
- अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में विराट के 82 शतक हो गए हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 30 और टूवेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक शतक बनाया है।
- मैच में विराट ने वन-डे क्रिकेट में सबसे तेज 14 हजार रन पूरे किये।
- विराट ने 299 मैच में 14 हजार रन पूरे कर सचिन तेंदुलकर (359) का रिकॉर्ड तोड़ा।
- वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में विराट सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं।
- विराट ने 158 कैच के साथ मोहम्मद अजहरुद्दीन (156) को पीछे छोड़ा, हालांकि वह जयवर्धने (218) और पोंटिंग (160) से पीछे हैं।

शानदार शुरुआत दिलाई, हालांकि रोहित 20 रन ही बना सके। रोहित की जगह बल्लेबाजी करने आए विराट ने शुभमन (46) और श्रेयस अय्यर (56) के साथ मिलकर पाकिस्तान के गेंदबाजों के खिलाफ जमकर रन बटोरे। विराट ने मैच में शानदार शतक बनाया और भारत को 45 गेंद शेष रहते जीत दिलाई।

विराट का शानदार प्रदर्शन

पाकिस्तान के खिलाफ विराट का प्रदर्शन हमेशा ही बेमिसाल रहा है। विराट ने पाकिस्तान के खिलाफ 17 वन-डे मैच खेले हैं, इन मैचों में विराट ने चार शतकों के साथ 778 रन बनाए हैं। विराट ने एशिया कप-2012 में पाकिस्तान के खिलाफ 183 रनों की पारी खेली थी।

भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की जताई इच्छा

नई दिल्ली, भारत एक बार फिर राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी कर सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत ने वर्ष 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करने की इच्छा जताई है। राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की दावेदारी का पत्र सौंपने की आखिरी तारीख 31 मार्च है और खेल मंत्रालय दावेदारी के लिए सभी प्रक्रियाएं जल्द पूरी करेगा। रिपोर्ट के अनुसार भारत ने राष्ट्रमंडल खेल महासंघ को प्रस्ताव दिया है कि यदि हम वर्ष 2030 खेलों की मेजबानी करते हैं तो राष्ट्रमंडल खेल-2026 से हटाई गई स्पर्धाओं को फिर से शामिल करेंगे।

मीरा अंद्रीवा बनीं सबसे युवा डब्ल्यूटीए चैम्पियन

दुबई, रूस की युवा टेनिस स्टार मीरा अंद्रीवा ने दुबई ओपन टेनिस टूर्नामेंट जीतकर नया इतिहास रच दिया है। अंद्रीवा महिला टेनिस की सबसे युवा डब्ल्यूटीए चैम्पियन बन गई हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड निकोल वेडिसोवा के नाम था। 17 वर्षीय अंद्रीवा ने दुबई ओपन के फाइनल में डेनमार्क की क्लारा टॉसन को सीधे सेटों में 7-6 (7-1), 6-1 से हराया। मैच के पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर हुई। पहला सेट बराबरा रहा जिससे विजेता का फैसला टाइब्रेकर में हुआ। टाइब्रेकर में अंद्रीवा 7-1 से जीती, इसके बाद अंद्रीवा ने दूसरे सेट में टॉसन को 6-1 से हराया और खिताब अपने नाम किया।

निशानेबाजी विश्वकप के लिए 35 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली, भारतीय राइफल संघ ने अप्रैल में दो चरणों में खेली जाने वाले आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्वकप के लिए 35 सदस्यीय भारतीय निशानेबाजी दल की घोषणा कर दी है। भारतीय दल में स्टार निशानेबाज और पेरिस ओलंपिक की डबल पदक विजेता खिलाड़ी मनु भाकर को जगह मिली है।

भारतीय राइफल संघ ने बताया कि आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्वकप का पहला चरण एक से 11 अप्रैल तक अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में खेला जाएगा, जबकि पेरू का लीमा शहर 13 से 22 अप्रैल तक विश्वकप के दूसरे चरण की मेजबानी करेगा। इस विश्वकप के लिए चयनित निशानेबाजों के लिए भारतीय राइफल संघ एक कैंप (प्रशिक्षण शिविर) लगाएगा। यह शिविर 14 मार्च से नई दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह रेंज में आयोजित होगा।

मनु दो स्पर्धाओं में लेंगी हिस्सा

इस विश्वकप के लिए चयनित दल में मनु भाकर एकमात्र निशानेबाज हैं जो दो स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगी। विश्वकप में मनु महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा और महिलाओं की 25 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में पदक के लिए दावेदारी पेश करेंगी। मनु इस विश्वकप के साथ ही अपने नए सीजन की शुरुआत भी करेंगी। भारतीय दल में मनु के अलावा विजयवीर सिद्धु, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, ईशा सिंह, सिफत कौर समरा, अर्जुन बबूता, पृथ्वीराज टोंडाईमान, अनंतजीत सिंह नरूका और राइजा ढिल्लो जैसी प्रमुख निशानेबाज शामिल हैं।

गुलवीर सिंह ने विश्व चैम्पियनशिप में बनाई जगह

बोस्टन, भारत के लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने अमेरिका के बोस्टन में आयोजित टेरियर डीएमआर चैलेंज इंडोर प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई कर लिया है। प्रतियोगिता में गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 5000 मीटर स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहते हुए विश्व चैम्पियनशिप में जगह बनाई। स्पर्धा में गुलवीर ने 12 मिनट 59.77 सेकेंड का समय निकालकर रेस पूरी की।

आंद्रे रूबलेव ने दूसरी बार जीता कतर ओपन

दोहा, रूस के खिलाड़ी आंद्रे रूबलेव ने कतर ओपन का खिताब जीत लिया है। टूर्नामेंट के फाइनल में रूबलेव ने इंग्लैंड के जैक ड्रेपर को 7-5, 5-7, 6-1 से हराया। पहले सेट में रूबलेव 7-5 ने जीत दर्ज की, वहीं ड्रेपर दूसरे सेट को जीतने में सफल रहे। मैच के तीसरे और निर्णायक सेट में रूबलेव ने जबरदस्त खेल दिखाया और एकतरफा अंदाज में 6-1 से सेट जीता।

भारतीय तीरंदाजों ने एशिया कप में पांच स्वर्ण सहित जीते आठ पदक

बैंकॉक, भारत के तीरंदाजों ने थाईलैंड में आयोजित तीरंदाजी एशिया कप-2025 में शानदार प्रदर्शन किया है। भारतीय तीरंदाजों ने प्रतियोगिता में आठ पदक जीतकर अपने अभियान का समापन किया। इनमें पांच स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक शामिल है।

भारतीय तीरंदाजों ने एशिया कप में रिकर्व और कंपाउंड दोनों वर्गों में शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता की पुरुष कंपाउंड टीम स्पर्धा में भारत के कुशल दलाल, मानव गणेशराव जाधव और गणेश मणिरत्नम थिरुमुरु की तिकड़ी ने विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारतीय तिकड़ी ने स्पर्धा में 2129 अंक अर्जित कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। भारतीय टीम ने फाइनल में मलेशिया को 237-233 से हराया।

कुशल दलाल ने कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में भी भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता। कुशल ने स्पर्धा के फाइनल में दक्षिण कोरिया के चोई योंगही को 148-144 से हराया। पुरुषों की रिकर्व टीम स्पर्धा में भारत के गोल्डी मिश्रा, राहुल और विष्णु चौधरी की तिकड़ी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

पंकज ने 14वीं बार जीता एशियाई स्नूकर खिताब

दोहा, भारत के दिग्गज स्नूकर खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय स्तर शानदार प्रदर्शन किया है। पंकज ने एशियाई स्नूकर चैम्पियनशिप में ईरान के अमीर सरखोश को हराकर खिताब जीता है। फाइनल मुकाबले में सरखोश ने शुरुआत में बढ़त बनाई, लेकिन पंकज ने जबरजस्त वापसी की और मैच 4-1 से जीतकर खिताब अपने नाम किया। एशियाई चैम्पियनशिप में पंकज का यह 14वां स्वर्ण पदक है। इनमें से पांच बार एशियाई स्नूकर खिताब (15 रेड, 6 रेड और टीम प्रारूप में) जीते हैं, जबकि नौ खिताब जीते हैं। इसके अलावा पंकज ने दो बार एशियाई खेलों (वर्ष 2006 और 2010) में भी स्वर्ण पदक जीते हैं।

टॉप्स योजना

खेल मंत्रालय ने योजना में किए कई बड़े बदलाव

नई दिल्ली, खेल मंत्रालय ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने वाली प्रमुख योजना टारगेट ओलंपिक पोडियम (टॉप्स) में बड़े बदलाव किए हैं। इस योजना के तहत वित्तीय सहायता पाने वाले एथलीटों की संख्या में कटौती की गई है। पेरिस ओलंपिक-2024 में भारतीय एथलीटों के अपेक्षा से कमजोर प्रदर्शन के बाद खेल मंत्रालय ने इस योजना में शामिल खिलाड़ियों की संख्या 179 से घटाकर 94 कर दी है। हालांकि पेरिस पैरालंपिक-2024 में भारतीय पैरा एथलीटों की शानदार उपलब्धियों को देखते हुए उन्हें टॉप्स योजना में अधिक प्राथमिकता दी गई है।

खेल मंत्रालय ने बताया कि अब टॉप्स योजना की सूची में 42 सक्षम एथलीट और 52 पैरा एथलीट शामिल हैं। पहले इस सूची में 120 सक्षम खिलाड़ी और 59 पैरा खिलाड़ी थे। पेरिस पैरालंपिक में भारतीय पैरा एथलीटों ने 29 पदक जीतकर इतिहास रचा था।

टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना से कई बड़े खिलाड़ियों को बाहर किया गया है। पहले इस योजना में एथेलेटिक्स के 30 खिलाड़ी शामिल थे, लेकिन अब सिर्फ तीन खिलाड़ी नीरज चोपड़ा (भाला फेंक), अविनाश साबले (स्टीपलचेज) और मुरली श्रीशंकर (लंबी कूद) ही अपनी जगह बरकरार रख पाए हैं, वहीं दिग्गज खिलाड़ी तेजिंदरपाल सिंह तूर को टॉप्स में जगह नहीं मिली है। इसी तरह मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन और निखत जरीन को टॉप्स में शामिल किया गया है, जबकि अमित पंघाल और शिव थापा को बाहर कर दिया गया है। बैडमिंटन में पीवी सिंधु, एचएस प्रणय, लक्ष्य सेन, सात्विक साईराज रैंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी को टॉप्स योजना में बरकरार रखा गया है, जबकि किदांबी श्रीकांत और अश्विनी पोनप्पा को सूची से हटा दिया गया है।

टॉप्स योजना से बाहर हुए कुछ खेल

खेल मंत्रालय ने योजना में कुछ खेलों को नजरअंदाज किया गया है। मंत्रालय ने बताया कि टॉप्स योजना से टेनिस, गोल्फ और तैराकी पूरी तरह से बाहर कर दिए गए है। मंत्रालय ने यह निर्णय वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले लॉस एंजेलिस ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए लिया है।

TOP
Target Olympic Podium

- सरकार ने ओलंपिक जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए वर्ष 2014 में शुरू की थी टॉप्स योजना।
- इस योजना में चयनित खिलाड़ियों को बेहतर ट्रेनिंग के लिए मिलती है वित्तीय सहायता।
- इस वर्ष इस योजना के तहत 94 खिलाड़ियों को किया गया है शामिल।

रोहन बनेंगे बीसीसीआई के संयुक्त सचिव

मुंबई, गोवा क्रिकेट संघ के सचिव रोहन देसाई भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के नए संयुक्त सचिव होंगे। देवजीत सैकिया के सचिव बनने के बाद यह पद खाली था। रोहन देसाई ने संयुक्त सचिव पद के लिए नामांकन दाखिल कर दिया है। इस पद के लिए आवेदन करने वाले रोहन अकेले उम्मीदवार हैं, इसलिए उनका संयुक्त सचिव बनना तय माना जा रहा है। मुंबई में बीसीसीआई की विशेष आमसभा में उन्हें संयुक्त सचिव चुना जाएगा। रोहन देसाई नवंबर 2024 में चार मैचों की टूवेंटी-20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करने वाली भारतीय टीम के प्रबंधक थे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

7.72 करोड़ किसानों को मिला किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ

सक्रिय किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) खातों में राशि मार्च 2014 में 4.26 लाख करोड़ रुपये से दोगुनी से अधिक होकर दिसंबर 2024 में 10.05 लाख करोड़ रुपये हो गई। यह कृषि क्रेडिट में बढ़ोतरी होने और गैर-संस्थागत क्रेडिट पर निर्भरता में कमी को प्रतिबिंबित करता है। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) एक बैंकिंग उत्पाद है जो किसानों को बीज, उर्वरक और कीटनाशक जैसी कृषि वस्तुएं खरीदने के साथ-साथ फसल उत्पादन और इससे जुड़ी गतिविधियों से संबंधित नकदी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समय पर और किफायती क्रेडिट प्रदान करता है। भारत सरकार, संशोधित ब्याज अनुदान योजना (एमआईएसएस) के अंतर्गत, केसीसी के माध्यम से 3 लाख रुपये तक के अल्पकालिक कृषि लोन को 7 प्रतिशत प्रति वर्ष की रियायती ब्याज दर पर प्रदान करने के लिए बैंकों को 1.5 प्रतिशत की ब्याज छूट प्रदान करती है। समय पर लोन चुकाने पर किसानों को 3 प्रतिशत का अतिरिक्त त्वरित पुनर्भुगतान प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है, जो किसानों के लिए ब्याज दर को प्रभावी ढंग से घटाकर 4 प्रतिशत तक कर देता है। 2 लाख रुपये तक के लोन कोलेट्रल-फ्री आधार पर दिए जाते हैं, जिससे छोटे और सीमांत किसानों के लिए क्रेडिट की पहुंच बिना परेशानी के सुनिश्चित होती है। वित्त मंत्री ने बजट भाषण 2025-26 में संशोधित ब्याज छूट योजना के तहत लोन की सीमा को 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने की घोषणा की है, जिससे किसानों को और लाभ होगा।

वेनेजुएला से तेल निकालने और निर्यात का परमिट ट्रंप करेंगे रद्द

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि वह ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी शेवरॉन कॉरपोरेशन को वेनेजुएला से तेल निकालने और निर्यात करने की अनुमति देने वाला अमेरिकी सरकार का परमिट इस सप्ताह समाप्त कर देंगे। इसके साथ ही दक्षिण अमेरिकी देश के लिए वित्तीय जीवनरेखा बन चुका यह परमिट भी समाप्त हो जाएगा। ट्रम्प ने लिखा, हमने तेल लेनदेन समझौते पर वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को जो रियायतें दी थीं, उन्हें हम वापस ले रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप (एसओयूएल) कॉन्क्लेव के पहले संस्करण का उद्घाटन किया

स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप ऐसे नेता तैयार करेगा जो राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर उत्कृष्टता हासिल करेंगे - प्रधानमंत्री

- भारत आज एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है।
- नेताओं को रुझान निर्धारित करने चाहिए।
- विकसित भारत के निर्माण के लिए इस्पात और उत्साह का संचार करना एसओयूएल का हो उद्देश्य।
- भारत को ऐसे नेताओं की आवश्यकता है जो वैश्विक उत्कृष्टता के नए संस्थान विकसित कर सकें।
- साझा उद्देश्य के लिए विकसित सम्बंध खून के रिश्तों से भी अधिक मजबूत होता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी नई दिल्ली के भारत मंडपम में स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप (एसओयूएल) कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप (एसओयूएल) कॉन्क्लेव 2025 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा, राष्ट्र निर्माण के लिए बेहतर नागरिकों का विकास आवश्यक है, प्रत्येक क्षेत्र में अच्छे नेताओं का विकास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक क्षेत्र में अच्छे नेताओं को तैयार करना आवश्यक है और यह समय की मांग है। एसओयूएल सिर्फ संगठन का नाम नहीं है, बल्कि एसओयूएल भारत के सामाजिक जीवन की आत्मा होगी। उन्होंने कहा कि दूसरे अर्थों में, एसओयूएल आध्यात्मिक अनुभव के सार को भी खूबसूरती से दर्शाता है। एसओयूएल के सभी हितधारकों को शुभकामनाएं देते हुए श्री मोदी ने घोषणा की कि निकट भविष्य में गुजरात की गिफ्ट सिटी के निकट एसओयूएल का एक नया, विशाल परिसर बनकर तैयार हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एसओयूएल की यात्रा का पहला कदम है, देश को संस्थानों के भविष्य को आकार देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को याद रखना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि दूरदर्शी नेता हमेशा भारत को गुलामी की बेड़ियों से मुक्त करना चाहते थे और केवल 100 प्रभावी और कुशल नेताओं की मदद से इसे बदलना चाहते थे। उन्होंने कहा कि देश को उसी जोश के साथ आगे बढ़ना होगा। यह देखते हुए कि प्रत्येक नागरिक 21वीं सदी के विकसित भारत के सपनों को सच करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहा है, श्री मोदी ने 140 करोड़ की आबादी वाले देश में सभी क्षेत्रों में अच्छे नेतृत्व की आवश्यकता को रेखांकित किया।

कौशल के बढ़ते महत्व की ओर इशारा किया

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप ऐसे नेताओं को तैयार करेगा जो राजनीति के क्षेत्र सहित पूरी दुनिया में अपनी छाप छोड़ेंगे। प्रधानमंत्री ने किसी भी राष्ट्र की प्रगति में मानव और प्राकृतिक संसाधन की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मानव संसाधन सबसे अधिक क्षमता वाला है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में ऐसे संसाधनों की आवश्यकता है जो नवाचार का नेतृत्व करने और कौशल को दिशा देने में सक्षम हों।

वैश्विक जटिलताओं का समाधान ढूंढ़ सकें

प्रधानमंत्री ने कहा भारत एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रों में गति को बढ़ाने के लिए विश्व स्तरीय नेताओं और अंतर्राष्ट्रीय नेतृत्व की आवश्यकता है। एसओयूएल जैसे नेतृत्व संस्थानों की परिवर्तनकारी बदलाव लाने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अंतर्राष्ट्रीय संस्थान न केवल एक विकल्प हैं, बल्कि आवश्यकता भी हैं। प्रत्येक क्षेत्र में ऊर्जावान नेताओं की आवश्यकता है जो वैश्विक जटिलताओं का समाधान ढूंढ़ सकें, आवश्यकतों को पूरा कर सकें और साथ ही वैश्विक मंच पर राष्ट्र हितों को प्राथमिकता दे सकें। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन नेताओं का दृष्टिकोण वैश्विक होना चाहिए, लेकिन मानसिकता स्थानीय भी होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय मानसिकता दोनों को समझने वाले, रणनीतिक निर्णय लेने, संकट प्रबंधन और भविष्य की सोच के लिए तैयार व्यक्तियों को तैयार करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

दक्षिण कोरिया का दावा उत्तर कोरिया ने यूक्रेन के खिलाफ रूस भेजे नए सैनिक

एक ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए बातचीत की कोशिश में जुटे हैं। वहीं दूसरी ओर रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर दक्षिण कोरिया ने बड़ा दावा किया है। दक्षिण कोरिया की जासूसी एजेंसी ने कहा कि उत्तर कोरिया ने रूस में अतिरिक्त सैनिक भेजे हैं। रूस की ओर से यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के दौरान कई उत्तर कोरियाई सैनिकों की मौत के बाद यह कदम उठाया गया है। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा (एनआईएस) ने कहा कि हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि उत्तर कोरिया ने कितने और नए सैनिक रूस भेजे हैं। एनआईएस ने यह भी कहा कि रूस के कुर्स्क क्षेत्र में बड़ी संख्या में उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए थे। इसके बाद रूस ने उत्तर कोरियाई सैनिकों को यहां से हटा लिया था। मगर फरवरी के पहले सप्ताह में यहां सैनिकों को फिर से तैनात कर दिया गया। पश्चिमी, दक्षिण कोरियाई और यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों ने पहले भी कहा था कि उत्तर कोरिया ने रूस की सेना का समर्थन करने के लिए अपने 10,000 से अधिक सैनिकों को तैनात किया है।

पहली नौसैन्य जलपोत-रोधी मिसाइल का परीक्षण पूरा

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय नौसेना ने 25 फरवरी को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से अपनी तरह की पहली नौसैन्य जलपोत-रोधी मिसाइल (एनएसएम-एसआर) का सफल परीक्षण पूरा किया। इन परीक्षणों में भारतीय नौसेना के सीकिंग हेलीकॉप्टर से प्रक्षेपित किए गए निर्धारित जहाज लक्ष्यों पर मिसाइल की क्षमता का प्रदर्शन किया गया।

स्वदेशी इमेजिंग इंफ्रा-रेड सीकर तकनीक का इस्तेमाल

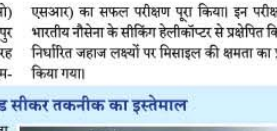

इन परीक्षणों ने मिसाइल की मैन-इन-लूप विशेषता को साबित कर दिया है और इसकी अधिकतम सीमा पर सी-स्किमिंग मोड में एक छोटे जहाज के लक्ष्य पर सीधा प्रहार किया है। यह मिसाइल टर्मिनल मार्गदर्शन के लिए स्वदेशी इमेजिंग इंफ्रारेड सीकर तकनीक का इस्तेमाल करती है। मिशन ने उच्च बैंडविड्थ दो तरफा डेटालिंक प्रणाली को भी दर्शाया है, जिसका उपयोग उड़ान के दौरान पुनः लक्ष्य निर्धारण के लिए पायलट को लक्ष्य की त्वरित तस्वीर भेजने के लिए किया जाता है। मिसाइल को लॉन्च मोड के बाद बियरिंग-ओनली लॉक-ऑन में प्रक्षेपित किया गया था, जिसमें से एक को चुनने के लिए कई लक्ष्य उसके पास में थे। यह मिसाइल अपने मध्य-मार्ग मार्गदर्शन के लिए स्वदेशी फाइबर ऑप्टिक जाइरोस्कोप-आधारित आईएनएस और रेडियो अल्टीमीटर, एक एकीकृत एवियोनिक्स मॉड्यूल, एयरोडायनामिक तथा जेट वेन नियंत्रण के लिए इलेक्ट्रो-मैकेनिकल एक्चुएटर्स, थर्मल बैटरी और पीसीबी बारहेड का उपयोग करती है।

भारतीय तटरक्षक बल के कर्मियों को मिले 32 वीरता, विशिष्ट सेवा और सराहनीय सेवा पदक

रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में आयोजित 18वें आईसीजी अलंकरण समारोह के दौरान भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के कर्मियों को वीरता, विशिष्ट सेवा और सराहनीय सेवा पदक प्रदान किए। वर्ष 2022, 2023 और 2024 के लिए दिए गए कुल 32 पदकों में छह राष्ट्रपति तटरक्षक पदक (विशिष्ट सेवा), 11 तटरक्षक पदक (वीरता) और 15 तटरक्षक पदक (सराहनीय सेवा) शामिल हैं। आईसीजी कर्मियों को चुनौतीपूर्ण और चरम स्थितियों में अनुकरणीय सेवा, वीरता के कार्यों और कर्तव्य के प्रति निस्वार्थ समर्पण के लिए ये पदक प्रदान किए गए।

रक्षा मंत्री ने कहा कि यह पदक सिर्फ एक स्मृति चिह्न नहीं है, बल्कि ये तिरंगे के सम्मान को बनाए रखने के लिए बहादुरी, दृढ़ता और अटूट संकल्प का प्रतीक है। श्री राजनाथ सिंह ने आईसीजी के मजबूत, भरोसेमंद और दुनिया की सबसे कुशल समुद्री सेनाओं में से एक बनने पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 'भौगोलिक दृष्टि से भारत तीन तरफ से समुद्र से घिरा हुआ है और इसकी तटरेखा बहुत बड़ी है। देश की सामरिक सुरक्षा दो तरह के खतरों का सामना करती है। पहला युद्ध है, जिसका सामना सशस्त्र बलों को करना पड़ता है और दूसरा समुद्री डकैती, आतंकवाद, घुसपैठ, तस्करी और अवैध मछली पकड़ने की चुनौतियां हैं, जिनके लिए समुद्री सेनाएं, खासतौर पर आईसीजी हमेशा सतर्क रहती हैं।

29 गंभीर लोगों को दी चिकित्सा सहायता

पिछले एक साल में, आईसीजी ने समुद्री सुरक्षा, संरक्षा और मानवीय कार्यों में उपलब्धियां हासिल की हैं। इसने 14 नावों और 115 समुद्री लुटेरों को पकड़ा। साथ ही लगभग 37,000 करोड़ रुपये कीमत के मादक पदार्थ जब्त किए। इसके अलावा, आईसीजी ने बचाव कार्यों के माध्यम से 169 लोगों की जान बचाई और 29 गंभीर रूप से घायल लोगों को चिकित्सा सहायता प्रदान की।

नवाचार को बढ़ावा देने फिनटेक स्टार्टअप

डीपीआईआईटी और पेटीएम ने किया समझौता

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), भारत सरकार ने भारत में नवाचार को बढ़ावा देने और विनिर्माण तथा फिनटेक स्टार्टअप के विकास के लिए पेटीएम (वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत पेटीएम स्टार्टअप्स को सलाह, आधारभूत संरचनात्मक सहायता, बाजार तक पहुंच और फंडिंग के अवसर देगा, जिससे उन्हें आगे बढ़ने और नवाचार करने में मदद मिलेगी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.वी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।